डिजिटल लुटेरा : यूपीआई सुरक्षा को चकमा दे रहे साइबर ठग - 10

कच्चा तेल उछलने से फिसला बाजार सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा 5.14 लाख करोड़ डूबे - 10

विपक्ष अब ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देगा नोटिस - 11

टीम भावना ने पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका : सूर्यकुमार - 12

आज का मौसम
34.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.26
सूर्यास्त 06.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी 06:29 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 12 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 34, पृष्ठ 12+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

एलपीजी सिलेंडर किल्लत की अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं : मुख्यमंत्री

लखनऊ में एजेंसी पर गैस की किल्लत से जूझते लोगों की लगी कतार।

- सीएम ने जिलाधिकारियों व पुलिस अफसरों को कार्रवाई के दिए निर्देश
- सिलेंडर की कालाबाजारी व कृत्रिम कमी दिखाने वालों पर भी शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच उप्र में तेल व गैस की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों पर मुख्यमंत्री योगी ने सख्त रुख अपनाया है। कहा कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अफवाह फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिया है कि एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल या डीजल की कालाबाजारी करने या कृत्रिम कमी दिखाने वालों पर भी बेहद कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि आपदा की स्थिति में अवसर तलाशने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि गैस और पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी, अवैध भंडारण या कृत्रिम कमी दिखाकर कीमत बढ़ाने की कोशिश करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला स्तर तक निगरानी तेज कर दी गई है। सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर नजर रखी जा रही है। जिलों की पुलिस को पेट्रोल पंपों के आसपास निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम की सख्ती के बाद कई जिलों में प्रशासनिक टीमें फील्ड पर उतर आई हैं। लखनऊ, नोएडा, कानपुर और प्रयागराज समेत कई शहरों में पेट्रोल पंपों, गैस गोदामों और वितरण केंद्रों पर निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

ऊर्जा संकट पर प्रधानमंत्री मोदी बोले- अफवाहों पर मत दें ध्यान

तमिलनाडु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसाई गैस आपूर्ति में आई बाधा के मद्देनजर अफवाहों पर ध्यान न दें और आग्रह किया कि केवल सत्यापित जानकारी ही प्रसारित की जाए। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी देशभर में होटल उद्योग को प्रभावित करने वाली व्यावसायिक एलपीजी की कमी और इस मुद्दे पर विपक्ष की आलोचना के साथ-साथ आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की संभावित किल्लत या कीमतों में उछाल की आशंकाओं के बीच आई है। मोदी ने यहां राजग की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में द्रमुक शासन की भी आलोचना की और कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए। उन्होंने कहा, मैं लोगों से अपील करना चाहूंगा कि हम केवल सही और सत्यापित जानकारी ही फैलाएं। जाहिर तौर पर उनका इशारा खाड़ी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण आपूर्ति में व्यवधान से उत्पन्न एलपीजी संकट की ओर था।

प्रशासन ने शुरू किया सख्त निरीक्षण

- जिलों में पेट्रोल पंप और गैस गोदामों का औचक निरीक्षण
- कालाबाजारी और अवैध भंडारण की जांच
- सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर निगरानी
- घरेलू सिलेंडर के कमर्शियल इस्तेमाल पर कार्रवाई

गैस कंपनियों के हेल्पलाइन नंबर

- भारत गैस : 1800-22-4344
- इंडेन गैस : 1800-2333-555
- एचपी गैस : 1800-2333-555

(उपभोक्ता डीलर द्वारा गैस न देने या शिकायत होने पर इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।)

ब्रीफ न्यूज

दस सप्ताह में एल्डर्स कमेटी कराए लखनऊ बार का चुनाव

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लखनऊ बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव कराने के लिए पांच सदस्यीय एल्डर्स कमेटी का गठन कर दिया है। न्यायालय ने इस कमेटी को निर्देश दिया है कि अगले दस सप्ताह के भीतर लखनऊ बार एसोसिएशन के चुनाव करा के परिणाम घोषित किया जाय। पिछली कार्यकारिणी का कार्यकाल सितम्बर 2025 में ही समाप्त हो गया था। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सर्राफ व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने बीरेंद्र मिश्रा सौरभ व अन्य की ओर से दाखिल एक रिट याचिका पर पारित किया है।

गेन बिटकॉइन घोटाला मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने 20,000 करोड़ रुपये के गेन बिटकॉइन मुद्रा घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल एवं डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने वार्ष्णेय के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया था। वार्ष्णेय को सोमवार को देश से भागने की कोशिश करते समय मुंबई हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया था। सीबीआई के अनुसार, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल बुनियादी ढांचे को डिजाइन और विकसित किया था जो कथित फर्जी उद्यम गेन बिटकॉइन के परिचालन की रीढ़ था।

भारत आ रहे थाईलैंड के पोत पर हमला खाड़ी देशों के तेल क्षेत्र पर दागी मिसाइलें

वाणिज्यिक जहाजों पर हमले की भारत ने निंदा की, ओमान ने 20 क्रू मेंबर का रेस्क्यू किया, 3 लापता

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसी

ईरान ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट बढ़ने और तेल-समृद्ध क्षेत्र पर दबाव बनाने के अपने अभियान को तेज करते हुए फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया व दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाने के साथ खाड़ी देशों के तेल क्षेत्र को निशाना बनाया। गुजरात के कांडला बंदरगाह आ रहे एक मालवाहक जहाज को ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने निशाना बनाया। ब्रिटेन की समुद्री एजेंसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर गोले दागे गए। भारत के विदेश मंत्रालय ने वाणिज्यिक जहाजों पर बढ़ते हमलों की बुधवार को निंदा की।

बुधवार को ईरान के दो ड्रोन दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास गिरे। इस हमले में चार लोग घायल हुए हालांकि उड़ान परिचालन जारी रहा। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ जंग बेहतरीन चल रही है और यह जंग जल्द खत्म होगी क्योंकि हमने सब तबाह कर दिया है। अब वहां हमला करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने पश्चिम एशिया में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाने की कवायद शुरू करने की घोषणा की। इससे विशेष रूप से दुबई, सऊदी अरब और बहरीन द्वीप समूह खतरे में पड़ सकते हैं। ईरान ने इजराइल पर सबसे बड़ा हमला कर अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। साथ ही धमकी दी है कि वह अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी निशाना बनाएगा। इससे पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के तट पर थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज पर एक मिसाइल गिरी, जिससे पोत में आग लग गई। ओमान की नौसेना ने 20 लोगों को बचाया गया जबकि चालक दल के तीन लापता सदस्यों की तलाश जारी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री पोत में लगी आग।

- ट्रंप बोले- ईरान से जंग जल्द खत्म होगी, हमने सब तबाह कर दिया, हमले के लिए कुछ नहीं बचा
- ईरान ने इजराइल पर किए बड़े हमले, दुबई के अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बनाया निशाना
- ईरान इजराइल में स्थित अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी बना सकता है निशाना

चीन बोला- हम खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं

चीन ने कहा है कि वह खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं है। ऐसे हमलों में आम लोगों और गैर-सैन्य जगहों को नुकसान पहुंच रहा है, जो ठीक नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि नागरिकों और जरूरी इमारतों को निशाना बनाना गलत है और इससे इलाके में तनाव और बढ़ सकता है। हालांकि चीन ने अपने बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया।

778 नाविकों के साथ 28 भारतीय जहाज फंसे

नई दिल्ली। फारस की खाड़ी में 28 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं, जिन पर 778 नाविक सवार हैं। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इनमें से 24 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी भाग में 677 नाविकों के साथ मौजूद हैं, जबकि चार जहाज चालक दल के 101 सदस्यों के साथ पूर्वी भाग में हैं। सिन्हा ने कहा, हम सभी जहाजों की सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे हैं। पोत परिवहन महानिदेशालय ने भारतीय ध्वज वाले सभी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा उपायों को अपनाने सहित 'रिपोर्टिंग प्रोटोकॉल' का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

दो भारतीयों की मौत एक लापता : जायसवाल

नई दिल्ली। युद्ध के दौरान वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हो गई और एक लापता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यह जानकारी दी। कहा कि भारत खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है।

देश में पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव युथनेसिया) की पहली बार स्वीकृति देते हुए 32 वर्षीय उस व्यक्ति की कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की बुधवार को अनुमति दे दी जो 12 साल से अधिक समय से कोमा में है। निष्क्रिय इच्छामृत्यु का अर्थ है कि नाजुक स्थिति वाले किसी मरीज को जीवित रखने वाली चिकित्सा सहायता को रोकने की अनुमति देना ताकि उसकी स्वाभाविक मौत हो सके।

इस फैसले के साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार से निष्क्रिय इच्छामृत्यु पर एक व्यापक कानून बनाने पर विचार करने का आग्रह किया ताकि इससे उन मामलों में स्पष्टता मिलेगी जो बेहद व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं। कोर्ट ने कहा कि कानून के अभाव के कारण, उसे हस्तक्षेप करने और दिशानिर्देश देने के लिए विवश होना पड़ा क्योंकि यह संस्थागत वरीयता का मामला नहीं बल्कि संवैधानिक आवश्यकता का मामला है, ताकि मौलिक अधिकारों की शुचिता, विशेष रूप से गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की रक्षा की जा सके। गाजियाबाद निवासी हर्ष राणा 2013 में एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के कारण सिर में चोट लगने से घायल हो गए थे और तभी से कोमा में हैं। दुर्घटना के वक्त हर्ष राणा पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र थे।

ऐतिहासिक फैसला

- वर्ष 2013 में चौथी मंजिल से गिरकर घायल हुए थे 32 वर्षीय हर्ष, कोमा में हैं 12 साल से

एम्स को निर्देश, मृत्यु की गरिमा बरकरार रहे

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे। निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश 2023 में संशोधित किए गए 2018 के उस फैसले के अनुरूप है जिसमें गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

पिता अशोक राणा बोले- कोई भी माता-पिता अपने बेटे को ऐसी हालत में नहीं देखना चाहेगा

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इच्छा मृत्यु की इजाजत दिए जाने के बाद गाजियाबाद के रहने वाले 32 वर्षीय हरीश राणा के पिता अशोक राणा ने कहा कि कोई भी माता-पिता अपने बेटे को ऐसी हालत में नहीं देखना चाहेगा। अशोक ने बताया कि हरीश 20 अगस्त 2013 में एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गाजियाबाद में अपने घर के बाहर पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में अशोक राणा ने फैसले के भावनात्मक दर्द को स्वीकार करते हुए न्यायालय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका परिवार लगभग तीन साल से कानूनी लड़ाई लड़ रहा था। उन्होंने कहा कि इस फैसले से परिवार को कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं होगा लेकिन इसे भारी मन से स्वीकार किया गया है। अशोक ने मीडियाकर्मियों से कहा, एक पिता के रूप में, यह बेहद दर्दनाक है। उन्होंने कहा कि परिवार को उम्मीद है कि इस फैसले से ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करने वाले अन्य लोगों को मदद मिलेगी। गाजियाबाद में रह रहा यह परिवार मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का रहने वाला है।

एम्स की प्रवक्ता डॉ. रीमा दादा ने कहा, गठित की जाएगी समिति : एम्स की प्रवक्ता और एनाटॉमी विभाग में प्रोफेसर डॉ. रीमा दादा ने कहा, हम न्यायालय के आदेश का पालन करेंगे। एम्स एक समिति गठित करेगा, जो इस आदेश को लागू करने के तरीके पर निर्णय लेगी।

बिरला के खिलाफ प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज

सदन में शाह बोले- राहुल गांधी सदन में बोलना नहीं चाहते या उन्हें नियमानुसार बोलना नहीं आता

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- जो नियम से नहीं चलेंगे, उनका माइक बंद होगा, ये सदन मेला नहीं
- लोकसभा में विपक्ष पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह का जोरदार प्रहार

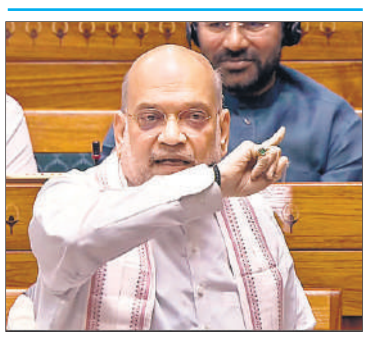

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आचरण और सदन की कार्यवाही में उनकी भागीदारी पर तीखी टिप्पणियां करते हुए बुधवार को विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उन्हें निचले सदन में बोलने नहीं दिया जाता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए संकल्प पर चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह भी कहा, आप प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रस्ताव लाइए। हम मुद्दों पर जवाब देंगे। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव को मैं सामान्य बात नहीं मानता।

शाह के भाषण के बाद, सदन ने ध्वनिमत से विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता का यह आरोप सही नहीं है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। नेता प्रतिपक्ष की पार्टी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव लाई, उस पर भी वह नहीं बोले। वह बोलना ही नहीं चाहते। बोलना चाहते हैं तो नियमानुसार बोलना नहीं आता। यह कोई सभा (रैली) नहीं है, यहां नियमानुसार बोलना होता है। गृह मंत्री ने बिरला के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह बहुत अफसोसजनक घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, जब सदन के मुखिया की निष्ठा पर सवाल उठाया जाता है तो दुनिया में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख पर सवाल खड़े हो जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा, जब आप सदन के संचालन के नियमों को नजरअंदाज करेंगे तो अध्यक्ष का दायित्व है कि ऐसे सदस्य को रोकें, टोकें और बाहर निकाल दें। शाह ने कहा कि भाजपा और राजग के विपक्ष में रहते अध्यक्ष के खिलाफ कभी अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया गया और हमने हमेशा रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम किया। शाह ने कहा, जो नियमानुसार नहीं चलेगा, उसका माइक बंद हो ही जाएगा, बंद हो ही जाना चाहिए।

मिलावटी दूध पीने से 12 लोगों की मौत

- आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले की घटना, आठ अन्य विभिन्न अस्पतालों में भर्ती

आंध्र प्रदेश, एजेंसी। पूर्वी गोदावरी जिले में दूध में मिलावट के एक संदिग्ध मामले में 12 लोगों की मौत हो गई है, जबकि आठ अन्य का यहां के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस समूह की पहचान सबसे पहले 22 फरवरी को हुई थी, जब कई बुजुर्गों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के साथ अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। प्रभावित लोग लालाचेरुवु के चौदेश्वरनगर और स्वरूपनगर इलाकों के निवासी थे। पुख्ता महामारी विज्ञान संबंधी साक्ष्य दूध में मिलावट को संभावित कारण के रूप में इंगित करते हैं, और विभिन्न विभागों में समन्वित कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नैदानिक जांच में रक्त में यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया, जो विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का संकेत देता है।

106 परिवारों को दूध देने वाली डेरी सील

जांच से पता चला है कि कोरुकोंडा के नरसपुरम गांव में स्थित वरलक्ष्मी मिल्क डेरी 106 परिवारों को दूध आपूर्ति करती थी। आपूर्ति तुरंत रोकने के साथ यह सील कर दी गई है। क्षेत्र में चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं और विशेषज्ञों का दल तैनात किया गया है। संदिग्ध दूध विक्रेता अड्डाला गणेश्वरराव (33) को हिरासत में लिया गया है।

एनसीईआरटी पुस्तक विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने 8वीं की सामाजिक विज्ञान की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पाठ्यक्रम शामिल करने के मामले में दिए सख्त निर्देश

विवादास्पद अध्याय लिखने वालों से संबंध तोड़ लें केंद्र व राज्य

- विवादित चैप्टर बनाने वाली प्रो. मिशेल को बैन करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने बुधवार को निर्देश दिया कि केंद्र व राज्य सरकारें एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की किताब में विवादास्पद अध्याय तैयार करने में शामिल तीन विशेषज्ञों से अपना संबंध तोड़ लें।

कोर्ट ने इस अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर आपत्तिजनक सामग्री शामिल किए जाने को लेकर यह सख्ती बरती है। न्यायालय ने केंद्र सरकार को एक सप्ताह के भीतर विषय-विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया, ताकि एनसीईआरटी की कानूनी अध्ययन की पाठ्यचर्या को अंतिम रूप दिया जा सके, जो केवल आठवीं कक्षा ही नहीं, बल्कि उच्च कक्षाओं के लिए भी लागू होगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया गया कि यह अध्याय प्रोफेसर मिशेल डैनिनो की अध्यक्षता में बनी पाठ्यपुस्तक विकास टीम द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार सदस्य के रूप में शामिल थे। इस पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली शामिल हैं। पीठ ने कहा, प्रारंभ में हमारे पास यह संदेह करने का कोई कारण नहीं है कि प्रोफेसर मिशेल व उनके सहयोगी सुपर्णा तथा आलोक को भारतीय न्यायपालिका के बारे में उचित और पर्याप्त जानकारी नहीं है और/या उन्होंने जानबूझकर तथा सोच-समझकर तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है, ताकि छात्रों के सामने कोर्ट की नकारात्मक छवि पेश की जा सके। विवादित चैप्टर बनाने वाली प्रो. मिशेल को बैन करने के निर्देश दिए।

(सम्बंधित पेज-11)

पीठ ने सरकार से ऐसे वेबसाइट व उन्हें चलाने वाले व्यक्तियों का विवरण मांगा

पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एनएसटीसी) की संरचना पर भी फिर से विचार करना चाहिए, विशेष रूप से उन लोगों के संबंध में, जिनके साथ पाठ्यपुस्तक विकास टीम के सदस्यों द्वारा विवादित अध्याय को डिजिटल रूप से साझा किया गया था। अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि 26 फरवरी को इस मामले में आदेश पारित करने के बाद तथाकथित सोशल मीडिया पर कुछ तत्वों ने गैर-जिम्मेदाराना ढंग से कार्रवाई और प्रतिक्रियाएं दीं। पीठ ने कहा, हम दृढ़ता से मानते हैं कि समस्या का सीधे सामना किया जाना चाहिए। इसलिए हम भारत सरकार को निर्देश देते हैं कि ऐसे वेबसाइट और उन्हें चलाने वाले व्यक्तियों की पहचान करे और उनका पूरा विवरण हमें उपलब्ध कराए, ताकि हम उचित कार्रवाई कर सकें।

समाज कल्याण विभाग में 'घोटाला सिंडिकेट' से लड़ना आसान नहीं

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- **वर्षों पुराने फर्जीवाड़े पर कार्रवाई में हुई देर, नेता-लिपिक और दलालों का भंडाफोड़ मुश्किल**
- **पांच महीने में छह समाज कल्याण अधिकारी हुए बर्खास्त, अभी कार्रवाई की जद में दर्जनों**

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सालों पुराने समाज कल्याण विभाग के 'घोटाला सिंडिकेट' कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ रही है। पांच माह में छह समाज कल्याण अधिकारियों की बर्खास्तगी के बाद अभी दर्जनों कतार में हैं। हालांकि तत्कालीन मंत्री-शासन-प्रशासन से लेकर रातोंरात करोड़पति बनने वाले लिपिकों और दलालों को अंजाम तक पहुंचाना सपने जैसा है।

समाज कल्याण विभाग की कई योजनाओं में लंबे समय से फर्जीवाड़े के आरोप सामने आते रहे हैं। जांच में छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, वृद्धावस्था पेंशन और आर्थिक सहायता योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। कई मामलों में करोड़ों रुपये की वसूली और सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में कटौती तक के आदेश दिए गए हैं। ताजा कार्रवाई में अमेठी के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मनोज कुमार शुक्ला और हरदोई के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी हर्ष मवार को सेवा से बर्खास्त किया गया है। अमेठी में विभाग के ही प्रधान लिपिक गोकुल प्रसाद जायसवाल ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उन्हें चैंबर में बुलाकर धमकाया और मोबाइल छीनकर फोन-पे के जरिए उनकी पत्नी के खाते में 40 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। विभागीय जांच में आरोप सही पाए गए। हरदोई में तत्कालीन अधिकारी हर्ष मवार पर भुगतान और खरीद में टेंडर प्रक्रिया को दरकिनार कर वित्तीय नियमों के विपरीत काम कराने के आरोप सिद्ध हुए। जांच में पाया गया कि कोटेशन के आधार पर भुगतान कर सरकारी धन के उपयोग में गंभीर अनियमितताएं की गईं।

जिम्मेदारों तक कार्रवाई पहुंचेगी : असीम अरुण

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण का कहना है कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं जो वर्षों से दबे पड़े थे। अब सभी मामलों में जांच कर एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। दोषी पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

ऐसे चलता था घोटाले का खेल

- योजनाओं में फर्जी लाभार्थी जोड़कर भुगतान
- छात्रवृत्ति के नाम पर मान्यता विहीन संस्थानों को धनराशि
- रिकॉर्ड में हेरफेर कर खातों में बदलाव
- टेंडर प्रक्रिया को दरकिनार कर भुगतान
- कर्मचारियों पर दबाव और वसूली के आरोप

अब तक की बड़ी कार्रवाई

- पांच माह में 6 जिला समाज कल्याण अधिकारी बर्खास्त
- कई मामलों में करोड़ों रुपये की वसूली के आदेश
- 3 सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में स्थायी कटौती
- कई अन्य अधिकारी-कर्मचारी अभी जांच के दायरे में

इससे पहले श्रावस्ती की तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव को भी सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है। उन पर मुख्यमंत्री महामाया गरीब आर्थिक मदद योजना और छात्रवृत्ति योजनाओं में लाभार्थियों के खातों में हेरफेर कर सरकारी धन का गबन कराने के आरोप सिद्ध हुए। मथुरा के तत्कालीन अधिकारी करुणेश त्रिपाठी के मामले में जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। 11 मान्यता विहीन संस्थानों को 2.53 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति जारी कर दी गई और फर्जी छात्रों के नाम पर भुगतान हुआ। यहां तक कि 2 साल से 51 साल तक की उम्र के लोगों को आईटीआई छात्र दिखाया गया। हापुड़ के संजय कुमार ब्यास और शाहजहांपुर के राजेश कुमार के खिलाफ भी करोड़ों रुपये की अनियमितताओं के बाद बर्खास्तगी और वसूली की कार्रवाई हो चुकी है। वहीं औरैया के श्रीभगवान, मथुरा के विनोद शंकर तिवारी और उमा शंकर शर्मा जैसे सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में स्थायी कटौती के आदेश दिए गए हैं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, विभाग में घोटालों का नेटवर्क सिर्फ जिलों तक सीमित नहीं था। योजनाओं के नाम पर फर्जी लाभार्थी जोड़ना, रिकॉर्ड में हेरफेर और मान्यता विहीन संस्थानों को भुगतान कर करोड़ों रुपये का खेल चलता रहा। अब जांच की आंच कई अन्य अधिकारियों, लिपिकों और कथित दलालों तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

कृषि क्षेत्र के लिए 31.43 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 31.43 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां जारी की हैं। यह धनराशि बीज स्वावलंबन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना और कृषि विश्वविद्यालयों के सुदृढ़ीकरण पर खर्च की जाएगी।

सरकारी जानकारी के अनुसार बीज स्वावलंबन नीति के तहत खाद्यान्न, दलहन और तिलहन के बीज उत्पादन के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मृदा स्वास्थ्य कार्ड कार्यक्रम के लिए 12.26 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अलावा सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में शिक्षकों व कर्मचारियों के वेतन और एरियर के भुगतान के लिए 8.79 करोड़ रुपये दिए गए हैं। वहीं कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अंतर्गत इटावा स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के कार्मिकों के वेतन-भत्तों के लिए 3.47 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इन योजनाओं से कृषि अनुसंधान, बीज उत्पादन और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

प्रयागराज में दो मंदिरों के विकास पर खर्च होंगे 3.46 करोड़ रुपये

अमृत विचार, लखनऊ/प्रयागराज : संगम नगरी प्रयागराज में पर्यटन विभाग करछना स्थित फलाहिरी बाबा मंदिर और सोरांव तहसील के दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के विकास पर कुल 3 .46 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि फलाहिरी बाबा मंदिर के विकास के लिए 1.64 करोड़ रुपये और दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के सौंदर्यीकरण व पर्यटन सुविधाओं के लिए लगभग 1.82 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। परियोजना के तहत फलाहिरी बाबा मंदिर के लिए 40 लाख रुपये और दुर्गा मंदिर के लिए 45 लाख रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी गई है।

अभ्यर्थियों को नहीं मिलेगी निःशुल्क बस यात्रा

अमृत विचार, लखनऊ : उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों के लिए 14 व 15 मार्च 2026 को प्रस्तावित लिखित परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को परिवहन बस की निशुल्क यात्रा की सुविधा नहीं मिलेगी। विभागीय अधिकारी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उक्त सूचना को भ्रामक बताया है, जिसमें बताया गया है कि परिवहन निगम की बसों में एडमिट कार्ड दिखाकर निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। परिवहन निगम में प्रधान प्रबंधक (संचालन) अनिल कुमार ने बुधवार को समस्त क्षेत्रीय-सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया पर प्रसारित उक्त भ्रामक सूचना के खंडन के सम्बन्ध में बस अड्डों पर हेल्प डेस्क के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें।

सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि 14 मार्च को प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए विभागवार नोडल अधिकारी नामित किए जाएं और अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों की पहचान कर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव बुधवार को मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाए और आमजन को इसके लाभों के बारे में जागरूक किया जाए। बैंक रिकवरी, बिजली कंपाउंडिंग, मोटर वाहन अधिनियम के लंबित चालान, राजस्व, नगर निगम कर, अतिक्रमण और अन्य विभागीय मामलों के निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

रेसिपी आधारित पुष्टाहार लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा यूपी

अप्रैल से आंगनबाड़ी केंद्रों में शुरू होगी नई पौष्टिक भोजन व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कुपोषण के खिलाफ प्रदेश सरकार के अभियान को मिलेगी मजबूती**

अमृत विचारः प्रदेश में बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं के बेहतर पोषण के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अप्रैल से प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में रेसिपी आधारित अनुपूरक पुष्टाहार व्यवस्था लागू की जाएगी। भारत सरकार की गाइडलाइन और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत लागू होने वाली इस व्यवस्था के साथ उत्तर प्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत लाभार्थियों को तय पोषण मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) के माध्यम से रेसिपी आधारित पुष्टाहार तैयार कर सीधे आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। जिन जिलों या परियोजनाओं में इसकी व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी, वहां नैफेड के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। पुष्टाहार वितरण में पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने चेहरा पहचान प्रणाली (फेस रिकग्निशन सिस्टम) लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अनुपूरक पुष्टाहार का ऑफलाइन वितरण अमान्य होगा और केवल एफआरएस प्रणाली के माध्यम से ही वितरण मान्य माना जाएगा। इससे लाभार्थियों तक सही तरीके से पोषण सामग्री पहुंचाने और धांधली पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

सरकार का मानना है कि रेसिपी आधारित पुष्टाहार व्यवस्था लागू होने से प्रदेश में कुपोषण के खिलाफ चल रही लड़ाई को नई ताकत मिलेगी और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों तथा महिलाओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

किसे क्या मिलेगा

- 6 माह–1 वर्ष : आटा-बेसन हलवा
- 1–3 वर्ष : आटा-बेसन हलवा
- 3–6 वर्ष : आटा-बेसन बर्फी व दलिया-मूंग-सोया खिचड़ी
- गर्भवती व धात्री महिलाएं : आटा-बेसन-सोया बर्फी व दलिया-मूंग-दाल खिचड़ी

अतिकुपोषित बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था

- 6 माह–1 वर्ष : पौष्टिक हलवा
- 1–3 वर्ष : 'बाल संजीवनी' पौष्टिक हलवा
- 3–6 वर्ष : पौष्टिक हलवा और पौष्टिक दलिया

व्यवस्था की खास बातें

- आंगनबाड़ी केंद्रों में रेसिपी आधारित पुष्टाहार
- फेस रिकग्निशन सिस्टम से वितरण
- 301.19 करोड़ रुपये का फंड मंजूर
- पोषण मानकों में 11 माइक्रोन्यूट्रिएंट शामिल

बाराबंकी में आयोजित क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में लगी प्रदर्शनी में आलू की विभिन्न किस्मों को देखते मंत्री दिनेश प्रताप सिंह।

आलू किसानों के लिए नए बाजारों की तलाश जरूरी: दिनेश प्रताप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **आलू किसानों, हितधारकों और शीतगृह स्वामियों के साथ क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित**

अमृत विचार : उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि आलू उत्पादक किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विपणन के नए अवसरों का लाभ उठाते हुए अपने आलू की आपूर्ति ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में भी करें, जिससे उन्हें बेहतर दाम मिल सके।

उद्यानमंत्री बुधवार को बाराबंकी स्थित जिला ग्राम्य विकास अभिकरण में आयोजित अयोध्या और देवीपाटन मंडल के आलू किसानों, हितधारकों और शीतगृह स्वामियों के साथ क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में बोल रहे थे। बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद उन्होंने कहा कि आलू के विपणन की संभावनाएं व्यापक हैं और किसानों को मौजूदा बाजार दरों से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि पिछले वर्षों की तरह इस साल भी किसानों को आलू का अच्छा मूल्य मिल सकता है।

सम्मेलन के दौरान किसानों और भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधियों ने आलू, मेंथा और टमाटर के अधिक उत्पादन के बावजूद भंडारण सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। जवाब में उद्यान मंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण नीति के तहत 35 प्रतिशत अनुदान का लाभ लेकर नई इकाइयां स्थापित करने के लिए उद्यमियों और किसानों को आगे आने का आह्वान किया। साथ ही मंडी परिषद में कोल्ड रूम की स्थापना की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि आगरा में आलू अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई है, जिससे आलू उत्पादन और शोध को नई दिशा मिल रही है।

भाजपा के 'अच्छे दिनों' का सिलेंडर अब खाली हो चुका है : अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रसोई गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के "अच्छे दिनों" का सिलेंडर अब खाली हो चुका है और आम जनता गैस सिलेंडर के लिए परेशान हो रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि कई जगह उपभोक्ताओं को घंटों लाइन में लगने के बाद बताया जा रहा है कि बिना डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के सिलेंडर नहीं मिलेगा। ऐसे में अगर गैस कंपनियों का सर्वर डाउन है तो इसके लिए जनता जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्वर चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन उसकी खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भोजन बनाने के संकट से जूझ रहे परिवारों की मजबूरी का फायदा उठाकर ब्लैक मार्केट में सिलेंडर कई गुना अधिक कीमत पर बेचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कोरोना काल में लोग ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए भटकते रहे और अब रसोई गैस के सिलेंडर के लिए भटक रहे हैं।

नगर निकायों को 1350 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुति के तहत मार्च माह के लिए स्वीकृति**

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में मार्च 2026 के लिए नगरीय निकायों को 1350 करोड़ रुपये की सामान्य समनुदेशन राशि जारी करने की स्वीकृति दे दी है। यह धनराशि नगर निगम, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को निर्धारित नियमों के तहत उपलब्ध कराई जाएगी।

वित्त विभाग के आय-व्ययक अनुभाग-2 की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार यह राशि लेखा शीर्ष 3604 (स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन) के अंतर्गत जारी की जाएगी। कुल स्वीकृत धनराशि निदेशक, स्थानीय निकाय के निवर्तन पर रखी जाएगी और वहीं से विभिन्न नगरीय निकायों में आवंटित की जाएगी। शासनादेश में कहा गया है कि धनराशि का आवंटन पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार किया जाएगा। संबंधित निकायों को कोषागार के माध्यम से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। यदि किसी निकाय पर पहले से कोई समायोजन या कटौती लंबित है तो पहले उसका समायोजन किया जाएगा, उसके बाद ही शेष राशि जारी की जाएगी। इसके साथ ही निदेशक, स्थानीय निकाय को निर्देश दिया गया है कि निकायों द्वारा धनराशि के आहरण की सूचना वाउचर संख्या और तिथि सहित प्राप्त कर वित्त विभाग और नगर विकास विभाग को उपलब्ध कराएं। शासन स्तर पर धनराशि के उपयोग की समीक्षा भी की जाएगी।

स्वीकृत राशि

- कुल स्वीकृति : 1350 करोड़ रुपये
- नगर निगम : 607 .50 करोड़ रुपये
- नगर पालिका/नगर पालिका परिषद : 472 .50 करोड़ रुपये
- नगर पंचायत : 270 .00 करोड़ रुपये

एक रनवे के साथ शुरू होगा नोएडा एयरपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **पहले चरण का 95 प्रतिशत निर्माण पूरा, प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानों का अनुमान**

अमृत विचारः गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर क्षेत्र में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तेजी से संचालन की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पहले चरण का करीब 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य 10 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। पहले चरण में एयरपोर्ट एक रनवे के साथ संचालित होगा और इसकी वार्षिक यात्री क्षमता करीब 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी।

अधिकारियों के अनुसार, एयरपोर्ट से प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानों के संचालन का अनुमान है। जैसे ही यात्रियों की संख्या एक करोड़ के पार पहुंचेगी, एयरपोर्ट पर दूसरे रनवे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। दो रनवे के साथ यह एयरपोर्ट लगभग 7 करोड़ यात्रियों को सेवा देने में सक्षम होगा। एयरपोर्ट के पहले चरण में करीब 3,300 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे हिस्से का लोकार्पण किया जाएगा। परियोजना के लिए कुल 6,700 एकड़ भूमि का अधिग्रहण पहले ही किया जा चुका है, जबकि अतिरिक्त 5,100 एकड़ भूमि अगले तीन महीनों में अधिग्रहित करने की योजना है। एयरपोर्ट के लिए भूमि खरीद पर लगभग 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि निर्माण कार्य पर करीब 7,000 करोड़ रुपये की लागत आ रही है।

जेवर एयरपोर्ट को देश के सबसे बड़े और आधुनिक हवाई अड्डों में विकसित करने की योजना है। परियोजना के पूर्ण होने पर यहां कुल पांच रनवे होंगे और एयरपोर्ट का क्षेत्रफल लगभग 11,750 एकड़ तक पहुंच जाएगा। अंतिम रूप से तैयार होने के बाद इसकी वार्षिक यात्री क्षमता 30 करोड़ यात्रियों तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल हो सकता है।

पहले चरण के मुख्य बिंदु

- एक रनवे के साथ होगा संचालन
- सालाना 1.20 करोड़ यात्रियों की क्षमता
- प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानें
- 95% निर्माण कार्य पूरा

पूरी परियोजना की रूपरेखा

- कुल क्षेत्रफल 11,750 एकड़
- पांच रनवे विकसित किए जाएंगे
- 30 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष
- लॉजिस्टिक्स, उद्योग और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

बढ़ते कदम

यूपी में 20 हजार से अधिक स्टार्टअप इंडिया मान्यता प्राप्त इकाइयां सक्रिय

स्टार्टअप इंडिया से युवाओं की उद्यमिता को नई रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **स्टार्टअप हब बन रहा यूपी, नवाचार को मिल रहा संस्थागत समर्थन**

अमृत विचारः प्रदेश तेजी से देश के उभरते हुए स्टार्टअप हब के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रदेश सरकार की नीतियों, संस्थागत ढांचे और वित्तीय प्रोत्साहन के चलते नवाचार और उद्यमिता को नई गति मिली है। प्रदेश में अब 20 हजार से अधिक स्टार्टअप "स्टार्टअप इंडिया" के तहत मान्यता प्राप्त कर चुके हैं, जो तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम का संकेत है।

योगी सरकार की स्टार्टअप नीति और प्रोत्साहन योजनाओं के चलते युवाओं को अपने विचारों को व्यवसाय में बदलने का अवसर मिल रहा है। इससे न केवल नवाचार को बढ़ावा मिला है बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रदेश में स्टार्ट इन यूपी पहल के अंतर्गत भी उद्यमिता को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके तहत अब तक तीन हजार से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिल चुकी है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देना और युवाओं को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में इन्क्यूबेशन नेटवर्क की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में वर्तमान में 76 मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर कार्यरत हैं, जो नए उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। ये इन्क्यूबेटर विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और निजी संगठनों के साथ मिलकर स्टार्टअप्स को शुरुआती चरण से ही सही दिशा देने का काम कर रहे हैं।

स्टार्टअप इकोसिस्टम की तस्वीर

- 20 हजार से अधिक स्टार्टअप इंडिया मान्यता प्राप्त स्टार्टअप
- 3 हजार से अधिक स्टार्ट इन यूपी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप
- 76 मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर सक्रिय
- 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मंजूरी

वित्तीय प्रोत्साहन

- 146 करोड़ रुपये के इंसेंटिव स्वीकृत
- 58 करोड़ रुपये की राशि स्टार्टअप्स को वितरित
- उत्पाद विकास, तकनीकी उन्नयन और बाजार विस्तार में मदद

इन क्षेत्रों में बढ़ रहा नवाचार

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- डेटा एनालिटिक्स
- एग्रीटेक
- टेक्नोलॉजी आधारित सेवाएं
- डिजिटल और इनोवेशन आधारित समाधान

आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं वंदना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सीएम युवा योजना से ऑयल मिल शुरू कर बनीं आत्मनिर्भर

अमृत विचारः प्रदेश में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस योजना का लाभ उठाकर राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज की वंदना यादव ने ऑयल मिल स्थापित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

वंदना यादव ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत बैंक ऑफ इंडिया से ऋण प्राप्त हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर गांव मजरा खुजेहटा में सरसों तेल की ऑयल मिल शुरू की। इस इकाई में शुद्ध सरसों के तेल का उत्पादन किया जा रहा है और उन्होंने अपने उत्पाद का एक स्थानीय ब्रांड भी शुरू किया है।

आज उनकी मिल से तैयार तेल आसपास के कई गांवों में आपूर्ति किया जा रहा है। इस उद्यम से न केवल वंदना आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। उनके प्रयास से क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरणा मिल रही है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 21 से 40 वर्ष की आयु के युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए पहले चरण में 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण दिया जाता है। समय पर भुगतान करने पर दूसरे चरण में 10 लाख रुपये तक ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। सरकार का लक्ष्य हर वर्ष एक लाख नए उद्यमी तैयार करना है।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी के आशीर्वाद से अभिसिचिंत एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

दादी के हत्यारोपी ने किया पिता पर बांके से हमला

शराब पीने के लिए रुपये न देने पर दिया वारदात को अंजाम, ट्रामा सेंटर में भर्ती घायल की हालत नाजुक, आरोपी की तलाश में टीमें लगीं

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: जमानत पर छूटे दादी की हत्या के आरोपी ने बुधवार को शराब के लिए पैसे न देने पर बुजुर्ग पिता पर बांके से हमला कर दिया। मोहल्ले के लोगों के दौड़ने पर हमलावर भाग निकला। सूचना पर पहुंची सरोजनीनगर पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुजुर्ग की हालत नाजुक बताई गई है। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

बेहसा निवासी मजदूर संतलाल रावत (60) की पत्नी की करीब पांच वर्ष पहले कैंसर की बीमारी से मौत हो गई थी। परिवार में पांच विवाहित बेटियां और शराब का लती बेटा नीरज (35) है। बुधवार दोपहर करीब 3 बजे बिजली का बिल जमा कर संतलाल घर लौटे। नशे में धुत नीरज ने पिता से शराब पीने के लिए दो सौ रुपये मांगे। रुपये न देने पर नीरज ने पिता के साथ हाथापाई शुरु कर दी। इसके बाद पास में रखा बांका उठाकर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। खून से लथपथ संतलाल चीखने के साथ गिर पड़े।

पड़ोसी राहुल चौरसिया वहां पहुंचे तो देखा कि संतलाल लहूलुहान हालत में पड़े थे और नीरज बांका लिए खड़ा था। खुद को घिरता देख नीरज बांका तालाब में फेंक कर भाग निकला। पड़ोसी ने पीछा किया लेकिन वह पकड़ नहीं आया। ग्रामीणों ने -112 पर पुलिस को सूचना दी।

कुछ देर में एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा व इंस्पेक्टर सरोजनीनगर राजदेव राम प्रजापति मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एंबुलेंस से संतलाल को लोकबंधु पहुंचाया, वहां से डॉक्टर ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। एसीपी ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

ईंट से कूचकर की थी दादी की हत्या

- आरोपी नीरज रावत ने वर्ष 2022 में बुजुर्ग दादी चंपा देवी की ईंटों से कूचकर हत्या कर दी थी। करीब एक वर्ष पहले संतलाल रावत ने ही उसकी जमानत कराई थी। घर में संतलाल और नीरज अलग-अलग रहते हैं। दोनों के मुख्य दरवाजे भी अलग-अलग हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि शराब के नशे में नीरज अक्सर पत्नी व पिता के साथ मारपीट करता था। आए दिन की मारपीट से परेशान होकर पत्नी दोनों बच्चों के साथ बिजनौर थाना क्षेत्र के नटकुर गांव स्थित अपने मायके चली गई।

लहूलुहान संतलाल।

वारदात के बाद जांच करते पुलिस अधिकारी।

फोटो वायरल करने की धमकी दे वसूले ढाई लाख

अमृत विचार, निगोहां : बाराबंकी में ब्याही बेटी को निगोहां के युवक ने अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पति को छोड़कर साथ रहने का दबाव बनाया। इंकार पर ब्लैकमेल कर नकद व खाते में करीब ढाई लाख रुपये वसूले। और मांग पूरी न होने पर आरोपी ने फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। यही नहीं आरोपी ने गाली-गलौज कर अंजाम भुगतने की धमकी दी। पीड़िता की मां ने निगोहां के बघौना निवासी सत्येंद्र बहादुर सिंह उर्फ बच्चा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसओ अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। महिला के अनुसार बेटी ने जेवर बेचकर और रुपये उधार लेकर पीड़िता ने चोरी छिपे सत्येंद्र को 2.45 लाख रुपये दिए। बेटी इस कदर परेशान है कि उसके पास खुदकुशी के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधान विजय लक्ष्मी।

प्रधान विजय लक्ष्मी दिल्ली में सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ: नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सशक्त पंचायत नेत्री अभियान पंचायत की निर्वाचित महिला प्रधानों का राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इस कार्यक्रम में मलिहाबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत भदेसरमऊ की प्रधान विजय लक्ष्मी को भी शामिल होने का अवसर मिला। उन्हें ग्राम पंचातयों में कराए गए उत्कृष्ट कार्यों पर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। डीपीआरओ जितेंद्र कुमार गोंड ने बताया कि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से कुल 135 महिला प्रधानों को सम्मानित किया गया है।

सेंध लगाकर घर में लाखों की चोरी

अमृत विचार, माल: थाना क्षेत्र पतौना गांव में किसान शिवराम के घर को मंगलवार देर रात चोरों ने निशाना बनाया। मकान में पीछे से सेंध लगाकर चोरों ने 25 हजार रुपये व लाखों के जेवर चोरी कर लिए। पीड़ित ने बताया कि बेटा ज्ञानेंद्र बहू को लेने ससुराल गया था। बेटी सुंदरी मामा के घर गई थी। वह गेहूं की फसल बचाने खेत की तरफ गया था। पत्नी घर में अकेली थी। शक है कि इसी दौरान गांव के ही अनिल उर्फ खबरू ने चोरी की। खेत से वापस आने पर शिवराम कमरे में गए तो बक्से का ताला टूटा और सामान बिखरा देखा। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अनिल को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

कल पीएम किसान उत्सव जारी होगी सम्मान निधि

अमृत विचार, लखनऊ: 13 मार्च को पीएम किसान उत्सव दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी की जाएगी। उपनिदेशक कृषि विनय कुमार कौशल ने बताया कि असम में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। जिला मुख्यालय, ब्लॉक, ग्राम पंचायत और कृषि विज्ञान केंद्र पर वर्चुअल कार्यक्रम का प्रसारण होगा। कार्यक्रम में जिले के सम्मान निधि लाभार्थी, बीमा ड्रोन सखी, पशु सखी, बैंक सखी आदि उपस्थित होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी की जाएगी। कृषि, राजस्व, पशुपालन समेत अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

हजरत अली की शहादत की याद में निकला ताबूत का जुलूस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मौला-ए-कायनात हजरत अली की शहादत की याद में बुधवार को इमाम के ताबूत का जुलूस पूरी अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। रुस्तम नगर स्थित रौजा-ए- शबीहे नजफ से निकला यह जुलूस कर्बला तालकटोरा जाकर समाप्त हुआ। जुलूस के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे।

19वीं रमजान हजरत अली को नमाज के दौरान सजदे में अब्दुर्रहमान इब्ने मुल्जिम ने उनके सर पर जहर से बुझी तलवार से हमला किया था। जिससे वह जख्मी हो गये थे और 21वीं रमजान को उनकी शहादत हो गयी थी। जुलूस की अलविदाई मजलिस को मौलाना यासूब अब्बास ने सुबह 3 बजे खिताब किया। मजलिस के बाद औरतों ने ताबूत को पुरुषों को सौप दिया। जुलूस में हजरत अब्बास के अलम भी थे। ताबूत निकलने के रास्तों पर बड़ी तादाद में अजादार पहले से ही जियारत के लिए मौजूद थे। ताबूत में हजारों लोगों का हुजूम था। जिसमें पुरुष, महिलाएं व बच्चे नंगे पैर इमाम की शहादत के गम में आंसू बहाते हुए चल रहे थे। रोजा होने के बावजूद अजादार अपने मौला के ताबूत को चूमने व कंधा देने के लिए बेकरार थे। कर्बला तालकटोरा में मौलाना अब्बास नासिर ने मजलिस को खिताब किया।

शबीहे नजफ़ से शुरू हुआ 21वीं रमजान का जुलूस छोटे साहब आलम रोड, कर्बला दियानतुद्दौला, काजमैन, मंसूर नगर तिराहा, गिरधारी सिंह इंटर कालेज, बिलोचपुरा चौराहा, हैदरगंज होता हुआ कर्बला तालकटोरा पहुंचकर दफ्न हो गया। लोगों ने दिनभर कर्बला तालकटोरा पहुंचकर हजरत अली की तुरबत पर फातेहा पढ़ा। अंत में मौलाना अब्बास नासिर ने मजलिस को खिताब किया।

मौला-ए-कायनात हजरत अली की शहादत में निकाले गए ताबूत के जुलूस में शामिल अकीदतमंद। अमृत विचार

आमाल-ए-शबे कद्र आज

- बृहस्पतिवार को शबे कद्र के मौके पर को शिया पूरी रात अल्लाह की इबादत में गुजारेंगे। जहां पुरुष मस्जिदों में अमाल-ए- शबे कद्र और नमाजे अदा करेंगे, वहीं महिलाएं घरों में आमाल करेंगी और छह दिन की नमाजें पढ़ेंगी। शबे कद्र के मौके पर मस्जिदों में अफ्तारी के साथ-साथ सहरी के विशेष इंतेजाम किये गये हैं।

हजरत अली के शहादत दिवस पर राष्ट्रीय छुट्टी की मांग

- आल इंडिया शिया यूथ फेडरेशन ने 21 रमज़ान को हजरत अली की शहादत दिवस पर भारत सरकार से राष्ट्रीय छुट्टी घोषित करने की मांग की है। इस मौके पर फेडरेशन के महासचिव कासिम हुसैन ने बताया कि ये मांग करीब 28 वर्षों से की जा रही है। आज कर्बला तालकटोरा के पास हजारों अजादारों ने कपड़े पर हस्ताक्षर कर प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा।

गवाही व जनाजे में शामिल होने को मस्जिद से निकल सकता एतिफाक में बैठने वाला

- **अमृत विचार, लखनऊ :** कार्यालय आयतुल्लाह अल उज्मा सैयद सादिक़ हुसैनी शीराज़ी की ओर से जारी शिया हेल्पलाइन पर रोजेदारों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब मरकजी शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैयद सैफ अब्बास नक़वी ने दिये। हेल्पलाइन पर एक रोजेदार ने पूछा कि कोई ऐसा माल जिस पर जकात वाजिब हो चुकी है, दो लोग उसमें शरीक हों, एक जकात दे दे और दूसरा जकात न दे, तो इसका क्या हुक्म है? इसके जवाब में बताया गया कि जब माल तकसीम होगा तो उसमें जिस शख्स ने जकात दी है वह अपने हिस्से को इस्तेमाल कर सकता है।एक रोजेदार ने पूछा कि अगर कोई शख्स दुआ-ए-इफ्तार के बगैर रोजा खोल दे तो क्या हुक्म है? जवाब में बताया गया कि कोई हर्ज नहीं है, रोजा सही होगा। एक सवाल आया कि तीन दिन के एतिफाक में मस्जिद में रहना जरूरी है, क्या मस्जिद के बाहर निकलने से एतिफाक बातिल हो जाएगा? जवाब में बताया गया कि एतिफाक में बैठने के बाद जरूरी कामों के लिए बाहर निकला जा सकता है, जैसे गवाही देना, मोमिन के जनाजे में शरीक होना वगैरह। एक रोजेदार ने पूछा कि नौजवानों का टैटू बनवाना कैसा है? इस सवाल के जवाब में बताया गया कि मुस्लिम नौजवानों का टैटू बनवाना उस सूरत में सही नहीं है, जब वजू और गुस्ल में टैटू रुकावट बने, यानी वजू और गुस्ल का पानी खाल तक न पहुंच सके।

हज़रत अली का न्याय इंसानियत के लिए मिसाल : अली अब्बास

- ऐनुल हयात ट्रस्ट की ओर से हज़रत अली की शहादत के ग़म में छोटा इमामबाड़ा हुसैनाबाद में एक मजलिस का आयोजन किया गया। मजलिस को मौलाना अली अब्बास खान ने ख़िताब किया। मौलाना अली हादी साहब ने इस मौके पर इमाम हज़रत अली का वसीयतनामा पढ़ा और कहा कि हमें उसकी बातों पर अमल करना चाहिए। वसीयतनामे की छपी हुई कापियां भी वहां मौजूद लोगों को दी गईं। मौलाना अली अब्बास खान ने कहा कि दुनिया का हर इंसान इंसाफ चाहता है और कोई भी ज़ुल्म पसंद नहीं करता, लेकिन लोग इंसाफ को सही तरह से नहीं समझते। हर कोई अपनी सोच के हिसाब से इंसाफ की परिभाषा कर लेता है। उन्होंने कहा कि हज़रत अली ने बताया कि इंसाफ का मतलब है हर चीज़ और हर व्यक्ति को उसका सही हक़ और सही जगह देना। अगर किसी को उसके हक़ से ज़्यादा या कम दिया जाए तो वह ज़ुल्म है। सबको बराबर देना इंसाफ नहीं है, बल्कि जिसकी जितनी काबिलियत है, उसे उसी के हिसाब से ज़िम्मेदारी और बदला मिलना ही असली इंसाफ है।

गूगल मैप से रास्ता भटक गैस टैंकर नहर किनारे पलटा

- पुलिस व दमकल टीम ने क्रेन की मदद से कराया सीधा

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के समदा पुलिस चौकी स्थित ग्राम बेहटा में मंगलवार देर रात एलपीजी गैस से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर नहर किनारे पलट गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। राहत की बात यह रही कि टैंकर नहर में नहीं गिरा। काकोरी पुलिस व दमकल की टीम ने दो क्रेनों की मदद से टैंकर को सीधा कराया।

मंगलवार देर रात करीब 2 बजे एलपीजी गैस टैंकर में लेकर आ रहा चालक गूगल मैप के सहारे रास्ता तलाशते हुए बेहटा गांव पहुंच गया। गांव के अंदर रास्ता काफी संकरा होने के कारण चालक को योगेश पाल के घर के पास से वाहन बैक करना पड़ा। इस दौरान कुछ राहगीरों ने चालक को रास्ता बताने में मदद की, लेकिन नहर की पुलिया के पास संतुलन बिगड़ने से टैंकर पलट गया।

टैंकर पलटने से मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

हादसे में रास्ता बताने वाले दो युवक घायल हो गए, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गयी।

पलटा पड़ा गैस टैंकर।

जमीन हड़पने के लिए फूंकी कार, रिपोर्ट दर्ज

- **अमृत विचार, काकोरी :** जमीन हड़पने के लिए युवक की कार फूंकने व परिवार को धमकाने के मामले में दुबग्गा पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। चौपटिया निवासी धनीराम मौर्य ने बताया कि ग्राम भौरा में उनकी जमीन है। आरोप है कि 2 जनवरी की रात जब वह अपनी जमीन पर पहुंचे तो देखा कि सत्येन्द्र सिंह यादव, अरुण यादव, छंगा तथा दो अन्य अज्ञात लोग उनकी वैगनआर कार में आग लगा रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपी प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं और उनकी जमीन हड़पना चाहते हैं।

तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान बताए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग की ओर से मनोचिकित्सा विभाग के सहयोग से विश्व तंबाकू निषेध दिवस एवं पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार वर्मा, संकाय सदस्य डॉ. जिलानी और डॉ. हेमंत कुमार सहित अन्य विशेषज्ञों ने तंबाकू उत्पादों के भ्रामक प्रचार और उनकी कृत्रिम आकर्षक छवि पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को धूम्रपान और अन्य तंबाकू उत्पादों से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। खासतौर पर युवाओं में बढ़ती तंबाकू और निकोटिन की लत को लेकर चिंता व्यक्त की। पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन और योग का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें मरीजों, स्वास्थ्यकर्मियों और अन्य प्रतिभागियों को श्वास संबंधी व्यायाम, शारीरिक गतिविधियों और योग की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज बदलेगा पंचायतों की सूरत

- वर्ष 2026-27 में नये क्लेवर से शुरू होगा अभियान
- नवाचार से गांवों का करेंगी विकास, बढ़ेगी आय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्र की स्पॉन्सरशिप योजना के तहत ''राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान'' वर्ष 2026-27 में नए कलेवर में चलेगा। सरकार ने अभियान में नवाचार अपनाते हुए विषयों को अपडेट किया है। इससे पंचायतें गांव का विकास करेंगी, साथ ही इन्हीं कार्यों से ओएसआर यानी स्वयं की आय बढ़ाएंगी।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान वर्ष 2022 से 2026 तक के लिए चला था। इस अभियान में ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों पर सुविधाओं का सर्वे करके उनकी पूर्ति करना, जरूरत की किटें देना, नवाचार अपनाना और इन्फ्रास्ट्रकर पर काम करने जैसे विषय पर प्रशिक्षित किया जाता था। यह अभियान इस माह मार्च में खत्म हो जाएगा और अप्रैल में नए कलेवर में शुरू होगा।

केंद्र ने अभियान में नवाचार को जोड़ते हुए समय और जरूरत के हिसाब से विषयों में बदलाव करके बढ़ाए हैं। इससे लाभान्वित ग्राम पंचायतें गांवों का और बेहतर विकास करेंगी। साथ ही कूड़ा उठान, कूड़ा निस्तारण, सीएससी जैसे चीजों का निर्माण व स्थापित करेंगी जिससे ग्रामीणों को लाभ होगा और उससे मिलने वाले शुल्क से पंचायत को आय प्राप्त होगी। यह आय गांव के विकास कार्यों पर बजट के अतिरिक्त खर्च की जाएगी।

जनसभा के लिए झूलेलाल पार्क में बना पंडाल।

लाइटों-पौधों से सजा ग्रीन कॉरिडोर, पंडाल भी तैयार

- लोकार्पण अवसर पर झूलेलाल पार्क में होगी सभा, 10 हजार लोग आएंगे
- समतामूलक चौक के पास रक्षामंत्री और मुख्यमंत्री काटेंगे फीता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : एलडीए, जिला प्रशासन और नगर निगम ने 13 मार्च को ग्रीन कॉरिडोर के उद्घाटन की तैयारी शुरू कर दी है। जनसभा के लिए में पंडाल लगाया गया है। सभा में 10 हजार लोगों को लाने के लिए 300 बसें लगाई गई हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण करेंगे।

समतामूलक चौक पर एलडीए ने लाइटिंग के साथ रंग-रोगन, पेड़-पौधे, वॉल पेटिंग से सजावट की है। जगह-जगह ग्रीन कॉरिडोर सजाया है। पौधे के अलावा डालीगंज, निशातगंज और समतामूलक चौक पर रोटरी में रंग-बिरंगी लाइटिंग भी की गई है। 100 बसें आठ विकास खंडों पर और 200 नगर क्षेत्र से लोगों को जनसभा में लाएंगी। बसों की पार्किंग, लोगों को बैठने की व्यवस्था, लंच, पेयजल आदि की जिम्मेदारी संबंधित विभागों को दी गई है। कार्यक्रम की दिनरात तैयारी की जा रही है। बुधवार को प्रशासन, एलडीए, नगर निगम, पुलिस विभाग के अलावा शासन स्तर के अधिकारियों का आनाजाना लगा रहा। अफसरों ने कार्यक्रम की तैयारी देखी और आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम में किसी तरह की कमी न रह जाए इस पर जोर है। एलडीए ने फेज-2 में डालीगंज से निशातगंज होते हुए समतामूलक चौक तक करीब सात किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाया है। यह उद्घाटन के बाद वाहनों के आवागम के लिए खोल दिया जाएगा। इस लेन से फेज-1 का आईआईएम रोड से डालीगंज तक बना ग्रीन कॉरिडोर जुड़ जाएगा।

इससे आईआईएम रोड से सीधे समतलामूलक तक 10 मिनट में वाहनों से आनाजाना होगा।

खेलकूद

प्रदेश के युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग की प्रतियोगिता का विधायक ने किया उद्घाटन

सीनियर बालक वर्ग कबड्डी में मोहनलालगंज की टीम बनी विजेता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग की ज़ोन स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता बुधवार को मोहनलालगंज के मऊ स्थित स्टेडियम में शुरू हुई। सीनियर बालक वर्ग की कबड्डी में मोहनलालगंज विजेता और बाराबंकी उपविजेता बना। जूनियर वर्ग में लखनऊ विजेता व उन्नाव उपविजेता और सब-जूनियर वर्ग में उन्नाव विजेता और सीतापुर उपविजेता बना।

इसके पहले विधायक अमरेश कुमार ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। सीनियर वर्ग बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में बाराबंकी के सौरभ वर्मा, 200 मीटर दौड़ में उन्नाव के दीपक कुमार, 400 मीटर दौड़ में बाराबंकी के सौरभ वर्मा, 1500 मीटर दौड़ में सीतापुर के शोभाराम मौर्य, (सीतापुर), भाला फेंक में बाराबंकी के शुभम यादव, ऊंची कूद में अंबेडकर नगर के आबिद अकरम पहले स्थान पर रहे। बालिका वर्ग की 100, 200 और 400 मीटर दौड़ में अंबेडकर नगर की गायत्री, 800 मीटर दौड़ में सीतापुर की रूचि श्रीवास्तव, ऊंची कूद में लखीमपुर खीरी की अंजली वर्मा पहले स्थान पर रहीं। जूनियर बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में सुल्तानपुर के अंश चौरसिया, 200 मीटर दौड़ में अम्बेडकरनगर के मोहम्मद आजम, 400 मीटर दौड़ में लखीमपुर-खीरी के गुलाब सिंह, 1500 मीटर दौड़ में सुल्तानपुर के हिमेश, भाला फेंक में अम्बेडकरनगर के आलोक वर्मा और ऊंची कूद में अमेठी के शमशाद अव्वल रहे। बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में लखीमपुर-खीरी की अकविन्दर कौर, 200 मीटर दौड़ में अयोध्या की गीता यादव, 400 मीटर दौड़ में लखीमपुर-खीरी की अकविन्दर कौर, 800 मीटर दौड़ में रायबरेली की शशि, ऊंची कूद में बाराबंकी की अंजली ने स्वर्ण पदक जीता। सब-जूनियर वर्ग बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में अयोध्या के सनी गिरी, 800 मीटर दौड़ में अंबेडकर नगर के सत्यम, भाला फेंक में बाराबंकी के सुधीर यादव और ऊंची कूद में अमेठी के अवशेष को पहला स्थान मिला। बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में रायबरेली की अनामिका, 800 मीटर दौड़ में सुल्तानपुर की अनुश्री मिश्रा, ऊंची कूद में अयोध्या की विन्ध्यवासिनी पहले स्थान पर रहीं।

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग की ज़ोनल प्रतियोगिता में दौड़ लगाते खिलाड़ी। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पार्कों, खेल मैदानों और खुले स्थानों को सूचीबद्ध करने का निर्देश

लखनऊ, विधि संवाददाता : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों तथा प्राधिकरणों को निर्देश दिया है कि वे पार्कों, खेल मैदानों और खुले स्थानों का विवरण तैयार कर उन्हें उत्तर प्रदेश पार्क, खेल मैदान और खुली जगह संरक्षण और विनियमन अधिनियम, 1975 के तहत तैयार की जाने वाली सूची में शामिल करें। साथ ही ऐसे स्थानों का पूरा ब्यौरा प्रस्तुत करने भी को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को नियत की गई है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने धर्मपाल यादव की जनहित याचिका पर पारित किया है। याची ने शहर के जनेश्वर मिश्रा पार्क के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगाने की मांग की है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि अधिनियम की धारा 6 के अनुसार सूचीबद्ध पार्क, खेल मैदान या खुले स्थानों का उपयोग उस उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता, जिसके लिए उनका उपयोग 1975 में अधिनियम लागू होने से ठीक पहले किया जा रहा था, जब तक कि इसके लिए निर्धारित प्राधिकरण से पूर्व अनुमति न ली जाए। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि अधिनियम की धारा 6 में दी गई रोक उन पार्कों पर भी लागू होगी जिन्हें अधिनियम की धारा 3 और 4 के अंतर्गत सूची में शामिल किया गया है, चाहे वे अधिनियम लागू होने के बाद ही क्यों न जोड़े गए हों।

शिया व सुन्नी वक्फ बोर्ड को एकीकृत करने की याचिका पर मांगा जवाब

लखनऊ, विधि संवाददाता : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 के तहत शिया व सुन्नी वक्फ बोर्डों को मिलाकर एक वक्फ बोर्ड बनाए जाने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर, केंद्र व राज्य सरकार समेत शिया व सुन्नी वक्फ बोर्डों से जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने सैयद वसीम रिजवी की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया है कि एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 की धारा 13 एक वक्फ बोर्ड का प्रावधान करती है। न्यायालय ने प्रतिवादियों को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। अगली सुनवायी चार सप्ताह पश्चात होगी।

ओवरलोडिंग व अवैध खनन पर 29.65 लाख का जुर्माना वसूला

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अवैध खनन और ओवरलोडिंग की गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने तीन दिवसीय प्रदेशव्यापी अभियान चलाया। इस दौरान 409 वाहनों की गहन जांच की गई और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लगभग 29 .65 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। विभाग के अनुसार, अभियान के तहत अवैध खनिज परिवहन और ओवरलोडिंग पर विशेष निगरानी रखी गई। नियमों का पालन न करने वाले वाहनों के खिलाफ मौके पर कार्रवाई कर जुर्माना राजकोष में जमा कराया गया।

किशोरी मिली, भगाने का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : विभूतिखंड पुलिस ने 15 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने वाले आरोपी नीरज तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अपहृत किशोरी को बरामद कर लिया है। 9 मार्च को पीड़ित भाई ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। मूल रूप से बिहार निवासी आरोपी नीरज तिवारी विभूतिखंड के विभवखंड-2 में रह रहा था। इंस्पेक्टर विभूतिखंड ने बताया कि जल्द ही पीड़िता का मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया जाएगा।

मकान में चोरी करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : बंद मकान में चोरी करने वाले आरोपी को पीजीआई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लाखों के जेवर, 38 हजार रुपये व चोरी में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है। आरोपी संदीप कश्यप कैसरबाग के मकबूलगंज का रहने वाला है। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि 25 फरवरी को वृंदावन योजना सेक्टर-18 स्थित आसरा एंक्लेव निवासी अंजू सिंह के मकान में चोरी हुई थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी संदीप को चिरैयाबाग अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी अमीनाबाद में चाउमीन का ठेला लगाता है।

मां-बेटे की हत्या के आरोपी को पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली

गोली लगने से सिपाही भी घायल, आरोपी गिरफ्तार, अस्पताल में भर्ती, तमंचा, दो खोखे व कारतूस बरामद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मोहनलालगंज इलाके में 45 वर्षीय मां और 18 वर्षीय नेत्रहीन बेटे की हत्या करने वाले आरोपी और पुलिस के बीच बुधवार देर रात मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक सिपाही घायल हो गया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से हत्यारोपी पड़ोसी किशन रावत घायल हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने मौके से तमंचा, दो खोखे व एक कारतूस बरामद किया है।

डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया कि 9 मार्च की रात में सिसेंडी गांव में मां-बेटे की गला घोंटकर हत्या की गयी थी। पुलिस ने मृतका के

घायल आरोपी किशन रावत।

घटनास्थल का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

भाई की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी। केस पर पुलिस की चार टीमें लगाई गई थीं। सीसीटीवी कैमरे में कैद संदिग्ध की पहचान ग्रामीणों ने की थी। साथ ही बताया था कि किशन रावत को मां-बेटे के घर से भीगता हुआ जाता देखा गया था। जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में लगी थी।

डीसीपी ने बताया कि बुधवार रात इंस्पेक्टर मोहनलालगंज बृजेश त्रिपाठी, चौकी प्रभारी सिसेंडी अनूप सिंह पुलिस बल के साथ हत्यारोपी की तलाश में दबिश दे रहे थे। देर रात में सूचना मिली कि हत्यारोपी

बरामद तमंचा।

किशन हुलासखेड़ा से खुजौली की ओर नहर किनारे रास्ते से जा रहा है। वह कहीं भागने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस ने आरोपी को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने गोली चला दी। आरोपी की फायरिंग में सिपाही अमित सिंह के दाहिने पैर में पंजे के पास गोली लगी। इसके बाद जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी और वह वहीं पर गिर पड़ा। पुलिस ने आरोपी को सीएचसी मोहनलालगंज भिजवाया गया है।

एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने बताया कि आरोपी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ भी मारपीट करता था। आरोपी की पिटाई से परेशान होकर पत्नी मायके चली गई थी। आरोपी किशन के खिलाफ दुष्कर्म की धारा बढ़ा दी गई है। चूंकि उसने दुष्कर्म के प्रयास की बात कही है। बीएनएस में प्रयास में भी दुष्कर्म की धारा ही लगती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर इस संबंध में अभी विशेषज्ञों की राय ली जाएगी। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी किशन साइको किस्म का है। उसने हत्या के बाद महिला और उसके बेटे के कपड़े उतारे। दोनों को थप्पड़ और डंडे से पीटा था।

गाली देने पर नेत्रहीन का गला घोंटा, दुष्कर्म के विरोध पर मां को मारा

एसीपी के मुताबिक, पूछताछ में किशन रावत ने बताया कि महिला की पान-मसाले की दुकान है। उसे 160 रुपये उधारी के महिला को देने थे। 9 मार्च की शाम वह महिला के घर रुपये देने पहुंचा था। उसका नेत्रहीन बेटा था। उसने यह कहकर भगा दिया कि जब मां आए तब आना। कुछ देर बाद महिला पहुंची तो वह भी पहुंच गया। वह रुपये दे रहा था, इस बीच उसके नेत्रहीन बेटे ने आवाज सुनी और गाली दे दी। गुस्से में उसने नेत्रहीन को लात मार दी। वह हौद में गिरा फिर उसका गला घोंटकर मार दिया। उसकी मां हाथापाई करने लगी। उसे धक्का देकर गिराया और लात मार दी। वह गिर गई। दुष्कर्म के विरोध पर उसका भी गला घोंट दिया।

कर्मचारियों के अवकाश मानव संपदा पोर्टल से ही होंगे स्वीकृत

मुख्य सचिव का आदेश, 25 मार्च तक अपडेट करें अवकाश विवरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने बुधवार को निर्देश दिया है कि कर्मचारियों के सभी प्रकार के अवकाश की स्वीकृति अब मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही सुनिश्चित की जाए।

एसपी गोयल

शासनादेश के अनुसार सभी विभागों, कार्यालयों, स्वायत्तशासी संस्थाओं और निगमों में कार्यरत नियमित कर्मचारियों का पंजीकरण मानव संपदा पोर्टल पर पहले से अनिवार्य किया जा चुका है। इसके बावजूद कई विभागों में अवकाश संबंधी प्रविष्टियां और स्वीकृतियां पोर्टल के माध्यम से पूरी तरह दर्ज नहीं की जा रही हैं। इसी स्थिति को देखते हुए सभी विभागाध्यक्षों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों के अवकाश से संबंधित सभी विवरण पोर्टल पर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा है कि कर्मचारियों के अवकाश से संबंधित आवेदन, स्वीकृति और निस्तारण की पूरी प्रक्रिया मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी, ताकि सेवा संबंधी मामलों में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही विभागों को निर्देश दिया गया है कि कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका के आधार पर उनके सभी प्रकार के अवकाश का अद्यतन विवरण आहरण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) के माध्यम से 25 मार्च 2026 तक पोर्टल पर दर्ज कराया जाए।

संस्कृति स्कूल में गुणवत्ता को दें प्राथमिकता

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने निर्देश दिए हैं कि संस्कृति स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। निजी स्कूलों की तुलना में विद्यालय की फीस और परिवहन शुल्क कम रखे जाएं, ताकि अधिक से अधिक छात्र यहां प्रवेश ले सकें। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद और अतिरिक्त गतिविधियों को विशेष महत्व देने पर जोर दिया। मुख्य सचिव बुधवार को सीएसआई एजुकेशनल सोसाइटी की कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फुटबॉल, वॉलीबॉल, स्केटिंग, क्रिकेट, टेबल टेनिस और लॉन टेनिस जैसी खेल गतिविधियों को विकसित और प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूल में स्पोर्ट्स वेंडर और कैंटीन संचालन की व्यवस्था करने को भी कहा। बैठक में बताया गया कि संस्कृति स्कूल में पांच ब्लॉकों में 66 कक्षाएं, ऑडिटोरियम, प्रयोगशालाएं और खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं और यहां 2640 छात्रों की क्षमता है। विद्यालय में विश्वस्तरीय साइंस लैब, एआई लैब और कंप्यूटर लैब भी स्थापित की गई हैं। वर्तमान में करीब 300 छात्रों ने प्रवेश लिया है।

आभूषण दुकान से महिला ने आस्तीन में छिपाई अंगूठी, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर स्थित सर्राफ की दुकान से 80 हजार रुपये कीमत की एक अंगूठी चोरी हो गई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें एक महिला अंगूठी को अपनी आस्तीन में छिपाते हुए दिखाई दे रही है। इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। पत्रकारपुरम स्थित आनंद प्लाजा के एलजीएफ में बने ओफिरा लैब डायमंड्स शोरूम के स्टोर मैनेजर रंजीत सिंह ने बताया 26 फरवरी की शाम करीब 6 :25 बजे सांझ शुक्ला एक महिला रिश्तेदार संग शोरूम में आई थीं। रात में स्टॉक के मिलान के दौरान एक लैब ग्रोन डायमंड अंगूठी कम पाई गई। इसके बाद शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी गई। उसमें दिखा कि सांझ शुक्ला के साथ जो महिला आई थी वह फुल स्लीव कपड़े पहनने थी। उसने अंगूठी को अपनी आस्तीन में छिपा लिया। शोरूम मैनेजर ने बताया घटना के बाद सांझ शुक्ला से संपर्क करने की कोशिश की गई। लेकिन वह चोरी की बात से इनकार कर रही हैं। जांच में सहयोग भी नहीं कर रही हैं। शोरूम के मैनेजर ने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

दलितों के खिलाफ बढ़ रहे अपराध : अजय राय

कांशीराम की जयंती को 'सामाजिक परिवर्तन दिवस' के रूप में मनाएगी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार गरीबी नहीं बल्कि गरीबों को मिटाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में दलितों के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल ही में भदोही में जसलाल सरोज को जिंदा जलाने की कोशिश की घटना बेहद चिंताजनक है। कांग्रेस दलितों के सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखेगी। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन डॉ. राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि आजादी के बाद देश से गरीबी और असमानता खत्म करने का

कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से संवाद करते प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य। अमृत विचार

सपना देखा गया था, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियां आम जनता के हित में नहीं हैं।

वहीं एआईसीसी पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन डॉ. अनिल जय हिन्द ने बताया कि कांग्रेस 13 मार्च को कांशीराम की जयंती को 'सामाजिक परिवर्तन दिवस' के रूप में मनाएगी। इस अवसर पर लखनऊ में बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना है। इस मौके पर डॉ. सीपी राय, अनिल यादव, मनीष हिंदवी और मनोज यादव सहित कई नेता मौजूद रहे।

रेरा ने 51 एजेंटों को बताए नियम और मानक, किया प्रशिक्षित

अमृत विचार, लखनऊ : रेरा ने रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, पेशेवर दक्षता और जवाबदेही के उद्देश्य से बुधवार को ग्रेटर नोएडा स्थित एनआईईटी में चार दिवसीय एजेंट प्रशिक्षण शुरू किया।

आयोजन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण में 51 प्रतिभागी शामिल हुए हैं। उद्घाटन रेरा के सचिव महेन्द्र वर्मा, संयुक्त सचिव उमा शंकर सिंह, वित्तीय सलाहकार सुधांशु त्रिपाठी तथा सहायक निदेशक अमरीश कुमार ने लखनऊ स्थित मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस अवसर पर ग्रेटर नोएडा कार्यालय से राजस्व अधिकारी अंशुमान सिंह, डिप्टी सचिव पंकज सक्सेना, प्रशासनिक अधिकारी सुभाष बाबू, प्रोग्रामर विनय अग्रहरि तथा कानपुर विश्वविद्यालय से मोहित अवस्थी भी उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को रेरा के कार्य, नियम, मानक आदि बताए।

प्रधानमंत्री 14 को जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 13 मार्च को असम के गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर को पूरे देश में 'पीएम किसान उत्सव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

यूपी सरकार ने इस संबंध में सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और कृषि विभाग के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शासनादेश के अनुसार कार्यक्रम का सीधा प्रसारण pmindiawebcast.nic.in पर होगा। प्रदेश के सभी जिलों, विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में किसानों को इस कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जोड़ने के लिए आयोजन किए जाएंगे। इसके लिए कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्रों और जिला प्रशासन को समन्वय के साथ व्यवस्थाएं करने को कहा गया है। कार्यक्रमों में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, ग्राम प्रधानों और किसानों की भागीदारी के निर्देश दिए गए हैं।

जिलों में बनेंगे मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए योगी सरकार विभिन्न जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय स्थापित करने जा रही है। इन विद्यालयों में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को एक ही परिसर में आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

यह जानकारी बुधवार को बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ के मलिहाबाद सहित बहराइच, चंदौली, मिर्जापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, गाजियाबाद, कानपुर देहात, वाराणसी, कौशांबी, फर्रुखाबाद, अमेठी और उन्नाव समेत कई जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण के लिए शासनादेश जारी कर दिए गए हैं। प्रत्येक परियोजना के लिए लगभग 23 से 28 करोड़ रुपये तक की लागत स्वीकृत की गई है तथा प्रथम किश्त के रूप में संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को धनराशि भी जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में आधुनिक कक्षाएं, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल मैदान, पुस्तकालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

मनरेगा से बन रहे अन्नपूर्णा भवन राशन वितरण होगा आसान

अमृत विचार,लखनऊ: प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में राशन वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मनरेगा के तहत अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर ग्राम पंचायतों में सरकारी भूमि पर इन भवनों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है।

मनरेगा योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे अन्नपूर्णा भवनों में खाद्यान्न भंडारण की व्यवस्था के साथ उचित दर की दुकान संचालित की जा सकेगी। भवन में एक बड़ा हॉल, प्रतीक्षालय तथा जनसेवा केंद्र के संचालन की भी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश में अब तक 4,811 से अधिक अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य शुरू कराया जा चुका है, जबकि 900 से अधिक भवन बनकर तैयार हो चुके हैं। अब तक कई स्थानों पर उचित दर की दुकानें संकरी गलियों में संचालित होने के कारण खाद्यान्न वाहन और उपभोक्ताओं को पहुंचने में परेशानी होती थी। ग्राम सभाओं में अन्नपूर्णा भवन बनने से खाद्यान्न वाहन आसानी से पहुंच सकेंगे।

सिख प्रतिनिधिमंडल ने योगी से मिलकर जताया आभार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सिख परंपराओं से विवाह के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरकार ने किया है आसान

अमृत विचार : कृषि राज्य मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख के नेतृत्व में सिख प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। राज्य कैबिनेट द्वारा 'आनंद विवाह रजिस्ट्रेशन नियमावली-2026 (आनंद कारज)' को मंजूरी दिए जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति प्रतिनिधिमंडल ने आभार व्यक्त किया।

प्रतिनिधिमंडल के दिलप्रीत सिंह 'डीपी' ने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के सिख समुदाय के लिए ऐतिहासिक है। इससे सिख धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न होने वाले विवाहों के पंजीकरण की प्रक्रिया आसान होगी और समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो सकेगी। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए सिख समाज से जुड़े विभिन्न सामाजिक और जनहित के मुद्दों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर प्रदेश के सिख समुदाय को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों की भावनाओं और परंपराओं के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है।

भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल में लखविंदरपाल सिंह, रणवीर सिंह कलसी, सुरिंदरपाल सिंह बख्शी, गुरबाज सिंह, परविंदर सिंह, निर्मल सिंह, हरविंदर सिंह लार्ड, हरपाल सिंह और गुरविंदर सिंह छाबड़ा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

छुट्टी के दिन भी ओपीडी चलने से कर्मचारियों ने जताई नाराजगी

अमृत विचार, लखनऊ : शीतलाष्टमी के अवसर पर बुधवार को शहर के ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में ओपीडी आधे दिन संचालित की गई, लेकिन बलरामपुर अस्पताल में ओपीडी का संचालन सामान्य दिनों की तरह दोपहर 2 बजे तक किया गया। इस पर कई कर्मचारियों ने नाराजगी जताई। कई कर्मचारियों ने अस्पताल प्रशासन से शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि जब अन्य सरकारी अस्पतालों में आधे दिन की ओपीडी रही, तो बलरामपुर अस्पताल में अलग व्यवस्था क्यों लागू की गई। इस मामले में अस्पताल प्रशासन कोई भी स्पष्ट प्रतिक्रिया देने से बचता रहा।

सुविधा | बच्चे का हुआ सफल इलाज, गरीब व मध्यम वर्ग के मरीजों को मिलेगी राहत

केजीएमयू में शुरू हुआ बोन मैरो प्रत्यारोपण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- राज्यपाल ने दिसंबर में यूनिट का किया था उद्घाटन

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू हो गई है। संस्थान में हाल ही में एक बच्चे का सफल बोन मैरो प्रत्यारोपण किया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत में सुधार हुआ और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने बताया कि समय-समय पर मरीज का फॉलोअप किया जाएगा।

कुलपति ने बताया दिसंबर 2025 में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने

संस्थान में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का उद्घाटन किया था। गंभीर रक्त कैंसर से जूझ रहे इस बच्चे को कीमोथेरेपी से अपेक्षित सुधार नहीं मिलने पर बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई। परिवारीजनों की अनुमति मिलने के बाद यह सफल ट्रांसप्लांट किया गया।

डॉ. नित्यानंद ने बताया कि बोन मैरो ट्रांसप्लांट ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मल्टीपल मायलोमा और सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में मददगार है। इस सुविधा के शुरू होने से गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को विशेष लाभ मिलेगा, जिन्हें अब महंगे निजी अस्पतालों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। केजीएमयू में यह सुविधा केवल 6 से 8 लाख रुपये में उपलब्ध है। अधिकांश ट्रांसप्लांट प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री राहत कोष, आयुष्मान योजना तथा असाध्य रोग योजना के तहत किए जाएंगे। अस्पताल के रिवॉल्विंग फंड काउंटर से मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

क्या है बोन मैरो ट्रांसप्लांट

बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक चिकित्सा प्रक्रिया है जिसमें शरीर की खराब या नष्ट हो चुकी बोन मैरो को स्वस्थ बोन मैरो कोशिकाओं से बदल दिया जाता है। बोन मैरो वह स्पंजी ऊतक होता है जो हमारी हड्डियों के भीतर पाया जाता है और रक्त बनाने वाले स्टेम सेल बनाता है। जिनसे लाल व सफेद रक्त कोशिकाएं और प्लेटलेट्स बनते हैं।

बच्चों को बीमार कर रहा मौसम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अस्पतालों की ओपीडी में रोजाना बड़ी संख्या में पहुंच रहे बच्चे खांसी-जुकाम, सीने में जकड़न और सांस लेने में परेशानी

अमृत विचार : इन दिनों मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। दिन में तेज धूप और गर्मी महसूस हो रही है, जबकि सुबह-शाम हल्की ठंड बनी हुई है। मौसम के इस उतार-चढ़ाव का असर सबसे ज्यादा बच्चों की सेहत पर पड़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि थोड़ी सी लापरवाही बच्चों को खांसी, जुकाम, वायरल बुखार और पेट संबंधी समस्याओं की चपेट में ला सकती है।

वीरांगना अवंतीबाई महिला चिकित्सालय के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान खान के अनुसार इस समय बच्चों की विशेष देखभाल बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि बच्चों को सादा पानी पिलाना चाहिए और पर्याप्त मात्रा में पानी देना चाहिए, जिससे पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है और शरीर के विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। उन्होंने फिलहाल एसी व कूलर से बचने और बच्चों को फ्रिज का ठंडा पानी, आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक तथा बर्फ खाने से परहेज कराने की सलाह दी है।

वहीं भाऊराव देवरस संयुक्त चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष शुक्ला ने बताया कि बच्चों की इम्युनिटी मजबूत रखने के लिए उनके भोजन में हरी सब्जियां, मौसमी फल, जूस, सूखे मेवे और सलाद शामिल करना चाहिए। घर का ताजा बना भोजन जैसे दाल, चावल, रोटी, सब्जी और दही बच्चों के लिए सबसे बेहतर होता है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के विकास के लिए हाई-प्रोटीन डाइट जैसे दालें, अंकुरित चना-मूंग, दूध और दूध से बने पदार्थ देना चाहिए। साथ ही जंक फूड, बाहर की चाट-समोसे और अस्वच्छ भोजन से बचाना जरूरी है। बच्चों को खाने से पहले साबुन-पानी से हाथ धोने की आदत भी जरूर डालनी चाहिए, ताकि मौसमी बीमारियों से बचाव किया जा सके।

तरक्की की रफ्तार ने इक्का, तांगा को पीछे छोड़ दिया...

पीढ़ी दर पीढ़ी तांगा बनाने वाले कारीगर अब दूसरे काम-धंधे की तलाश में

लखनऊ, अमृत विचार। राजधानी के न्यू हैदरगंज में गंगा प्रसाद रहते हैं। उम्र करीब 65 वर्ष है, अब कुल्हाड़ी, खुर्पी, चाकू, कैची अइयागंज से लाकर बेचते हैं। कहते हैं कि 'पापी पेट का सवाल है, कुछ तो करना पड़ेगा...' तहजीब के शहर लखनऊ का तीसरा कारीगर वह खुद को बताते हैं जिनके पास इक्का, तांगा और घोड़ागाड़ी बनवाने वालों की भीड़ लगी रहती थी।

करीब तीन दशक पहले तक हाल यह था कि बात करने की फुरसत नहीं होती, आर्डर लेने के बाद भी घोड़ागाड़ी बनाकर देने में महीनों लग जाते। अब साल में भूले-भटके कोई एक भी आर्डर नहीं आता। शादी-विवाह के रथ वाले जरुर कभी-कभार मरम्मत कराने चले आते हैं। गंगा प्रसाद के पिता और दादा जी भी इक्का, तांगा, घोड़ागाड़ी और रथ बनाने का काम करते थे। पुराने लखनऊ में दो दशक पहले तक 30 से 40 तांगा चला करते थे लेकिन अब गिनती के 4-5 बचे हैं। गंगा प्रसाद के अलावा दुबग्गा के गोपी और टेढ़ी पुलिया के मुखरी लाल का पैतृक व्यवसाय भी खत्म हो गया।

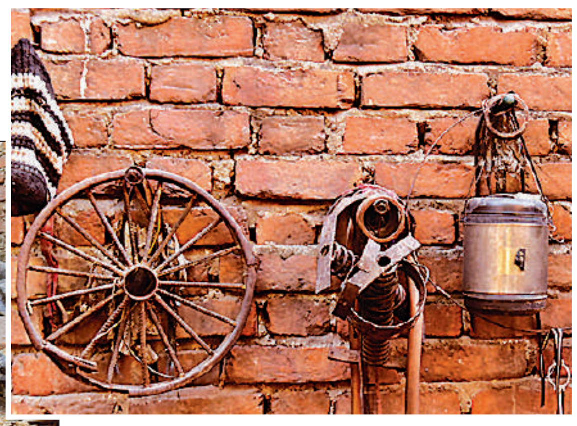

समय के साथ-साथ इक्का और तांगा का काम छूटने के बाद अब ई-रिक्शा की मरम्मत करते गंगा प्रसाद।

सभी फोटो- शुभंकर चक्रवर्ती

इतने रुपए में बनाते थे घोड़ागाड़ी

गंगा प्रसाद बताते हैं कि वह तीन दशक पहले तक करीब 40 हजार रुपए में तांगा और 10-15 हजार में खड़खड़ा बनाते थे। जिसमें लगभग 20 दिन से एक महीने भी लग जाते और 10-12 हजार रुपए की बचत हो जाती थी।

घंटाघर के पास खड़े तांगे।

खत्म होती जा रही नवाबी दौर की सवारी

लखनऊ शहर में तांगा और घोड़ागाड़ी का इतिहास नवाबी दौर से जुड़ा हुआ है। अवध के नवाबों के समय यह सवारी साधन आम लोगों से लेकर शाही परिवार तक की दिनचर्या का हिस्सा थे। चौड़ी सड़कों, रेजीडेंसी, हजरतगंज और पुराने शहर की गलियों में तांगे तहजीब और शान की पहचान माने जाते थे। अंग्रेजी शासन के दौरान भी तांगा प्रमुख यातायात साधन रहा। समय के साथ मोटर वाहनों का चलन बढ़ा, लेकिन तांगा लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बना रहा। आज यह परंपरा धीरे-धीरे इतिहास के पन्नों में सिमटती जा रही है।

सुयश द्विवेदी ने रोशन किया नाम

लखनऊ, अमृत विचार : श्री रामस्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के मेधावी पूर्व छात्र सुयश द्विवेदी ने सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 94 प्राप्त की है। वह एसआरएमसीईएम में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के के पूर्व छात्र हैं। सुयश ने अपने करियर की शुरुआत भारतीय सेना से की और वर्तमान में वे सीआईएसएफ में असम में तैनात हैं। उनकी इस उपलब्धि पर इं. पंकज अग्रवाल ने हार्दिक बधाई देते हुए बताया कि वह एक होनहार व प्रतिभावान छात्र था। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने भी उसकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर अपार गर्व व्यक्त किया है और संस्थान का नाम रोशन करने के लिए उन्हें बधाई दी है।

आठ वर्ष पूर्व हुए शादाब हत्याकांड के केस में तीन को आजीवन कारावास

विधि संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली नगर क्षेत्र के भुआपुर में आठ वर्ष पूर्व हुए शादाब हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम संध्या चौधरी की अदालत ने बुधवार को अहम फैसला सुनाते हुए तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। अदालत ने वदूद, वसीम पुत्र नसीम तथा आफताब पुत्र जफर उल्ला को आजीवन कारावास के साथ वदूद पर 72 हजार हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया वही दो अन्य पर 70-70 हजार रुपए अर्थदंड लगाते हुए हुए जेल भेज दिया। कोर्ट ने अर्थदण्ड की सम्पूर्ण रकम बतौर क्षतिपूर्ति मृतक के परिजन को देने का आदेश भी दिया है। एडीजीसी पवन कुमार दूबे व वादी पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल के अनुसार वादी मोहम्मद शमशाद से पुरानी रंजिश के चलते 3 मई 2018 की शाम करीब पांच बजे आरोपी बंदूक, राइफल और रिवाल्वर से लैस होकर आए और उसके भतीजे मोहम्मद शादाब को गोली मारकर हत्या कर दी घटना के बाद दर्ज मुकदमे में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मामले में एक आरोपी के नाबालिग होने के कारण उसका विचारण किशोर न्याय बोर्ड में चल रहा है। अभियोजन पक्ष की ओर से 7 गवाह पेश किए गए, जबकि बचाव पक्ष ने एक गवाह का परीक्षण कराया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दो सगे भाइयों व दूद वसीम व आफताब को आजीवन कारावास व अर्थदण्ड की सजा सुना जेल भेज दिया।

पत्नी-न बच्चे, गले में फंदा बांध पहली मंजिल से कूदा बुजुर्ग, मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: न पत्नी न बच्चे। बुढ़ापे में कौन सहारा बनेगा, इसी चिंता में एयरफोर्स से सेवानिवृत्त बुजुर्ग ने गले में फंदा लगाया फिर रस्सी का दूसरा सिरा रेलिंग में बांध दिया और पहली मंजिल से छलांग लगा दी। गले में फंदा कसने से तुरंत मौत हो गई। पहली मंजिल से शव लटका देख परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। मोहल्ले वालों की भीड़ एकत्र हो गई। रस्सी काटकर शव नीचे उतारा गया। पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सुसाइड नोट में स्वेच्छा से आत्महत्या करने व देहदान की बात लिखी है। किदवईनगर के वाई-ब्लाक निवासी 82 वर्षीय सुभाष चंद्र कनौडिया एयरफोर्स से स्टोर सीनियर सुपरिटेंडेंट के पद से सेवानिवृत्त थे। परिवार में भाइयों के बच्चे हैं। भतीजे सुधीर कुमार ने बताया कि सुभाष की शादी हुई थी, लेकिन कुछ दिन बाद ही तलाक हो गया था। वह परिवार में अकेले थे और मकान की पहली मंजिल पर रहते थे। देखरेख भाइयों के बच्चे ही करते थे। सुधीर के अनुसार उनके बड़े भाई सुनील की बेटी पलक रतनलालनगर स्थित एक स्कूल में शिक्षिका है। बुधवार सुबह साढ़े छह बजे के बाद जब वह स्कूल के लिए निकली तो बाबा का शव पहली मंजिल की रेलिंग से लटका देखकर चीख पड़ी। शोर सुनकर परिवार के साथ मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। रस्सी काटकर उन्हें नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक शरीर ठंडा पड़ चुका था। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की। कमरे से सुसाइड नोट बरामद कर शव पोस्टमार्टम भेजा गया। सुधीर के अनुसार चाचा अक्सर एक ही बात पर परेशान रहते थे, कि उठने-बैठने पर लाचार होने पर उनकी सेवा करने वाला कोई नहीं है। पत्नी व बच्चे नहीं है। उनका ध्यान कौन रखेगा। इस पर उन्हें देखरेख का भरोसा दिलाया जाता था, लेकिन इसी तनाव में उन्होंने यह कदम उठाया है।

सुभाष चंद्र कनौडिया।

सुबह 5 बजे नित्यक्रिया के बाद उठाया कदम

सुधीर के अनुसार रात में उनके साथ भाई का बेटा लेटा था, उससे एक घंटे तक बाते की थीं। सुबह करीब पांच बजे उठने पर नित्यक्रिया के बाद कमरे में जाकर बैठ गए। उसके बाद जब परिवार के अन्य लोग स्नान आदि के लिए बाथरूम में गए, इसी बीच मौका पाकर उन्होंने रेलिंग से रस्सी बांधकर छलांग लगाई। क्योंकि दस मिनट के अंतराल पर ही पलक स्कूल के लिए निकली है और उन्हें लटका देखा।

इंस्टाग्राम पर लाइव होकर युवक ने किया सुसाइड

कानपुर, अमृत विचार: पत्नी छोड़कर गई और एकलौता बेटा भी साथ ले गई। इसी गम ने शराब का लती बना दिया। परिवार टूटने का वियोग, बच्चे के प्रति प्रेम में इंस्टाग्राम पर लाइव होकर युवक ने गले में फंदा कस लिया। मोहल्ले के इंस्टाग्राम फ्रेंड ने भागकर लाइव आत्महत्या की खबर परिजनों को दी। जब तक घरवाले पहुंचते फंदे पर लटके युवक की सांसें थम चुकी थीं। परिजनों में चीख-पुकार मच गई। जूही के बंबुरहिया निवासी 33 वर्षीय मनीष उर्फ छोटू लोडर वाहन चलाते थे। माता-पिता की मौत हो चुकी है, परिवार में बड़ा भाई राजकुमार के परिजन हैं। भतीज रॉकी ने बताया कि चाचा की शादी करीब आठ साल पहले माही से हुई थी। उनके एक बेटा पुच्चू है। चाचा छह साल पहले चाचा को छोड़कर चली गईं थी। चाची बेटा भी अपने साथ ले गई थीं। मंगलवार को गंगा मेला पर चाचा ने रंग खेला था। शाम को पहली मंजिल पर कमरे में जाकर सो गए। नशे की हालत में होने के कारण कोई कमरे में भी नहीं गया। देर शाम मोहल्ले के लड़के भागते हुए घर पहुंचे और बताया कि ऊपर कमरे में मनीष ने फांसी लगा ली है। परिजन दौड़े, कमरे का दरवाजा धकियाकर अंदर घुसे तो फंदे से लटका पाया।

मनीष उर्फ छोटू।

ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबा किसान, मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर से सटे इलाके में स्थित एक कोल्ड स्टोरेज में आलू रखने आए किसान की ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबकर मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद मौजूद किसानों में आक्रोश फैल गया। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब चार बजे जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरौली निवासी 55 वर्षीय किसान उमेश चंद्र वर्मा पुत्र भगवती प्रसाद नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित बिंद्रा कोल्ड स्टोरेज में आलू रखने पहुंचे थे। बताया जा रहा कि परिसर में अव्यवस्था के चलते ट्रैक्टर-ट्रॉलियां आड़ी-तिरछी खड़ी थीं। इसी दौरान एक ट्रैक्टर ट्रॉली को बैक करते समय उमेश चंद्र वर्मा उसके नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही गंभीर चोटें लग गईं। हादसे के बाद कोल्ड स्टोरेज परिसर में अफरा तफरी मच गई। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गयी। किसान को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अवर अभियंता को ब्लैकमेल करने की कोशिश में दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

सफदरगंज, बाराबंकी: बिजली विभाग के एक अवर अभियंता को मोबाइल व व्हाट्सएप से ब्लैकमेल करने का प्रयास किया गया। जेई की तहरीर पर दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। विद्युत उपकेंद्र रसौली में तैनात विशांत वर्मा ने बताया कि उनके पास 23 फरवरी को एक अज्ञात व्यक्ति आया। उसने "अर्बन डोर डेवलपमेंट"के नाम पर विद्युतीकरण के लिए प्राक्कलन तैयार कराने की बात कही। अभियंता ने नियमों के अनुसार ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करने के बाद ही सर्वे करने की प्रक्रिया बताई। 25 फरवरी को वही व्यक्ति फिर उपकेंद्र पहुंचा और बिजली संयोजन की अनुमानित लागत पूछने लगा। अभियंता ने करीब 6 से 10 लाख रुपये की संभावित लागत बताई। 26 फरवरी को उसी व्यक्ति ने दोपहर फोन कर फिर अनुमानित लागत पूछी। शाम को अभियंता पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मामले में समझौता करने का दबाव बनाया।

वृद्धाश्रम में भी मनी होली

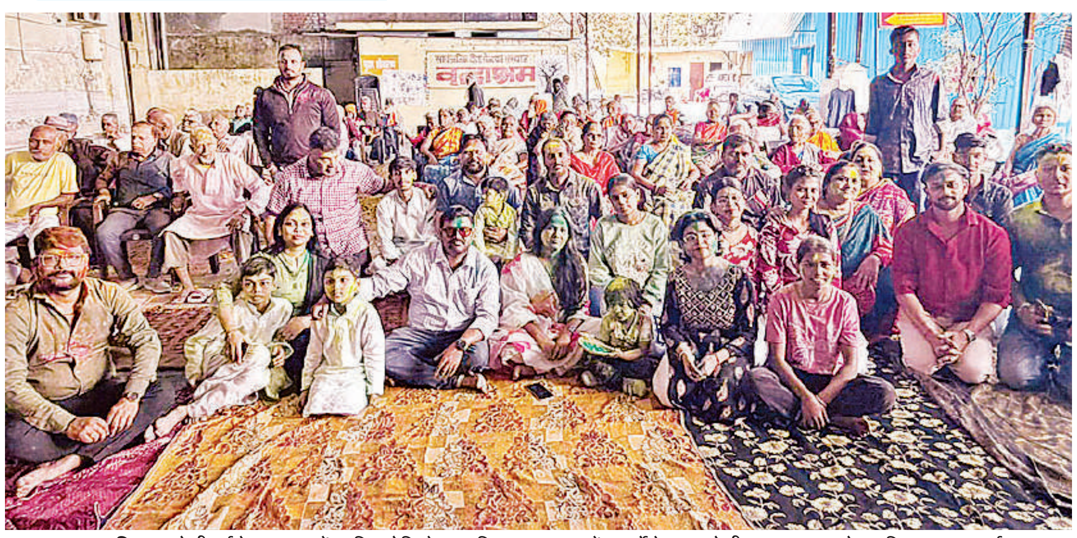

लखनऊ, अमृत विचार : होली पर्व के उपलक्ष्य में आदि ज्योति सेवा स्मृति द्वारा वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ होली उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बुजुर्गों के साथ खुशियां बांटना था। कार्यक्रम की शुरुआत बुजुर्गों को भोजन करवाकर की गई। सभी ने होली का आनंद लिया। इस मौके पर संस्था की अध्यक्ष ज्योति, एल्डर लाइन 14567 के फील्ड ऑफिसर वैभव शुक्ला, कपिल वर्मा, धीरज शुक्ला, निमिषा सोनकर आदि मौजूद रहीं। • अमृत विचार

कृभको
राज्य विपणन कार्यालय लखनऊ (उ.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

दिनांक : 12.03.2026

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभको) अपने राज्य विपणन कार्यालय लखनऊ की सुरक्षा के लिए सुरक्षा एजेंसी की नियुक्ति करने के लिए टेंडर आमंत्रित करता है। गार्ड की आवश्यकता निम्न है-

1- सुरक्षा गार्ड - 2 (0600 to 1400 Hrs)
2- सुरक्षा गार्ड – 2 (1400 to 2200 Hrs)
3- एक गनमैन एवं एक सुरक्षा गार्ड - रात्रि (2200 to 0600 Hrs)

टेंडर फॉर्म एवं अन्य जानकारी कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड राज्य विपणन कार्यालय टी. सी. 28 V विभूति खंड गोमती नगर-लखनऊ -226010 से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं (दूरभाष - 7289998299)। टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 25.03 2026, समय 12.00 PM है। प्राप्त निविदाये 25.03 2026 को दोपहर 2.30 बजे उपस्थित पार्टियों के समक्ष खोली जाऐंगी।
किसी भी निविदा या समस्त निविदाओं को स्वीकार/ अस्वीकार करने का अधिकार कृभको प्रबंधन के पास सुरक्षित है।

राज्य विपणन प्रबंधक
राज्य विपणन कार्यालय
टी. सी. 28 V
विभूति खंड गोमती नगर - लखनऊ-226010

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन नोटिस
सं. LJN-PRKG-10-26

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा०), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई–ऑक्शनिंग के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है– **क्र.सं. 1. लॉट सं.: PARKING-LJN-GKP-TW-7-24-1 (Parking-Two Wheeler); कार्य का विवरण: गोरखपुर** स्टेशन के आरक्षण कार्यालय स्थित दो पहिया पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, स्कूटर) का ठेका 03 वर्ष हेतु। **क्र.सं. 2. लॉट सं.: PARKING-LJN-SNC-MX-121-25-1 (Parking-Mixed); कार्य का विवरण: स्वामी नारायण छपिया** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु। **क्र.सं. 3. लॉट सं.: PARKING-LJN-GKP-MX-143-25-2 (Parking-Mixed); कार्य का विवरण: गोरखपुर** स्थित **रेल म्युजियम–कम–हैरिटेज प्लाज़ा** में संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु। **क्र.सं. 4. लॉट सं.: PARKING-LJN-GKP-MX-149-25-1 (Parking-Mixed); कार्य का विवरण: गोरखपुर** के ललित नारायण मिश्र रेलवे हॉस्पिटल स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु। **क्र.सं. 5. लॉट सं.: PARKING-LJN-CLJ-MX-139-25-1 (Parking-Mixed); कार्य का विवरण: कर्नलगंज** स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु। **क्र.सं. 6. लॉट सं.: PARKING-LJN-GKC-MX-111-24-2 (Parking-Mixed); कार्य का विवरण: गोरखपुर कैण्ट** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु। **क्र.सं. 7. लॉट सं.: PARKING-LJN-BNZ-MX-129-25-1 (Parking-Mixed); कार्य का विवरण: बादशाहनगर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार साईड** स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु। • निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। ireps पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। • सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दि0–**27.03.2026** को **13:00 बजे** प्रारंभ होकर **27.03.2026** को **14:30 बजे** बंद होगी। • इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। • अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पॉर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। • विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक,
मुजाधि/वाणिज्य–284 लखनऊ
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

लखनऊ विकास प्राधिकरण
(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.)। पीबीएक्स : 1800 1800 5000, वेबसाइट: www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यवसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/ नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड/ फ्लैट संख्या	योजना का नाम	मृत्यु का दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्ति कर्ताओं के नाम	मूल आवंटी (मृतक) से आवेदक के सम्बंध
1	2	3	4	5	6	7	8
1	अनिल कुमार बाजपेई	फ्लैट संख्या– RP/H/704	राप्ती अपार्टमेंट सेक्टर–4, गोमती नगर विस्तार योजना, लखनऊ	09.06.2022	1. श्री साधना बाजपेई	1. श्री अनिमेष बाजपेई 2. श्री अभिषेक बाजपेई	पुत्र पुत्र
2	श्रीमती ऊषा श्रीवास्तव	भूखण्ड संख्या– एस0एस0–169, सेक्टर–बी	आजाद नगर योजना	29.06.2019	1. श्रीमती नेहा श्रीवास्तव	1. श्री विवेक श्रीवास्तव (पुत्र) 2. श्रीमती मंजरी श्रीवास्तव (पुत्री)	पुत्रवधू
3	स्व0 भाष्कर प्रसाद त्रिपाठी	भूखण्ड संख्या– डी–2/75	विनीत खण्ड गोमती नगर	26.04.2021	श्रीमती तरूणा त्रिपाठी	कु0 हिमाली त्रिपाठी कु0 वारूणी त्रिपाठी	पुत्री पुत्री
4	राधेश्याम गुप्ता (मृतक)	भवन संख्या– ई– III/3	सेक्टर–एच, अलीगंज योजना लखनऊ	01.05.2003	श्री संजय कुमार गुप्ता	––	पुत्र
5	श्रीमती ऊषा श्रीवास्तव	भूखण्ड संख्या– एस0एस0–168, सेक्टर–बी	आजाद नगर योजना	29.06.2019	1. श्री विवेक श्रीवास्तव	1. श्रीमती नेहा श्रीवास्तव (पुत्रवधू) 2. श्रीमती मंजरी श्रीवास्तव (पुत्री)	पुत्र

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं **संजय कुमार पुत्र श्री देव प्रकाश गुप्ता निवासी–एन–427, केशवपुरम आवास विकास–1 कानपुर नगर उ0प्र0–208017**, मेरे शैक्षिक दस्तावेजों एवं पासपोर्ट पर मेरा नाम SANJAY KUMAR GUPTA अंकित है जब कि मेरे आधार कार्ड पैन कार्ड, बैक एवं ड्राईविंग लायसेन्स में SANJAY KUMAR दर्ज है। SANJAY KUMAR एवं SANJAY KUMAR GUPTA दोनो नाम मेरे है। अब मेरा नाम SANJAY KUMAR ही सही एवं सत्य है ।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 1998 अनुक्रमांक 0605885 का अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **कु. पुष्पा देवी पुत्री रामदास निवासी ग्राम मुरार नगर , सोम, पोस्ट सण्डीला जिला हरदोई**

सूचना
मैं NAZNI ALI पत्नी श्री SHAUKAT ALI निवासी–429/87, मोअज्जमनगर, पो0–चौक, जिला–लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करती हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर NAJANI कर लिया है, अतः आज से मुझे NAJANI W/O SHAUKAT ALI के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना
मैने अपना नाम RESHMA KHATOON से बदलकर RESHMA BANO रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-KHATEEB AHMAD ADD-VILL/POST-ANWARI DIST-BARABANKI-225302 (U.P.)

सूचना
मैं **इन्द्र प्रकाश पुत्र बच्चाराम निवासी मोहल्ला–मीरानपुर, थाना–को0 अकबरपुर, तहसील–अकबरपुर, जनपद– अम्बेडकरनगर उ0प्र0 आधार नं0–5914 8342 5942**, मेरा पुत्र अभिषेक सोनी (आधार नं0–2235 4786 4943) मेरे कहने में नहीं है और मेरा घर छोड़कर कई दिनों से लापता है। अभिषेक सोनी द्वारा कोई भी नैतिक – अनैतिक कार्य किया जाता है तो उसकी सारी जिम्मेदारी स्वयं की होगी। मैं अपनी सम्पत्ति से अपने पुत्र अभिषेक सोनी को बेदखल करता हूँ और मेरी सम्पत्ति में अभिषेक सोनी का कोई अंश नहीं होगा।

सूचना
यह कि मेरा साजिशन वैवाहिक अनुबंध ग्राम बजरंगपुर मजरे बंडई तहसील लालगंज जिला रायबरेली की रिंकी पुत्री रमेश कुमार के साथ हुआ था। लेकिन रिंकी कभी भी उसके संपर्क में नहीं आई। अतएव मैने जरिये डाक से नोटिस भेज कर 15 दिन के अंदर रिंकी से उक्त संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। अन्यथा वैवाहिक संबंध विच्छेद माना जाएगा । मैं/**अंकित प्रसाद पुत्र रामचंद्र निवासी ग्राम बरभन खेड़ा खीरो तहसील लालगंज जिला रायबरेली।**

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैने अपने पुत्र अनुज व उनके साथ रह रही लिविंग रिलेशन में परवीता व दिव्या को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी प्रकार के क्रियाकलाप, लड़ाई झगड़ा, लेनदेन व मुकदमेबाजी से मेरा कोई सरोकार व वास्ता नहीं है। उनके द्वारा किए किसी कार्य के वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।– **रामजानकी पत्नी स्व, राजेश, निवासी ब्लाक नं.22. कमरा नं.255, काशीराम ईदगाह कालोनी, हाजीगंज, कन्नौज**

सूचना
सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथ कर्ता के पासपोर्ट में पूर्व नाम वीरेन्द्र पुत्र विश्राम पाल है जब कि शपथ कर्ता ने अब अपना नाम बदलकर वीरेन्द्र कुमार पुत्र विश्राम पाल रख लिया है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **वीरेन्द्र कुमार ग्राम बहादुरपुर थाना सरेनी जनपद रायबरेली**

सूचना
मै **रजनीश कुमार पाण्डेय पुत्र श्री प्रभु प्रकाश निवासी–ग्राम, पोस्ट व तहसील सवायजपुर जनपद हरदोई**, मेरे पुत्र का नाम विट्ठल पाण्डेय पुत्र रजनीश कुमार पाण्डेय है जिसकी जन्मतिथि 23.07.2019 है। अब मेरे पुत्र विट्ठल पाण्डेय पुत्र रजनीश कुमार पाण्डेय को 11 मार्च 2026 से अव्यांश पाण्डेय पुत्र श्री रजनीश कुमार पाण्डेय के नाम से जाना व पहचाना जायेगा।

सूचना
मैं अपने पुत्र शहजाद पुत्र जैनुल आब्दीन तथा बहू आयशा पत्नी शहजाद को गलत चाल चलन के कारण अपनी चल अचल संपत्ति व संबंधों से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनके द्वारा किए गए कृत्यों से मेरा कोई लेना–देना नहीं होगा। **तसब्बर जहां पत्नी जैनुल आब्दीन ग्राम सिसहना, मशमूले जानकी नगर,पोस्ट गोदहना,थाना गौरा चौराहा जनपद बलरामपुर**

सूचना
मैं **नफीसा पत्नी अबरार हसन निवासिनी–गढ़ी मोहल्ला, ग्राम व पोस्ट बिजनौर, जिला लखनऊ, उ0प्र0**, मेरा सही नाम नफीसा (NAFEESA) है। जबकि आधार कार्ड व पैन कार्ड बनवाते समय गलती से नफीसा (NAFEESA) के स्थान पर नफीसन (NAFISAN) अंकित हो गया है। जो कि गलत है। मैं अपना नाम नफीसन (NAFISAN) के स्थान पर नफीसा (NAFEESA) करवाना चाहती हूँ। जो कि सत्य व सही हैं। अतः मेरा नाम जहाँ–जहाँ पर नफीसन (NAFISAN) है उसके स्थान पर नफीसा (NAFEESA) पढ़ा व समझा जाएं।

न्यूज ब्रीफ

निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होगा चुनाव

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। युवा पत्रकार प्रेस क्लब शोहरतगढ़.के आगामी चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। चुनाव अधिकारी कमलेश मिश्रा एवं सरताज आलम ने कहा कि प्रेस क्लब का चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से सम्पन्न कराया जायेगा। इसके लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सकें। चुनाव अधिकारी सलमान हिन्दी एवं अब्दुल कुददुश ने सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि वे चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करें और आपसी भाईचारे व गरिमा को बनाए रखते हुए मतदान में भाग लें।

युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या से आक्रोश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना जोगिया उदयपुर क्षेत्र अंतर्गत नादेपार में एक व्यापारी युवक की हत्या को लेकर जिले के व्यापारियों में रोष व्याप्त है। घटना के विरोध में बुधवार को उप्र उद्योग व्यापार संगठन जिलाध्यक्ष अजय कसौधन के नेतृत्व में दर्जनों व्यापारियों व ग्रामीणों द्वारा जोगिया थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया गया। व्यापारियों द्वारा घटना में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी कर कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। बताते चलें कि मंगलवार शाम करीब 6 बजे एक युवक द्वारा नादेपार चौराहे निवासी 23 वर्षीय शिवम कसौधन पुत्र सब्लू की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। वह अपने घर से दुकान का सामान लेने आया था। इसी दौरान पड़ोस में आए प्रिंस वर्मा निवासी सोनबरसा थाना मिश्रौलिया ने उसके घर के सामने ही अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद आसपास के लोगों ने घायल शिवम को तुरंत चौराहे पर स्थित एक मेडिकल स्टोर पर पहुंचाया। वहां से जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

युवती का कई दिन पुराना शव मिला, नहीं हो सही शिनाख्त

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र में बुधवार को मैलानी नहर की पुलिया के नीचे युवती का अर्धनग्न शव मिला। पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

बुधवार दोपहर डायल 112 पर सूचना मिली कि मोहद्दीपुर ग्रामसभा के पास मैलानी नहर की पुलिया के नीचे युवती का शव पड़ा है। पुलिया के नीचे ह्यूम पाइप के पास करीब 30 वर्षीय युवती का शव पड़ा मिला। शव लगभग आठ से दस दिन पुराना बताया जा रहा है। सड़न अधिक होने के कारण शव फूल चुका था और सड़ने लगा था। पुलिस के अनुसार, युवती ने नीले रंग की जींस पहन रखी थी, जबकि शरीर के ऊपरी हिस्से पर कोई कपड़ा नहीं था। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अमित कुमार,कोतवाल जयप्रकाश दुबे, औद्योगिक चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र मिश्र तथा फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य एकत्र किए। ग्रामीणों ने युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जाहिर की है। वहीं एएसपी सुशील कुमार सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

40 साल पुराने मामले में रोडवेज का आरोपी कंडक्टर बरी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगभग 40 साल पुराने रोडवेज बस जांच एवं कथित मारपीट मामले में आरोपी बस कंडक्टर को सभी आरोपों से बरी करते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारी पर हमला या सरकारी कार्य में बाधा से जुड़े मामलों में दोषसिद्धि तभी संभव है, जब यह ठोस रूप से सिद्ध हो कि संबंधित कर्मचारी विधिक अधिकार और वैधानिक प्रक्रिया के तहत अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा था। केवल सरकारी पद पर होना ही पर्याप्त नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना (दशम) की एकल पीठ ने राजेंद्र

कुमार को बरी करते हुए पारित किया।

बता दें कि वर्ष 1981 में सहारनपुर से हरिद्वार जा रही यूपी रोडवेज बस की जांच के दौरान तीन ट्रैफिक निरीक्षकों और बस कंडक्टर के बीच विवाद हुआ। अभियोजन के अनुसार वे-बिल में यात्रियों की प्रविष्टि को लेकर विवाद शुरू हुआ और कंडक्टर ने निरीक्षकों-नाथूराम, अत्तर सिंह और बुधीमल के साथ मारपीट कर सरकारी कार्य में बाधा डाली। इस आधार पर आईपीसी की धाराओं 332 और 333 के तहत पुलिस स्टेशन रूडकी, सहारनपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया। ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 1986 में आरोपी को दोषसिद्ध ठहराया। कोर्ट ने साक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन करते हुए पाया कि अभियोजन यह सिद्ध करने में विफल रहा कि ट्रैफिक निरीक्षक बस की जांच के लिए विधिवत अधिकृत थे। न तो एफआईआर और न ही गवाहों के बयानों में यह उल्लेख था कि निरीक्षकों ने स्वयं को अधिकृत अधिकारी के रूप में परिचित कराया या जांच का उद्देश्य बताया था। ऐसे में कोर्ट ने माना कि सार्वजनिक परिवहन वाहन की जांच करते समय यह आवश्यक प्रक्रिया का हिस्सा है। कोर्ट ने गवाहों के बयानों में भी गंभीर विरोधाभास पाया। बस में चढ़ने के स्थान, यात्रियों की प्रविष्टि तथा घटनाक्रम को लेकर तीनों प्रमुख गवाहों के बयान एक-दूसरे से मेल नहीं खाते थे। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि किसी यात्री के बिना टिकट यात्रा करने का कोई ठोस प्रमाण नहीं दिया गया और विवाद केवल वे-बिल में प्रविष्टि को लेकर था, जबकि नियमों के अनुसार टिकट जारी करने का अधिकार कंडक्टर को प्राप्त है तो ऐसे में प्रविष्टि को लेकर हुआ विवाद निराधार सिद्ध होता है। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर मौजूद माफी-पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उससे यह संकेत मिलता है कि वे-बिल पर की गई टिप्पणी गलत थी और बस का संचालन सही ढंग से हो रहा था। को ने यह भी पाया कि ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का सही कानूनी दृष्टिकोण से मूल्यांकन नहीं किया और क्रॉस-केस से संबंधित स्थापित न्यायिक सिद्धांतों की अनदेखी की। अंत में कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि जब साक्ष्य अभियोजन के आरोपों को संदेह से परे सिद्ध नहीं करते, तब आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाना न्याय का मूल सिद्धांत है। इसी आधार पर वर्ष 1986 का दोषसिद्धि एवं सजा आदेश निरस्त करते हुए अपील स्वीकार कर ली गई और आरोपी को सभी आरोपों से पूर्णतः बरी कर दिया गया।

डीएम-एसपी ने गैस एजेंसियों का किया भ्रमण

जनता को निर्बाध आपूर्ति व सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन करने का दिया निर्देश

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। जनपद में गैस आपूर्ति की व्यवस्था को सुचारु एवं पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा जीण माता एचपी गैस ग्रामीण वितरण, कंदवा बाजार, का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा गैस एजेंसी में उपलब्ध व्यवस्थाओं, अभिलेखों तथा उपभोक्ताओं को दी जा रही सेवाओं का गहनता से अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने गैस सिलेंडरों के भंडारण स्थल का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैस एजेंसियों पर सुरक्षा नियमों का

गैस एजेंसी का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक।

कड़ाई से पालन किया जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता तथा उनकी कार्यशीलता की भी जांच की और निर्देश दिया कि सभी उपकरण हमेशा कार्यशील स्थिति में रखें जाएं। जिलाधिकारी ने एजेंसी में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, जैसे प्रतीक्षालय, पेयजल, शिकायत पंजी तथा वितरण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एजेंसी संचालक को निर्देशित करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को समय से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। यदि ऐसी शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

तेल, गैस के लिए आमजन को न हो परेशानी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद में गैस वितरण व्यवस्था को सुचारु एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्प जीएन द्वारा कैंप कार्यालय पर संबंधित तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के सेल्स ऑफिसर आकाश कुशवाहा, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधि एस.के. सोनी तथा भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी अभिषेक सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में आयोजित किए जाने वाले गैस उपभोक्ता जागरूकता कैंपों की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कैंप स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से कहा कि गैस एजेन्सियों पर भी लाउडस्पीकर लगवाकर उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग, गैस रिसाव की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों तथा योजनाओं से संबंधित जानकारी दे।

सड़क पार कर रही तीन वर्षीय बच्ची को ट्रक ने कुचला, मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

- घटना से परिवार में मचा रहा कोहराम

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मीरगंज गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को सड़क पार कर रही तीन वर्षीय मासूम को ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में बच्ची की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस ने जानकारी जुटाई, हालांकि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया।

मीरगंज गांव निवासी सदानंद की तीन वर्षीय बेटी सौम्या बुधवार की दोपहर करीब 3.30 बजे घर के सामने खेल रही थी। इसी दौरान वह सड़क पार करने लगी। तभी तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खलीलाबाद ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां अनीता देवी और दादी जगवानी देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया, जबकि पिता सदानंद सदमे में हैं। बताया जाता है कि सदानंद की दो बेटियां थीं। बड़ी बेटी सोनाक्षी है, जबकि सौम्या सबसे छोटी थी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन परिजनों ने बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया और शव को घर ले गए। परिजनों के अनुसार देर शाम बच्ची के शव को दफन कर दिया गया।

श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन में न हो असुविधा : प्रवीण

अयोध्या कार्यालय।

- बोले, एडीजी जोन, राष्ट्रपति के दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

अमृत विचार। मुख्यमंत्री के दौरे से एक दिन पूर्व बुधवार को एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी पर दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वह राम मंदिर परिसर में गए व राष्ट्रपति के आगमन को लेकर की गई तैयारियों को परखा। इसके बाद उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों व ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर किए गए इंतजामों की समीक्षा की। वह रात अयोध्या में ही प्रवास करेंगे, गुरुवार को मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा बैठक में भी मौजूद रहेंगे।

हनुमानगढ़ी परिसर का निरीक्षण करते एडीजी प्रवीण कुमार व एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर।

पत्रकारों से बात करते हुए एडीजी ने बताया कि रामनवमी अयोध्या का सबसे बड़ा व महत्वपूर्ण पर्व है। इसमें आसपास व दूर से कई लाख की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या आते हैं। इनकी सुरक्षा व सुगम यातायात के लिए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। आज यह परखा गया कि क्या-क्या इंतजाम हो चुके हैं व अभी क्या बाकी है। बताया कि राष्ट्रपति के दौरे को लेकर वीवीआईपी प्रोटोकाल के तहत सुरक्षा व अन्य इंतजाम किए जा रहे हैं। उनका दौरा चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन पड़ रहा है। इस दौरान श्रद्धालुओं को राम मंदिर समेत अन्य मठ मंदिरों में दर्शन पूजन में असुविधा न हो, इसका विशेष ख्याल रखने की योजना बनाई जा रही है। बताया कि अयोध्या में पूर्व से ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम हैं, उनकी भी समीक्षा की जा रही है। साथ ही सीसीटीवी व ड्रोन की संख्या बढ़ाने की भी तैयारी है।

वाराणसी होकर दिल्ली तक चलेगी नई ट्रेन

वाराणसी, अमृत विचार। रेल यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। जल्द ही एक नई ट्रेन शुरू होने जा रही है जो वाराणसी होकर दिल्ली तक जाएगी। इस ट्रेन का शुभारंभ 14 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से हरी झंडी दिखाकर करेंगे। नई ट्रेन वाराणसी जंक्शन से होकर गुजरेगी, जिससे पूर्वांचल के यात्रियों को दिल्ली जाने में काफी सुविधा मिलेगी। खासकर अयोध्या और लखनऊ होते हुए आनंद विहार तक यात्रा करने वाले लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

प्रतियोगिता में बेटियों ने दिखाया दम

कुशीनगर, अमृत विचारः खेल निदेशालय एवं जिला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जिला स्तरीय जूनियर आयु वर्ग वालीबाल, बैडमिण्टन, एथलेटिक्स, कुश्ती, कबड्डी, व बास्केटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के वालीबाल बालक वर्ग खेल में 06 टीम, बैडमिण्टन खेल में 04 बालक, एथलेटिक्स खेल में 118 बालक/बालिका, कुश्ती खेल में 53 बालक/बालिका, कबड्डी बालक वर्ग में 08 टीम, एवं बास्केटबाल बालक वर्ग में

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेतीं बालिकाएं। अमृत विचार

06 टीमों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन कृष्ण कुमार जिला उद्यान अधिकारी, कुशीनगर व सचिन कुमार जिला युवा अधिकारी, कुशीनगर, रवि कुमार निषाद क्रीड़ाधिकारी द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एथलेटिक्स खेल में 100 मी0 दौड़ को हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया गया। विजेता उपविजेता एवं निर्णायकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

रिश्वतखोरी में दरोगा पर उसी के थाने में मुकदमा दर्ज कराया

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचारः पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने चार्जशीट दाखिल करने के नाम पर रिश्वत मांगने वाले दरोगा आलोक कुमार सिंह के खिलाफ उसी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। तरया सुजान थाने में तैनात रहे दरोगा आलोक कुमार सिंह पर आरोप है कि उन्होंने मारपीट के एक मुकदमे में आरोपी पक्ष को फायदा पहुंचाने के लिए पैसों की मांग की। भगवानपुर निवासी दीपक गिरी ने दरोगा के साथ हुई बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

एसपी की सख्ती से हड़कंप

ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने तत्काल जांच के आदेश दिए। प्रारंभिक जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर दरोगा को तत्काल निलंबित कर दिया गया। जांच में भी आरोप सही पाए गए तो संबंधित थाने में दरोगा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। दरोगा आलोक कुमार सिंह पर उसी थाने मे मुकदमा दर्ज किए जाने की घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक की इस सख्त कार्रवाई को लोगों ने सराहा है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाएं सम्मानित

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर की उपस्थिति में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के परिप्रेक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को को रेलवे प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष मनीषा बोरवणकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उनके साथ महिला कल्याण संगठन की सदस्यायें उपस्थित थीं।

इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण सप्ताह के अन्तर्गत रेलवे अधिकारी क्लब, में आयोजित 'फूड विदाउट फायर' प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को महिला

कार्यक्रम का उद्घाटन व महिलाओं को पुरस्कृत करतीं मनीषा बोरवणकर।

कल्याण संगठन की अध्यक्ष मनीषा बोरवणकर ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 की अधिकारिक थीम 'गीव टू गेन' पर आधारित रहा। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के कलाकारों ने मनोहरी समूह नृत्य-गणेश वन्दना, एकल गीत, एकल नृत्य तथा समूह शास्त्रीय गीत प्रस्तुत किया। महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने कहा कि महिला रेलकर्मियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आमंत्रित महिला वक्ताओं ने बहुत सारी अच्छी बातें कीं। उन्होंने कहा कि लखनऊ निरीक्षण के दौरान महिला दिवस पर महिला रेलकर्मियों से कार्यस्थल को और अच्छा बनाने तथा रेल को और अच्छे ढंग से चलाने पर सार्थक चर्चा हुई। देश की महामहिम राष्ट्रपति महिला ही हैं, जो कि अपने परिश्रम से राष्ट्रपति बनी हैं। पूरे विश्व के लिये हमारे देश का यही संदेश है कि हमारे देश की राष्ट्रपति महिला हैं तथा हमारे देश में प्रत्येक दिवस महिला दिवस है। पूर्वोत्तर रेलवे पर महिलायें हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। हम मुख्यालय एवं मंडलों में कार्यस्थलों को महिलाओं के लिये और खुशनुमा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। चूँकि महिलायें हर क्षेत्रों में पुरूषों की तुलना में अच्छा कार्य कर ही हैं।

63.57 करोड़ से कपसेठी-बाबतपुर मार्ग होगा सिक्सलेन, मिलेगी राहत

वाराणसी, अमृत विचार। बाबतपुर एयरपोर्ट तक सिक्सलेन सड़क बनाने की तैयारी तेज हो गई है। राजातालाब से हरहुआ के बीच रिंग रोड पर बनने वाली इस सड़क से जाम की समस्या कम होगी और आसपास के चार जिलों के लोगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने में आसानी होगी। 63.57 करोड़ की लागत वाली परियोजना को शासन ने मंजूरी दे दी है। बाबतपुर एयरपोर्ट तक बेहतर कनेक्टिविटी के लिए सिक्सलेन सड़क बनाने की योजना को शासन से स्वीकृति मिल गई है। राजातालाब से हरहुआ के बीच रिंग रोड पर बनने वाली इस सड़क के लिए कुल 63 करोड़ 57 लाख 56 हजार रुपये की लागत मंजूर की गई है। परियोजना के तहत वर्ष 2025-26 में पहली किस्त के रूप में 6.30 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, सड़क निर्माण के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस मार्ग के बनने से वाराणसी के साथ-साथ प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र और भदोही जिले के यात्रियों को बाबतपुर एयरपोर्ट तक पहुंचने में सहूलियत होगी। वर्तमान में राजातालाब से हरहुआ के बीच रिंग रोड पर भारी वाहनों के चलते अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को हरहुआ चौराहे के पास आरओबी और अंडरपास के नीचे से गुजरना पड़ता है, जिससे कई बार लंबा जाम लग जाता है।

मौसम | मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मार्च महीने में इस तरह की स्थिति कम ही देखने को मिलती है

एक ही दिन में कोहरा, तेज धूप, उमस व ठंड का अहसास

संवाददाता, वाराणसी

अमृत विचार। जिले में इन दिनों मौसम का व्यवहार लोगों के लिए पहेली बन गया है। शहर में एक ही दिन के भीतर अलग-अलग मौसम का अनुभव हो रहा है। सुबह के समय धुंध और कोहरा दिखाई देता है, जबकि दोपहर में तेज और चुभने वाली धूप पड़ रही है। शाम के समय उमस बढ़ जाती है और रात होते-होते हल्की ठंडक महसूस होने लगती है। इस तरह एक ही दिन में तीन से चार अलग-अलग मौसम जैसे हालात बन रहे हैं, जिससे आम लोग और मौसम विशेषज्ञ दोनों हैरान हैं।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मार्च महीने में इस तरह की स्थिति कम ही देखने को मिलती है, लेकिन सही परिस्थितियां बनने पर ऐसा होना संभव है। इससे पहले साल 2008 में भी वाराणसी में कुछ इसी तरह का मौसम दर्ज किया गया था।

मंगलवार को वाराणसी में रात के तापमान ने पिछले पांच वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। न्यूनतम तापमान सामान्य से लगभग 9.3 डिग्री अधिक होकर 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान भी सामान्य से करीब 1.3 डिग्री ज्यादा 32.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले मार्च 2021 में इतनी गर्म रात दर्ज की गई थी। मंगलवार को वाराणसी का औसत AQI 104 दर्ज किया गया। शहर में सबसे अधिक प्रदूषण बीएचयू क्षेत्र में देखा गया, जहां AQI 143 तक पहुंच गया। इसके अलावा अर्दली बाजार में 124, मलदहिया में 81 और भेलूपुर में 68 AQI दर्ज किया गया।

पिछले चार दिनों में हवा की गुणवत्ता में गिरावट

पिछले तीन से चार दिनों के दौरान शहर के प्रदूषण स्तर में भी बढ़ोतरी देखी गई है। एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) बढ़कर 104 तक पहुंच गया है, जिससे वाराणसी की हवा लगभग 40 दिनों बाद येलो जोन में आ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वातावरण में वेंटिलेशन कम होने के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। वहीं हवा में नमी भी बढ़कर करीब 88 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

एंटी साइक्लोन जैसी स्थिति का असर

लखनऊ स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह के अनुसार, पछुआ हवाएं फिलहाल बंद हो गई हैं और वातावरण में वेंटिलेशन कम हो गया है। इसके कारण दिन की गर्मी रात में बाहर नहीं निकल पा रही और रात का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इसके अलावा निचले क्षोभमंडल में, लगभग 6 से 8 किलोमीटर की ऊंचाई पर, पूर्वी भारत के दक्षिणी झारखंड क्षेत्र के आसपास एंटी साइक्लोन जैसी स्थिति बनी हुई है। इस कारण मौसम साफ बना हुआ है और धूप तेज हो रही है, जबकि गर्म हवा नीचे की ओर आ रही है।

हवा में नमी बढ़ने से बन रही धुंध

विशेषज्ञों के मुताबिक हवा में नमी बढ़ने के कारण सुबह के समय धुंध भी दिखाई दे रही है। फिलहाल अगले चार से पांच दिनों तक प्रदेश में कोई बड़ा मौसम तंत्र सक्रिय नहीं रहने की संभावना है, इसलिए मौसम मुख्य रूप से शुष्क रह सकता है। हालांकि 15 मार्च के आसपास पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से पूर्वांचल के कुछ इलाकों में इस सीजन की पहली बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है।

एपीके फाइल के जरिए 8.38 लाख की ठगी का गिरोह पकड़ा, सरगना समेत दो गिरफ्तार

वाराणसी, अमृत विचार। वाराणसी की साइबर क्राइम पुलिस ने बैंक खातों से पैसे उड़ाने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के सरगना समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को पश्चिम बंगाल के अंडाल रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से छह आईफोन, नौ एंड्रॉयड मोबाइल फोन और करीब 1.52 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

मामला 5 जनवरी 2026 का है, जब रामनगर क्षेत्र के मछरहट्टा निवासी अनूप गुप्ता ने साइबर क्राइम थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधियों ने उनके बैंक खाते से 8,38,402 रुपये की ठगी कर ली। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने आईटी एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान साइबर क्राइम टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई। इसके बाद कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल के अंडाल रेलवे स्टेशन से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नागेश्वर मंडल (30) और अक्षय मंडल उर्फ पिंटू (24) के रूप में हुई है। दोनों फिलहाल पश्चिम बंगाल के पश्चिमी बर्धमान जिले के अंडाल क्षेत्र में रह रहे थे, जबकि उनका मूल निवास झारखंड के जामताड़ा जिले में बताया गया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी लोगों को बैंक या आरटीओ चालान भुगतान से जुड़े फर्जी डिजिटल पोस्टर और मैसेज भेजते थे। इन संदेशों के साथ एक कूटरचित एपीके फाइल भी होती थी। जैसे ही कोई व्यक्ति उस फाइल को अपने मोबाइल में इंस्टॉल करता था, ठगों को उसके फोन का एक्सेस मिल जाता था और मोबाइल पर आने वाले एसएमएस भी उनके पास पहुंचने लगते थे। इसके बाद आरोपी एसएमएस बॉम्बर के जरिए बड़ी संख्या में मैसेज भेजकर भ्रम की स्थिति पैदा करते थे।

ब्रीफ न्यूज

जयशंकर और लावरोव ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

मॉस्को। भारत और रूस के विदेश मंत्रियों, क्रमशः एस. जयशंकर एवं सर्गेई लावरोव ने बुधवार को टेलीफोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। रूस के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों मंत्रियों ने ईरान को लेकर स्थिति पर अपने विचार साझा किए और इसे शीघ्र ही स्थिति सामान्य होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्थिति को शांत करने और सभी पक्षों के वैध हितों के संतुलन पर आधारित स्थायी समाधान प्राप्त करने की परिस्थितियों के निर्माण में एससीओ और ब्रिक्स की भूमिका का समर्थन करने पर भी जोर दिया।

उत्तर के बाद अब प.राज्यों के कई इलाकों में उष्ण लहर शुरू

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहा जबकि गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों तथा महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के कुछ इलाकों में उष्ण लहर से लेकर भीषण उष्ण लहर तक की स्थिति बनी रही। आईएमडी ने कहा कि हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के अधिकतर स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक) दर्ज किया गया। उसने बताया कि पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान, पंजाब के कई स्थानों, पूर्वी
और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी एवं पश्चिमी मध्य प्रदेश, गोवा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भी अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया गया।

टेलीग्राम को 3,100 से अधिक चैनल निष्क्रिय करने के निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को त्वरित संदेश मंच टेलीग्राम को कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करने वाले 3,100 से अधिक चैनल को तीन घंटे के भीतर निष्क्रिय करने का निर्देश दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह पाया था कि इन चैनल पर कुछ सामग्री मालिकों, ओटीटी मंचों और निर्माताओं के स्वामित्व वाले या उनके लाइसेंस-प्राप्त कार्यक्रमों को बिना कानूनी अनुमति के साझा और वितरित की जा रही थीं।

ईरान के क्लस्टर बम... न तो सह पा रहा इजराइल, न कुछ कर पा रहा

लगातार हमले हवाई सुरक्षा के लिए बने चुनौती

तेल अवीव, एजेंसी

पिछले 10 दिनों से जारी युद्ध के दौरान इजराइल के खिलाफ ईरान ने क्लस्टर बमों का भरपूर इस्तेमाल किया है और इन हमलों ने इजराइल की हवाई सुरक्षा के लिए एक जटिल और घातक चुनौती खड़ी कर दी है। इजराइल इस युद्ध में ईरान के हमलों से हो रहे नुकसान की जानकारी तो साझा नहीं कर रहा लेकिन उसने स्वीकार किया है कि ईरान के क्लस्टर उसकी हवाई रक्षा प्रणाली रोक नहीं पा रही है।

इजराइल ने कहा है कि ईरान ने युद्ध के दौरान क्लस्टर बम का लगातार इस्तेमाल किया है। क्लस्टर बम ऊंचाई पर फट जाता है और इससे कई छोटे-छोटे बम (बॉम्बलेट) निकल कर बड़े हिस्से में फैल जाते हैं। ये छोटे बम रात के समय नारंगी रंग के आग के गोले जैसे दिखाई देते हैं और इन्हें हवा में रोकना या इसका पता लगा पाना काफी मुश्किल होता है। ये क्लस्टर बम घातक साबित हुए हैं। इजराइल ने अब तक ईरान के हमलों से हुए नुकसान की जानकारी सार्वजनिक नहीं की है लेकिन इजराइली अधिकारियों ने हाल में जनता को इन हथियारों के खतरों के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया है। ये बम जमीन पर बिना फटे भी पड़े रह सकते हैं और बाद में कभी भी फट सकते हैं। मंगलवार को मध्य इजरायल में एक निर्माण स्थल पर दो लोगों सहित कम से कम तीन लोग मारे गए।

इजराइल के रामत गन शहर में ईरानी हमलों के डर से बंकर में शरण लिए हुए लोग।

क्लस्टर बम इस्तेमाल न करने का 120 देशों में है समझौता, पर ईरान, इजराइल, अमेरिका शामिल नहीं

क्लस्टर बम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है और 120 से अधिक देशों ने इसका इस्तेमाल नहीं करने संबंधी एक अंतरराष्ट्रीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं लेकिन इजराइल, अमेरिका और ईरान ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इस हथियार का इस्तेमाल पूर्व में भी संघर्षों के दौरान होता रहा है। खुद इजराइल भी क्लस्टर बम का इस्तेमाल करता रहा है। इसमें 2006 में ईरान समर्थित लेबनानी चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला के खिलाफ इजराइल की लड़ाई भी शामिल है।

इजराइल की आयरन डोम प्रणाली नहीं रोक पा रही क्लस्टर बम हमले

इजराइल के एक सैन्य अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर मंगलवार को बताया कि ईरान से इजराइल की ओर दागे जा रहे लगभग आधे बम क्लस्टर बम थे। इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान में एक वरिष्ठ शोधकर्ता येहोशुआ कालिस्की ने कहा कि इजराइल की हवाई रक्षा प्रणाली 'आयरन डोम' कम दूरी और कम ऊंचाई से दागे गए छोटे रॉकेट को रोकने के लिए बनाई गई है लेकिन इनमें क्लस्टर बम को रोकने की क्षमता नहीं है क्योंकि ये दागे जाने के बाद दर्जनों छोटे बम छोड़ते हैं और बड़े इलाके में फैल जाते हैं।

ईरान के मिसाइल बनाने वाले बड़े कारखाने पर किया हमला

वॉशिंगटन। अमेरिकी मध्य कमान के लेफ्टिनेंट जनरल ब्रैड कूपर ने कहा है कि अमेरिका ने मंगलवार को ईरान में बैलिस्टिक मिसाइल बनाने वाले एक बड़े कारखाने पर हमला किया है। कूपर ने कहा, हम ईरान की मिसाइलों और ड्रोन को निशाना बनाने के साथ उसके रक्षा उद्योगों पर हमला करके उनकी सैन्य ताकत को खत्म कर रहे हैं। कल रात हमारे बमवर्षक विमानों ने मिसाइल बनाने वाले एक बहुत बड़े कारखाने को तबाह कर दिया। उन्होंने कहा, हमारा मकसद सिर्फ उन खतरों को रोकना नहीं है, जो हम पर हमले कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के खतरों को भी जड़ से मिटाना है। कूपर ने बताया कि ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका ने उसके 5,500 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया है, जिनमें 60 से अधिक समुद्री जहाज भी शामिल हैं।

अमेरिकी सेना का दावा, बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाज नष्ट किए

दुबई। अमेरिका ने कहा है कि उसने बारूदी सुरंग बिछाने वाले ईरान के 16 जहाज नष्ट किए हैं, वहीं ईरान ने क्षेत्र के तेल निर्यात को रोकने का प्रण दोहराते हुए फिर कहा कि वह अपने दुश्मनों को एक लीटर तेल भी भेजने की अनुमति नहीं देगा।

युद्ध से होर्मुज जलडमरूमध्य पर पड़ने वाले असर को लेकर बढ़ती चिंता के बीच अमेरिकी सेना ने बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाजों को नष्ट करने का दावा करते हुए कुछ वीडियो भी जारी किए। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की ओर से विस्फोटक लगाए जाने की कोई सूचना नहीं है। इसी जलमार्ग के जरिए दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की ढुलाई होती है। वहीं, ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि वह अगले आदेश तक इस क्षेत्र से शत्रु पक्ष और उसके सहयोगियों को एक लीटर तेल का निर्यात भी नहीं होने देगा। अधिकारियों के अनुसार ईरान में अब तक 1,230 लोगों की जान जा चुकी है।

बमबारी के साथ दोनों पक्षों में बयानबाजी भी तेज

ईरान और इजराइल-अमेरिका संघर्ष के 11वें दिन में प्रवेश करने के साथ ही दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी तेज कर दी है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी सबसे भीषण हमलों का संकल्प दोहराया है। उधर, ईरान के नेताओं ने बातचीत की संभावनाओं से इन्कार कर दिया और ट्रंप को चेतावनी देते हुए इजराइल तथा खाड़ी के अरब देशों पर नए हमले शुरू कर दिए। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि प्रिंस सुल्तान एयर बेस समेत उसके कई ठिकानों की ओर दागी गई मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया गया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में इजराइल के कई हमलों में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें रेड क्रॉस का एक सदस्य भी शामिल है।

तेल संकट टालने को 40 करोड़ बैरल तेल जारी करेगा आईईए

पेरिस, एजेंसी

- पहली बार रिजर्व भंडार से इतने बड़े पैमाने पर होगा आवंटन

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ऊर्जा बाजारों पर पड़ रहे गंभीर प्रभाव को कम करने के लिए बुधवार को अपने इतिहास का सबसे बड़ा आपातकालीन तेल भंडार जारी करने पर सहमति व्यक्त की है। पेरिस स्थित इस संगठन ने घोषणा की है कि वह अपने सदस्य देशों के सुरक्षित भंडार से 40 करोड़ बैरल तेल बाजार में उपलब्ध कराएगा। यह मात्रा 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान जारी किए गए 18.27 करोड़ बैरल के पिछले रिकॉर्ड से दोगुनी से भी अधिक है।

आईईए के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल ने कहा कि ईरान द्वारा ''होर्मुज जलडमरूमध्य'' को बाधित करने और रिफाइनरियों पर हमलों के कारण जेट ईंधन और डीजल की आपूर्ति पर बड़ा संकट पैदा हो गया है। जी7 देशों के नेताओं ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऊर्जा संकट की समीक्षा की। इस वार्ता में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित समूह के अन्य सदस्य देशों के नेताओं ने वैश्विक तेल आपूर्ति को स्थिर करने पर विचार-विमर्श किया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आईईए के इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि अकेले जी7 देश इस कुल भंडार का 70 प्रतिशत हिस्सा दे रहे हैं, जो होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले 20 दिन के निर्यात के बराबर है। जर्मनी और ऑस्ट्रिया ने न केवल तेल जारी करने का फैसला किया है, बल्कि उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कड़े कदम भी उठाए हैं।

अटकलबाजी थमी, ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सुरक्षित होने की घोषणा

तेहरान। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर जारी अटकलों के बीच राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के पुत्र यूसुफ पेजेशकियन ने बुधवार को पुष्टि की कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ हैं। पेजेशकियन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट में बताया कि कुछ मित्रों, जिनके उच्च स्तर पर संपर्क हैं, उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया है कि सर्वोच्च नेता स्वस्थ्य एवं सुरक्षित हैं उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इससे पहले कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि पिछले दिनों ईरान पर हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमलों में मोजतबा खामेनेई घायल हो गए थे। नियुक्ति के 48 घंटों बाद भी उनके सार्वजनिक रूप से सामने न आने के कारण इन अफवाहों को और बल मिला था।

- राष्ट्रपति के पुत्र ने चोटिल होने की खबरों का किया खंडन

अमेरिकी-इजराइली हमलों में 1,300 की मौत, 9,669 नागरिक ठिकाने नष्ट

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत और स्थाई प्रतिनिधि अमीर सईद इरावानी ने कहा कि 28 फरवरी से अमेरिका-इजराइल के सैन्य हमलों में ईरान में 1,300 से अधिक नागरिक मारे गए हैं और 9,669 नागरिक ठिकाने नष्ट हो गए हैं। इरावानी ने मंगलवार को प्रेस को दिए एक बयान में बताया कि नष्ट किए गए नागरिक ठिकानों में 7,943 आवासीय घर, 1,617 वाणिज्यिक और सेवा केंद्र, 32 चिकित्सा सुविधाएं, 65 स्कूल और शैक्षणिक संस्थान, रेड क्रिसेंट की 13 इमारतें और कई ऊर्जा आपूर्ति सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका-इजराइल जानबूझकर और अंधाधुंध तरीके से ईरान के नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। वे अंतरराष्ट्रीय कानून का कोई सम्मान नहीं कर रहे हैं और इन अपराधों को करने में कोई संयम नहीं दिखा रहे हैं।

ईरान पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन : मेलोनी

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा है कि ईरान पर अमेरिकी इजराइली हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। मेलोनी ने बुधवार को इटली की सीनेट में दिए भाषण में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय संकट के बारे में कहा, इसमें खतरे लगातार डरावने होते जा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे से बाहर एकतरफा दखल बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी शासन के खिलाफ अमेरिकी और इजराइली दखल को उस बड़े संकट का हिस्सा समझा जाना चाहिए।

शहबाज शरीफ ने पेजेश्कियान से बात की, कहा- पाकिस्तान ईरान के साथ

कुटिल पाकिस्तान की दोहरी चाल

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका-इजराइल के हमलों और क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की है। शहबाज शरीफ ने इस बातचीत में अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई की निंदा करते हुए ईरान की सरकार और जनता के साथ एकजुटता व्यक्त की।

ईरान के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार टेलीफोन वार्ता के दौरान पेजेश्कियान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ विवाद सुलझाने के लिए गंभीरता से वार्ता शुरू की थी लेकिन बातचीत के दौरान ही उस पर अमेरिका-इजराइल का हमला हुआ। उन्होंने कहा कि ईरान क्षेत्र के देशों के साथ संघर्ष नहीं चाहता और केवल उन ठिकानों को निशाना बनाएगा जहां से उसके खिलाफ हमले किए जाते हैं, जिसे उन्होंने आत्मरक्षा का वैध अधिकार बताया है।

पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी ने किया सऊदी अरब की मदद करने का वादा

इस्लामाबाद। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच प्रधानमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां कहा कि पाकिस्तान सऊदी अरब की मदद के लिए तैयार है। 'डॉन डॉट कॉम' के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने एक निजी टेलीविजन चैनल को दिए साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की।

जैदी से पूछा गया था कि पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध के बीच पाकिस्तान क्या सऊदी अरब की सैन्य या किसी और प्रकार से सहायता करेगा। जवाब में उन्होंने कहा, पारस्परिक रक्षा समझौते से पहले ही दोनों देश एक-दूसरे की मदद करने के सिद्धांत पर चलते आए हैं। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम मदद करेंगे। असली सवाल यह है कि पाकिस्तान यह तय करने के लिए क्या कर रहा है कि स्थिति उस हद तक नहीं बिगड़े जहां उसके किसी करीबी सहयोगी को ऐसे संघर्ष में उलझना पड़े।

मेघालय : हिंसा के बाद गारो हिल्स के चुनाव टले, कर्फ्यू

शिलांग, एजेंसी

- सरकार ने तनाव के कारण पांच जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवा निलंबित की

मेघालय सरकार ने ताजा हिंसा में दो लोगों की मौत के मद्देनजर गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएसीडी) के 10 अप्रैल को होने वाले चुनावों को स्थगित करने के साथ बुधवार को पांच जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं। पश्चिम गारो हिल्स और पूर्वी गारो हिल्स जिलों में कर्फ्यू भी लगा दिया गया है।

यह घटनाक्रम मेघालय उच्च न्यायालय द्वारा जीएचएसीडी चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने के संबंध में अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र को अनिवार्य बनाने वाली अधिसूचना को रद्द करने के एक दिन बाद हुआ। इस अधिसूचना का उद्देश्य जीएचएसीडी चुनावों में गैर-जनजातियों को भाग लेने से रोकना था जो पिछले सात दशकों से जारी प्रथा से अलग था। मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने एक वीडियो संदेश जारी कर जीएचएडीसी चुनाव स्थगित करने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गारो हिल्स जिले में कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने और लोगों को हो रही कठिनाइयों को समझने के बाद यह निर्णय लिया गया।

कतर से 500 से अधिक भारतीयों को निकाला गया

दोहा। भारतीय दूतावास ने बुधवार को बताया कि कतर में फंसे 500 से अधिक भारतीयों को नयी दिल्ली और अन्य स्थानों पर पहुंचाया गया है। दूतावास ने पश्चिम एशियाई देश में अब भी फंसे लोगों को किसी भी अज्ञात वस्तु, मलबे या टुकड़ों के पास जाने के खिलाफ चेतावनी दी है। कतर स्थित भारतीय दूतावास ने ''एक्स'' पर एक परामर्श में कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कतर एयरवेज गुरुवार को भारत के लिए दो उड़ानें संचालित करने वाली है। दूतावास ने कहा, कतर में फंसे 500 से अधिक भारतीय 11 मार्च को कतर एयरवेज की उड़ानों से लाया गया।

भारतीय कंपनियों पर नकदी दबाव संभव: फिच

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने कहा है कि यदि ईरान से जुड़ा तनाव लंबे समय तक बना रहता है और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आवागमन बाधित रहता है या कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत की सरकारी तेल विपणन कंपनियों और गैस कंपनी गेल इंडिया के नकदी प्रवाह पर दबाव बढ़ सकता है।

रेटिंग एजेंसी फिच ने एक रिपोर्ट में कहा कि अल्पावधि में इन कंपनियों के वित्तीय संकेतक कमजोर हो सकते हैं, लेकिन सरकारी समर्थन के कारण उनकी रेटिंग पर तत्काल कोई खतरा नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिच ने जिन तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की रेटिंग की है, उनमें भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के पास सबसे मजबूत बहीखाता है और वह लंबे समय तक आपूर्ति बाधित होने या कच्चे तेल की लागत बढ़ने की स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल सकती है।

मुख्यमंत्री से मिले नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव ने बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। इस दौरान लोहम कंपनी के सीईओ रजत वर्मा और कंपनी के चीफ ऑफ स्टाफ आयुष सबात भी मौजूद रहे। बैठक में उत्तर प्रदेश को एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

अतिथियों ने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार हो रहे सकारात्मक औद्योगिक वातावरण की सराहना की। बैठक में लोहम कंपनी द्वारा प्रदेश में भारत की

पहली 'रेयर अर्थ टू मैग्नेट' इंटीग्रेटेड फैसिलिटी स्थापित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। यह भी चर्चा हुई कि उन्नत मटेरियल साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन को जोड़कर प्रदेश को एक नए तकनीकी केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। लोहम और नोवोसेलोव के सहयोग का मुख्य फोकस दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर है। पहला, टू-डी मटेरियल (जैसे ग्रैफीन) का उपयोग कर अगली पीढ़ी की लिथियम-आयन बैटरियों की क्षमता, सुरक्षा और आयु बढ़ाना।

कौन हैं नोवोसेलोव

- विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता
- ग्रैफीन की खोज के लिए मिला नोबेल पुरस्कार
- उन्नत मटेरियल साइंस और नैनो टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञ
- वर्तमान में लोहम कंपनी के साथ स्ट्रैटेजिक एडवाइजर

पहली बार नेता प्रतिपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- राहुल गांधी ने लगाया आरोप, कहा- भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि सदन में उन्हें बोलने से कई बार रोका गया है और देश के इतिहास में पहली बार विपक्ष के नेता को सदन में बोलने नहीं दिया गया।

सदन में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए रविशंकर प्रसाद ने संसदीय प्रणाली पर ''कॉल एंड शकधर'' की एक किताब को उद्धृत करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को राष्ट्रहित के मुद्दों पर बोलते समय ध्यानपूर्वक शब्दों का चयन करना चाहिए और विदेशी धरती पर दलीय राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को यह किताब पढ़ लेनी चाहिए। इस पर कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा किया और आसन के समीप आ गए। वह नेता प्रतिपक्ष को बोलने की अनुमति देने की मांग कर रहे थे। आसन से अनुमति मिलने पर राहुल गांधी ने कहा, कई बार मुझे यहां बोलने से रोका गया है। भारत के इतिहास में पहली बार नेता विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया गया।

उन्होंने यह भी कहा, यह सदन देश की जनता की अभिव्यक्ति के लिए है। यह एक पार्टी का नहीं है, यह पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। हम जब भी बोलने के लिए खड़े होते हैं तो हमें रोका जाता है। गौरतलब है कि राहुल गांधी को बजट सत्र के पिछले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए एक पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण को उद्धृत करने की अनुमति नहीं दी गई थी और बार-बार इस विषय को उठाने पर उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई। राहुल गांधी ने बुधवार को यह भी कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने समझौता कर लिया है। सब यह जानते हैं।

कुंभ मेले में वायरल मोनालिसा ने मुस्लिम प्रेमी के साथ की शादी

तिरुवनंतपुरम। प्रयागराज में लगे कुंभ मेले से दुनियाभर में वायरल हुई मोनालिसा भोंसले ने अपने मुस्लिम प्रेमी के साथ पुवर स्थित मंदिर में शादी कर ली। इससे कुछ घंटे पहले मोनालिसा ने अपने परिवार पर शादी का विरोध करते हुए पुलिस से सुरक्षा मांगी थी।

इंदौर की रहने वाली मोनालिसा अपनी मोहक मुस्कान और सुंदर आंखों के कारण प्रसिद्ध हुई थी, जब पिछले साल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने कुंभ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचने का उसका वीडियो साझा किया था। उसकी शादी समारोह नैनार मंदिर में हुआ, जिसमें केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी, सत्ताधारी माकपा के प्रदेश सचिव एमवी गोविंदन एवं राज्यसभा सांसद एए रहीम और पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही। मोनालिसा ने लाल साड़ी पहनी थी और सिंदूर लगा रखा था, जबकि दूल्हे ने सफेद शर्ट और मुंडू (धोती) पहना था। लड़का महाराष्ट्र में अभिनेता के तौर पर काम करता है।

गोलीबारी में फारुक अब्दुल्ला बाल-बाल बचे

जम्मू, एजेंसी। जम्मू में बुधवार रात एक शादी समारोह में बंदूकधारी के हमले में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी बाल-बाल बच गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब अब्दुल्ला, उपमुख्यमंत्री चौधरी और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी शहर के बाहरी इलाके में स्थित ग्रेटर कैलाश क्षेत्र के समारोह स्थल से निकल रहे थे। आरोपी की पहचान कमल सिंह जामवाल के रूप में हुई है, जो पुरानी मंडी का निवासी है। वह पिस्तौल लेकर अब्दुल्ला के पीछे पहुंचा और गोली चला दी। जम्मू कश्मीर पुलिस के सुरक्षा शाखा के दो अधिकारियों—एक निरीक्षक और एक उप निरीक्षक ने उसे काबू कर लिया।

बालिका सुधार गृह में वार्डन से मारपीट कर भागीं तीन लड़कियां

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना स्थित एक बालिका सुधार गृह में तीन लड़कियां वार्डन से मारपीट करने और फिर चाबी छीनने के बाद फरार हो गईं। पुलिस ने लड़कियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि घटना जिला मुख्यालय के बड़ोखर स्थित बालिका सुधार गृह शक्ति सदन में मंगलवार रात हुई। पुलिस के अनुसार मंगलवार रात सुधार गृह की महिला वार्डन रामस्नेही सोलंकी अपने कक्ष में सो रही थीं, तभी तीनों लड़कियों ने एक साथ उन पर हमला कर दिया।

विवाद | ब्रिटिश सरकार की ओर से जारी दस्तावेजों से खुलासे के बाद बढ़ी स्टार्मर की मुश्किल

मैंडलसन की नियुक्ति से पहले दी गई थी चेतावनी

लंदन, एजेंसी

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री को किया गया था बदनामी के जोखिम से आगाह

ब्रिटिश सरकार की ओर से बुधवार को जारी किए गए दस्तावेजों से पता चला है कि अधिकारियों का मानना था कि यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन के साथ पीटर मैंडलसन के संबंधों के कारण उन्हें अमेरिकी राजदूत के रूप में नियुक्त करने से बदनामी का जोखिम था। मैंडलसन को इस पद पर नियुक्त किए जाने से पहले ये चिंताएं दिसंबर 2024 में प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर को भेजे गए एक दस्तावेज में उठाई गई थीं।

मैंडलसन की नियुक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

इन दस्तावेज में लेबर पार्टी की पूर्व सरकार के दौरान मैंडलसन के वित्तीय मामलों से संबंधित कार्यों, जिनमें बड़े दानदाताओं से संबंधित मामले और उनके द्वारा सह-स्थापित पैरोकारी फर्म ''ग्लोबल काउंसिल'' में उनके काम से जुड़े अन्य प्रतिष्ठा संबंधी मुद्दों का भी उल्लेख किया गया है। सांसदों ने प्रधानमंत्री स्टार्मर की सरकार को ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में मैंडलसन को महत्वपूर्ण राजनयिक पद पर नियुक्त करने के फैसले से संबंधित हजारों फाइलें सार्वजनिक करने के लिए दबाव बनाया है, जबकि मैंडलसन की अतीत में यौन अपराधी एप्स्टीन के साथ मित्रता रही है। अधिकारियों ने बुधवार को सरकारी वेबसाइट पर इस मामले से संबंधित 100 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेज प्रकाशित किए। नए खुलासे से स्टार्मर की मुश्किल बढ़ गई है।

मोदी को अमेरिका से मिला आत्मसमर्पण का प्रमाणपत्र : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारत को रूस से तेल की खरीदने की अस्थाई रूप से अनुमति दिए जाने संबंधी अमेरिका के ताजा बयान को लेकर बुधवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए आत्मसमर्पण का प्रमाणपत्र है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका ने ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत को समुद्र में पोत पर पहले से मौजूद रूसी तेल स्वीकार करने की अनुमति अस्थाई रूप से दी है।

अमृत विचार
गुरुवार, 12 मार्च 2026

लोगों से मुलाकातें ही जीवन को जीने लायक बनाती हैं।
–गाइ दे मोपासां, फ्रेंच लेखक

सामाजिक सहमति जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने 1937 के शरिया कानून के प्रावधानों को मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे निरस्त करने के अनुरोध वाली याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब 'समान नागरिक संहिता' लागू करने का समय आ गया है। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी वास्तव में अत्यधिक समीचीन है कि सभी धर्मों की महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए अब एक समान कानून की जरूरत विधायिका यानी सरकार को महसूस होनी ही चाहिए।

देश में विवाह, तलाक, गोद लेना, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे व्यक्तिगत मामलों में विभिन्न धार्मिक समुदायों के अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू होते हैं। यही विविधता समय-समय पर न्यायिक और सामाजिक विवादों का कारण बनती रही है। साफ सी बात है कि पर्सनल लॉ में लैंगिक असमानता बनी रहती है, तो उसका स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता ही हो सकती है। जब समान नागरिक संहिता का विचार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में निहित है और जो राज्य को यह प्रयास करने का निर्देश देता है कि पूरे देश में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू हों, तब इसे बनाने और लागू करने में क्या हर्ज है, गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लागू हो चुके कानून को देशव्यापी बनाने में क्या कोई राजनीतिक रोड़ा है? यूसीसी से कानून के समक्ष समानता और लैंगिक न्याय को मजबूती मिलेगी। अलग-अलग धार्मिक कानूनों के कारण विवाह, तलाक और संपत्ति अधिकारों में महिलाओं के साथ असमान व्यवहार की शिकायतें दूर हो जाएंगी। एक समान नागरिक कानून विभिन्न धर्मों के बीच कई असमानताओं को समाप्त कर नागरिकता की समान अवधारणा को मजबूत कर सकता है। इसके अतिरिक्त इससे राष्ट्रीय एकता और धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था को भी बल मिलेगा, हालांकि इस कानून के निर्माण में इसका ध्यान रखना पड़ेगा कि देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता अत्यंत व्यापक है और अनेक समुदाय अपने व्यक्तिगत कानूनों को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानते हैं। ऐसे में एक समान कानून लागू करने को कुछ लोग धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप के रूप में देख सकते हैं। यदि विधायिका ने इसे ध्यान में रखे बिना कानून बनाया और लागू करने की प्रक्रिया में सामाजिक संवाद और सहमति को शामिल नहीं किया तो इससे सामाजिक तनाव भी पैदा हो सकता है। आखिर संविधान निर्माताओं ने यूसीसी को मौलिक अधिकारों के बजाय नीति निर्देशक तत्वों में इसीलिए रखा था, ताकि इसे समय और सामाजिक परिपक्वता के अनुसार लागू किया जा सके। आजादी के बाद से इस विषय पर अनेक आयोग, बहसें और न्यायिक टिप्पणियां हुईं, किंतु अभी तक दो राज्यों के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर इसे लागू नहीं किया जा सका है। कई नजरिये से यह स्पष्ट है कि समान नागरिक संहिता केवल कानूनी सुधार का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सहमति का भी विषय है।

यदि इसका उद्देश्य वास्तव में लैंगिक न्याय, समानता और आधुनिक नागरिकता की भावना को मजबूत करना है, तो इसे जल्दबाजी के बजाय व्यापक संवाद, संवेदनशीलता और चरणबद्ध सुधारों के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

प्रसंगवश

पीढ़ियों का स्वभाव संसाधन व संस्कृति

'बेबी बूमर्स', 'मिलेनियल्स', 'जेन ज़ी' और अब 'जेन अल्फा', मीडिया, विज्ञापन उद्योग, शोध संस्थानों और सोशल मीडिया की भाषा में ये शब्द अब आम हो चुके हैं। इनके आधार पर पूरी पीढ़ियों के स्वभाव, आदतों और मानसिकता का विश्लेषण किया जाता है, मानो किसी विशेष वर्ष के बाद जन्म लेने वाले लोग अचानक अलग किस्म की मानसिकता के इंसान बन जाते हों, लेकिन इस प्रवृत्ति को थोड़ा ठहरकर देखा जाए तो एक बुनियादी प्रश्न सामने आता है- क्या किसी पीढ़ी का स्वभाव उसके नाम से तय होता है, या उन परिस्थितियों से जिनमें वह पली-बढ़ी होती है?

असल में 'बेबी बूमर', 'मिलेनियल' या 'जेन ज़ी' जैसे नाम समाज शास्त्रीय वर्गीकरण भर हैं। ये अध्ययन को आसान बनाते हैं, पर जीवन और समाज की जटिलताओं को पूरी तरह नहीं पकड़ पाते। किसी भी पीढ़ी को समझने के लिए यह जानना अधिक महत्वपूर्ण है कि वह किन सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भों में बड़ी हुई, क्योंकि वही संदर्भ उसके मानस और व्यवहार का असली खाका तैयार करते हैं।

डॉ. शिवम् भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

मनुष्य का व्यक्तित्व कई तत्वों से निर्मित होता है। संसाधनों की उपलब्धता, परिवार की संरचना, शिक्षा का स्वरूप, सांस्कृतिक मूल्य और समय की तकनीकी परिस्थितियां। यही तत्व मिलकर तय करते हैं कि कोई पीढ़ी दुनिया को कैसे देखेगी और समाज के प्रति उसका व्यवहार कैसा होगा। यदि किसी समाज में संसाधन सीमित हों, तो वहां पली-बढ़ी पीढ़ी स्वाभाविक रूप से मितव्ययिता, धैर्य और प्रतीक्षा का अभ्यास सीखती है। इसके विपरीत, जहां अवसर और सुविधाएं अधिक हों, वहां की पीढ़ी अपेक्षाकृत अधिक आत्मविश्वासी और प्रयोगधर्मी होती है। यह अंतर पीढ़ी के नाम से नहीं, बल्कि उसके परिवेश से पैदा होता है।

परिवार की संरचना भी इस प्रक्रिया को गहराई से प्रभावित करती है। संयुक्त परिवारों में बच्चे विभिन्न आयु, अनुभव और स्वभाव वाले लोगों के बीच बड़े होते हैं, जहां संवाद, धैर्य, साझा जिम्मेदारी और सामूहिकता स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। छोटे या एकल परिवारों में बच्चों का अनुभव अपेक्षाकृत सीमित दायरे में आकार लेता है; यहां स्वतंत्र निर्णय क्षमता जल्दी विकसित होती है, लेकिन सामाजिक बातचीत का व्यावहारिक प्रशिक्षण उतना व्यापक नहीं हो पाता। दोनों स्थितियां अलग-अलग जीवन दृष्टि और सामाजिक व्यवहार को जन्म देती हैं।

तकनीक ने भी हर पीढ़ी के अनुभव को बदल दिया है। रेडियो के दौर में दुनिया की जानकारी सीमित माध्यमों से मिलती थी। टेलीविजन ने दुनिया को घर के भीतर ला दिया। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने सूचना, संवाद और मनोरंजन की पूरी संरचना ही बदल दी, लेकिन तकनीक स्वयं किसी पीढ़ी का स्वभाव तय नहीं करती। वह केवल वातावरण बदलती है। उस वातावरण में व्यक्तित्व किस दिशा में विकसित होगा, यह परवरिश और सामाजिक मूल्यों पर निर्भर करता है।

इसी कारण एक ही नाम से पहचानी जाने वाली पीढ़ी अलग-अलग समाजों में बिल्कुल अलग स्वभाव की दिखाई देती है। किसी विकसित देश का युवा और किसी विकासशील देश का युवा एक ही वर्ष में जन्म ले सकते हैं, पर उनके जीवन अनुभव, सुरक्षा बोध, अवसरों की प्रकृति और चिंताएं एक-दूसरे से बहुत अलग होती हैं। इससे साफ़ है कि पीढ़ी का नाम नहीं, बल्कि उसका सामाजिक संदर्भ उसके व्यवहार को आकार देता है। समस्या तब शुरू होती है, जब इन नामों को अंतिम सच मान लिया जाता है। जब हम कहते हैं कि 'नई पीढ़ी ऐसी है' या 'पुरानी पीढ़ी वैसी थी', तो हम समाज की जटिल वास्तविकताओं को एक आसान लेबल में समेट देते हैं; इससे समझ कम और पूर्वाग्रह अधिक पैदा होते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हिमालयी बुरांश के अस्तित्व पर संकट के बादल

अमित शर्मा
हल्द्वानी

उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस हिमालयी राज्य में विविध प्रकार की अनुपम वनस्पतियां भी प्रचुरता में मिलती हैं, जो शायद ही इस धरती पर कहीं और मिलती होंगी। उत्तराखंड का राज्य वृक्ष बुरांश, देवदार और चीड़ के घने वृक्ष, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में प्रमुख औषधीय पौधे केदारनाथ और दुर्लभ व सुंदर फूल ब्रह्म कमल या फिर विश्व धरोहर स्थल फूलों की घाटी के रंगीन फूल और प्रमुख झाड़ी रेडोडेंड्रॉन व जूनिपर, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि जलवायु परिवर्तन का असर प्रकृति के इन अमूल्य उपहारों पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है।

हम बुरांश की बात करें, तो जहां इसकी सीरत के साथ बेपनाह खूबसूरती भी जुड़ी है, वहीं इसके अस्तित्व पर भी संकट पैदा हो रहा है। दरअसल, हिमालय जितना सुंदर है, उससे कहीं अधिक गुणकारी भी है। इसकी जमीन का हर फूल-पत्ता नैसर्गिक सुंदरता में चार चांद लगाता है, तो बेहतर स्वास्थ्य के कुदरती इलाज इसके भीतर छिपे हैं। इसकी सबसे बड़ी मिसाल बुरांश का पुष्प है। अनेक गुणों से सम्पन्न इस फूल को यूं ही राज्य पुष्प का दर्जा नहीं मिला है।

बुरांश के लाल फूल फरवरी मध्य और मार्च शुरू में खिलने शुरू होते हैं, जो अप्रैल माह तक अपने खिले हुए लाल रंगों से पहाड़ों की शोभा बढ़ाते हैं। लाल, गुलाबी, काला और सफेद रंग में रंगा यह पुष्प पर्वतों की ऊंचाई के साथ अपना रंग भी बदल लेता है। उत्तराखंड, हिमाचल और पड़ोसी राज्य नेपाल की वादियों में बहुतायत से खिलता है। स्वाद में कुछ खट्टा तो इसकी पंखुड़ी में समाया रस उतना ही मीठा होता है, जिसने भी इसका स्वाद चखा हो, वह इसके स्वाद को कभी भूल नहीं सकता। यह कहा जाए कि सेहत निखारने में इसका कोई सानी नहीं, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि जूस, शरबत, जैम, जैली और चटनी के रूप में इसे लोग खूब पसंद करते हैं।

हिमालयी क्षेत्र का बुरांश जितना सुंदर है, उससे कहीं अधिक गुणकारी भी है। इसे राज्य पुष्प का दर्जा भी मिला हुआ है। आज इसके अस्तित्व पर संकट पैदा हो रहा है।

यह फूल न केवल सौंदर्य का सरताज है, बल्कि पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर है। बुरांश की देश भर में करीब 80 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसमें से रोडोडेंड्रान आरबोरियम प्रजाति का फूल सबसे अधिक खूबसूरत होता है। विशेषज्ञ भी बताते हैं कि औषधियुक्त पुष्प बुरांश का कोई सानी नहीं है। इम्यूनिटी बढ़ाने में यह असीम ताकतवर है। हार्ट अटैक, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल समेत कई रोगों की मारकशक्ति रखता है, जिसके चलते बुरांश उत्तराखंड राज्य में रोजगार का बड़ा जरिया भी बना है।

चिंताजनक पहलू यह है कि पर्यावरण में हो रहे बदलाव के कारण अब इस खूबसूरत फूल पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार, राज्य में हर साल इसका उत्पादन 20 से 30 प्रतिशत कम हो रहा है। इसके खिलने के बाद यह 10-15 दिनों में सूख भी जा रहा है। इसका कारण जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, कम बर्फबारी और चीड़ के पेड़ों के बढ़ने से बुरांश की संख्या कम होना माना जा सकता है। जलवायु परिवर्तन का ही यह असर है कि अब बुरांश का समय से पहले खिलना भी बड़ी चिंता का विषय माना जा रहा है।

पहाड़ की ठंडी तासीर का फूल बुरांश जलवायु परिवर्तन और बढ़ते ताप की मार से पहले ही जूझ रहा है। वहीं, पहाड़ों में ठंडे क्षेत्रों के जंगलों में पैर पसारता चीड़ का कुनबा और कुरी झाड़ी का मकड़जाल दोनों ही बुरांश पर दोहरी मार कर रहे हैं। पहाड़ों में चीड़ का बढ़ता जंगल न केवल बुरांश व अन्य वनस्पतियों के लिए अभिशाप है, वहीं चीड़ की घनी पत्तियां जमीन में अन्य पेड़ों के बीजों को पनपने नहीं देती। वहीं, ग्रीष्म काल में जंगलों में लगने वाली आग में घी डालने का काम करती हैं।

चीड़ की ज्वलनशील लीसा पत्ती और इसके फल कई हफ़्तों तक जंगल में सुलगते रहते हैं, जिससे नए पौधे पनप नहीं पाते और पुनर्जनन प्रभावित होता है। पिछले कई वर्षों से उतराखंड के पहाड़ी राज्यों में बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं में बुरांश व अन्य वनस्पति को खासा नुकसान पहुंचा है। नए पौधे वनों की आग में मारे गए, जिससे बड़े वृक्षों को झुलसना पड़ा। चीड़ का कुनबा कम ताप वाले जंगलों में फैलने से रोका नहीं गया, तो बुरांश के अस्तित्व पर खतरा साल दर साल बढ़ता ही जाएगा।

कुमाऊं विश्वविद्यालय डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर ललित तिवारी कहते हैं कि बुरांश का फूल समय से पहले खिलने के कारण इसका पुनर्जनन प्रभावित हो चला है। इसके असर से भविष्य में इसके अस्तित्व के खतरे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। मुख्यतः बुरांश का फूल खिलने का समय फरवरी व मार्च में होता है, लेकिन अब यह दिसंबर में खिलने लगा है। पिछले 15 वर्षों से इस फूल के खिलने के समय पर नजर रखी जा रही है। साल 2024 में यह 15 दिसंबर को खिल गया था, जबकि पिछले वर्ष यानी इस सीजन में 22 दिसंबर में ही खिल गया था। जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य कारण है। तापमान में निरंतर वृद्धि से कुदरत के इस नायाब तोहफे के खिलने का समय बदल गया है। हालांकि हिमालय क्षेत्र की विभिन्न वनस्पतियों को जलवायु ने प्रभावित किया है। उनमें बुरांश भी सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस फूल के समय से पहले खिलने के कारण रीजनरेशन यानी पुनर्जनन प्रभावित हुआ है, जिस कारण पुनर्जनन की समस्या खड़ी हो गई है। इस पुष्प पर निरंतर अध्ययन जारी है।

प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार का भी कहना है कि वन विभाग भी बुरांश के पुष्प के उत्पादन पर नजर रखे हुए है। इस फूल का समय से पहले खिलना आम हो चला है, साथ ही इसके क्षेत्र में भी बदलाव आया है, हालांकि इस फूल के पूर्णतः खिलने में परिवर्तन नहीं आया है, लेकिन यह भी देखा गया है कि अब यह कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में होने लगा है। इस पुष्प के उत्पादन के लिए वन विभाग पौधरोपण करवा रहा है।

आमने सामने

यह ट्रॉफी हर धर्म के 140 करोड़ भारतीयों की है। यह किसी एक धर्म की जीत का जश्न नहीं है। हमने 1983 में कपिल देव की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता था। हमारी टीम में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सिख थे। हम ट्रॉफी को अपनी मातृभूमि भारत लेकर आए थे।
–कीर्ति आजाद
पूर्व क्रिकेटर

इस तरह के बयान खिलाड़ियों की उपलब्धि को कम करते हैं। खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में काफी दबाव झेला है और ऐसे समय में इस तरह की टिप्पणी करना सही नहीं है। अगर आप ऐसे बयान देते हैं, तो आप अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को गिरा रहे हैं।
–गौतम गंभीर, मुख्य कोच
भारतीय क्रिकेट टीम

खाड़ी देशों में 'पानी' पर हमले के निहितार्थ

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के परमाणु हथियारों को लेकर शुरू हुई लड़ाई अब पानी पर हमले और उसकी सुरक्षा के उपायों तक पहुंच गई है। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी हमले में होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट क्रेश्म द्वीप स्थित खारे पानी को मीठा बनाने वाला जल (डिसेलिनेशन प्लांट) संयंत्र क्षतिग्रस्त हुआ है, इससे 30 ग्रामों की जल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके बाद ईरान ने बहरीन के संयंत्र को निशाना बनाया। इन हमलों ने बता दिया कि ईरान-अमेरिका का यह युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि खाड़ी देशों के जल संयंत्रों के विनाश तक पहुंच गया है। इस परिप्रेक्ष्य में चिंता की बड़ी बात है कि खाड़ी देशों की आबादी की बड़ी संख्या पीने के शुद्ध पानी के लिए इन्हीं जल संयंत्रों पर आश्रित है। इन पर आक्रमण समूचे खाड़ी क्षेत्र में जल संकट पैदा कर सकता है।

पूरे मध्य एशिया में युद्ध की भयानक स्थिति देखने में आ रही है, उससे लगता है पानी के लिए युद्ध छिड़ गया है। पानी की सुरक्षा को सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि खाड़ी के देशों ने अपने समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले संयंत्रों को तेल प्रतिष्ठानों से कहीं अधिक बड़ी सुरक्षा दे दी है। यहां तक की ड्रोन और मिसाइलें भी तैनात कर दी हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए। संयंत्रों के साथ बिजली घर भी जुड़े होते हैं। ऐसे में विद्युत ढांचों पर हमले भी पानी के उत्पादन को प्रभावित कर सकते हैं। यदि किसी बड़े संयंत्र को गंभीर नुकसान होता है, तो कई नगर कुछ ही दिनों में पेयजल संकट से जूझ जाएंगे। इस कारण ड्रोन और मिसाइलें भी तैनात कर दिए गए हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए।

युद्ध में पानी संयंत्रों को भी निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों ने बता दिया है कि युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है।

अमेरिका और इजरायल ने लड़ाकू विमानों लेबनान की राजधानी तेरहान में केमिकल टॉक्सिक बमों से भीषण हमला किया है। इस कारण तेहरान के 30 बड़े तेल भंडार तबाह हो गए हैं। तेहरान आग की लपटों से धधक उठा है। बादल धुंआ से भर गए हैं। टॉक्सिक हाइड्रो कार्बन और सल्फर से तेहरान में तेल की अम्लीय बारिश देखी गई। प्राकृतिक जल की सतहों पर तेल की परत जम गई है, ऐसे में नए हमले होते हैं, तो यह तेल जल उठेगा। इस कारण 90 लाख की आबादी वाले तेहरान में अघोषित कर्फ्यू के हालात बन गए हैं।

दूषित पानी हो जाने के कारण सप्लाई ठप है। बिजली भी बंद कर दी गई है। ये बम लेबनान में ईरान समर्थक आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के ठिकानों पर पटके गए हैं। इन टॉक्सिक बमों में घातक रसायन होते हैं। ये फसलों को बर्बाद करने के साथ पानी को भी पूरी तरह दूषित कर देते है। संयुक्त अरब आमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, ओमान कतर जैसे खाड़ी देशों में 90 फीसदी समुद्री खारे पानी को मीठे में बदलकर आपूर्ति जल संयंत्रों से की जाती है। 10 बड़े जल संयंत्रों को ईरान निशाना बना सकता है।

एक पुराने अमेरिकी कूटनीति दस्तावेज में चेतावनी दी गई थी कि यदि सऊदी अरब के जुबेल जल संयंत्र और उसकी पाइपलाइन को नुकसान होता है, तो राजधानी रियात को एक सप्ताह के भीतर खाली करना होगा, हालांकि सऊदी अरब और संयुक्त अरब आमीरात ने अपने तलाबों और सप्लाई लाइन में बड़ा निवेश किया हुआ है।,इसलिए वह जल संकट का सामना एक बार कर सकता है, किंतु बहरीन, कतर और कुवैत जैसे छोटे देशों के पास वैकल्पिक साधन कम है, इसलिए इन देशों के संयंत्र लड़ाई में प्रभावित हुए तो पानी के लिए घरेलू स्तर पर भी जंग छिड़ सकती है।

ईरान के लिए यह अच्छी बात है कि वे खुद जल संयंत्रों पर अधिक निर्भर नहीं हैं। ईरान में ज्यादातर पेयजल की सप्लाई नदियों, बांधों और भूगर्भीय जल से होती है, इसलिए वह सीमित समय के लिए संकट झेलने में सक्षम हैं, लेकिन कई साल से सूखा के चलते तेहरान के तलाबों का पानी खतरनाक स्तर तक घट गया है। अतएव ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि हालात नहीं सुधरे, तो तेहरान को खाली करना पड़ सकता है, लेकिन इतनी बड़ी आबादी को आखिर जल उपलब्ध होगा कहां से?

इजराइल भी समुद्र के खारे पानी को मीठा बनाने की तकनीक पर निर्भर है। इस परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2050 तक, जब विश्व की 40 फीसदी आबादी जल संकट भोग रही होगी, तब भी इजराइल में पीने के पानी का संकट नहीं होगा। इजराइल न सिर्फ हथियारों, बल्कि पानी के मामले में भी महाशक्ति बनकर उभरा है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव के डोर तट पर समुद्र के पानी को तत्काल पीने लायक बनाने वाले संयंत्र लगे हुए हैं। ये संयंत्र 'गेलमोबाइल वॉटर फिल्ट्रेशन प्लांट' कहलाते हैं। यह चलित फिल्टर प्लांट है। कई संयंत्र जीपों पर भी स्थापित हैं। इन्हें 'फ्यूचर जीप' कहते हैं। प्राकृतिक या युद्ध संबंधी आपदा के वक्त यह संयंत्र बेहद उपयोगी हो जाते हैं। इसे संकटग्रस्त इलाकों में पहुंचाकर पेयजल की सुविधा उपलब्ध करा दी जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

यूपीएससी का हौवा

हमने यूपीएससी को हौसला नहीं, हौवा बना दिया है। कब हुआ यह? किसने तय किया, पता नहीं, लेकिन धीरे-धीरे हमारे घरों में, हमारे समाज में, हमारी कन्वर्सेशन में ये बात सेटल हो गई कि सफलता मतलब यूपीएससी। पढ़ाई मतलब यूपीएससी। ज़िंदगी का मतलब यूपीएससी। जिस घर में कोई आईएस या आईपीएस निकलता है, उस घर की इज़्ज़त पूरे मोहल्ले में बढ़ जाती है। ये गर्व स्वाभाविक है, लेकिन इसी के साथ एक और मैसेज जाता है कि जो नहीं निकला, वो कम है और यही वो मैसेज है, जो लाखों बच्चों को तोड़ रहा है।

ऋचा शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

आज एक 18-19 साल के बच्चे से पूछो, यूपीएससी क्यों करना है? बहुत कम जवाब होंगे जो गवर्नेंस, पॉलिसी या पब्लिक सर्विस से जुड़े होंगे। ज़्यादातर जवाब होंगे, वो यूनिफार्म देखी थी। वो सेस्पेक्ट देखी थी। एक वीडियो देखी थी, जिसमें आईपीएस ऑफिसर कितनी कॉन्फिडेंटली बोल रहे थे।

आईएस, आईपीएस बनने का सपना अब रील्स से आता है। एक वायरल वीडियो, एक शानदार यूनिफार्म, एक 'कलेक्टर साहब' वाला शॉट और एक 20 साल का बच्चा तय कर लेता है कि बस यही करना है। ये ड्रीम नहीं है, ये एस्थेटिक है। उस इमेज के पीछे की असली ज़िम्मेदारी रात दो बजे किसी फ्लड अफेक्टेड ज़िले में काम करना, सिस्टम की ब्यूरोक्रेसी से लड़ना, पॉलिटिकल प्रेशर झेलना वो रील्स में नहीं आती। यूपीएससी के रिजल्ट में हिंदी का रिप्रेजेंटेशन हर साल गिरता जा रहा है। पर इस पर कोई बात नहीं करेगा।

वो बच्चे जो सबसे ज़्यादा मेहनत करते हैं, जिनके लिए इंगलिश पहली बाधा है, कॉन्टेंट दूसरी और कोचिंग फीस तीसरी। जो पटना, इलाहाबाद, रीवा के किसी कमरे में बैठकर दिन-रात पढ़ते हैं और आईरनी ये है कि आईएएस, आईपीएस का काम आम जनता से होता है। वो जनता जो हिंदी में सोचती है, भोजपुरी में बोलती है, मैथिली में रोती है। पब्लिक सर्वेंट की भाषा और पब्लिश की भाषा के बीच ये खाई सिस्टम की देन है, मेधा की नहीं। जिस अधिकारी को उनकी भाषा समझनी है, उनकी ज़िंदगी समझनी है, उसे चुनने के प्रॉसेस में उसी भाषा को कमज़ोर माना जा रहा है। शायद किसी ने नहीं, क्योंकि उसके पास वो यूनिफार्म नहीं है। वो 'साहब' नहीं कहलाता, लेकिन देश उससे भी चलता है। उससे भी बनता है और आने वाले वक्त में शायद उनसे ज्यादा बनेगा।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

आंकड़ों के पीछे छिपी त्रासदी और समाज की चुनौती

भारत में लापता बच्चों का मुद्दा लगातार गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। हाल ही में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट ने इस समस्या की भयावहता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को खोज लिया गया, लेकिन 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की पीड़ा, असुरक्षा और इंतजार की कहानी है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने की घटनाएं अधिक सामने आती हैं। महानगरों की बात करें तो राजधानी दिल्ली में साल दर साल सबसे ज्यादा बच्चे लापता होने के मामले दर्ज हो रहे हैं। अकेले 2025 में ही राजधानी में लगभग 5717 नाबालिगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई। दिल्ली से सिर्फ 2026 के शुरुआती 27 दिनों में ही 137 बच्चे लापता हुए हैं, जिन्हें अभी तक ढूंढा नहीं जा सका है। साल दर साल बढ़ते ये आंकड़े यह संकेत देते हैं कि बाल सुरक्षा व्यवस्था में अभी भी कई कमियां मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लापता बच्चों में लगभग 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं, जो इस समस्या को और गंभीर बना देता है।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे ऊपर है। यहां एक साल 19,145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15,465 बच्चों को ढूंढ़ लिया गया, लेकिन 3,680 बच्चे अब भी नहीं मिले। इसके बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए और इनमें से 1,059 बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला। तीसरे स्थान पर हरियाणा है, जहां जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच 2,209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चे अभी भी लापता हैं। हरियाणा में यह संख्या पड़ोसी राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की तुलना में कई गुना अधिक है। हिमाचल प्रदेश का एक चौंकाने वाला तथ्य यह भी है कि वहां लापता हुए आठ बच्चों में से एक भी अब तक नहीं मिला।

राजस्थान इस सूची में आठवें स्थान पर है। यहां पिछले एक वर्ष में 745 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 499 बच्चों को उनके परिवारों तक पहुंचा दिया गया, जबकि 246 बच्चे अब भी लापता हैं। वहीं सकारात्मक पहलू यह भी है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप तथा दादरा और नगर हवेली में इस अवधि के दौरान बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

पूरी दुनिया में हर वर्ष लगभग 80 लाख बच्चे लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। अमेरिका में करीब 4.6 लाख, ब्रिटेन में 1.12 लाख और जर्मनी में लगभग एक लाख बच्चों के हर साल गायब होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। यूरोप में भी स्थिति चिंताजनक है। वर्ष 2021 से 2023 के बीच वहां 51,000 से अधिक नाबालिग बच्चे, जो बिना अभिभावकों के यात्रा कर रहे थे, लापता हो गए। आंकड़ों का गहन विश्लेषण यह भी बताता है कि लापता होने वाले बच्चों में 12 से 17 वर्ष की आयु के किशोर सबसे अधिक होते हैं। कई मामलों में लड़कियां नौकरी, शादी या बेहतर जीवन के झूठे झांसों में फंस जाती हैं और मानव तस्करी के नेटवर्क का शिकार बन जाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत* 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)

वर्ड स्मिथ

कैसे बना रेडियो शब्द

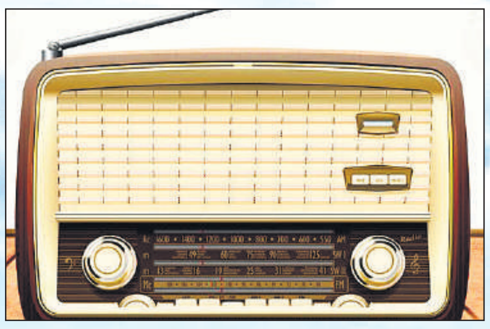

रेडियो एक छोटा-सा शब्द है, पर अपने भीतर विज्ञान और संचार की लंबी यात्रा समेटे हुए। इस शब्द की जड़ें लैटिन भाषा के शब्द 'रेडियस' में मिलती हैं, जिसका अर्थ है किरण। 19 वीं सदी के उत्तरार्ध में जब वैज्ञानिक अदृश्य तरंगों की दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे थे, तब इन तरंगों का व्यवहार प्रकाश की किरणों जैसा प्रतीत हुआ। यही कारण था कि इनके प्रसार को 'किरणों' की तरह समझा गया और धीरे-धीरे 'रेडियो' शब्द का प्रचलन शुरू हुआ।

1880 के दशक में जर्मन भौतिक विज्ञानी हेनरिक हट्र्ज़ ने यह सिद्ध कर दिया कि हवा में अदृश्य विद्युतचुंबकीय तरंगें फैल सकती हैं। इन्हीं तरंगों को आगे चलकर हट्र्ज़ियन तरंगें या रेडियो तरंगें कहा गया। उस समय इनका उपयोग तार के बिना संदेश भेजने के लिए होने लगा, इसलिए आरंभ में इसे 'वायरलेस' अर्थात ताररहित संचार कहा जाता था। समय के साथ विज्ञान आगे बढ़ा और संचार की यह अदृश्य धारा दुनिया को जोड़ने लगी। 1906 में बर्लिन में आयोजित रेडियोटेलीग्राफिक सम्मेलन में 'रेडियो' शब्द को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली। फिर 1920 के दशक में जब आवाज और संगीत का प्रसारण शुरू हुआ, तब यह तकनीक केवल वैज्ञानिक प्रयोग नहीं रही, बल्कि जनजीवन का हिस्सा बन गई। धीरे-धीरे 'वायरलेस' शब्द पीछे छूट गया और 'रेडियो' लोगों की जुबान पर बस गया। एक ऐसी अदृश्य किरण, जो दूरियों को मिटाकर दुनिया को एक ही ध्वनि में जोड़ देती है।

नोटिस बोर्ड

- जिला सेवायोजन कार्यालय, कासगंज में 12 मार्च को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में 18 से 25 वर्ष की आयु के हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। रोजगार मेले में साक्षात्कार के माध्यम से लगभग एक हजार रिक्त पद भरे जाएंगे। मेले में 40 कंपनियां अपनी कंपनी के लिए अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर अपना पंजीयन कराना होगा। अभ्यर्थी पोर्टल पर प्रदर्शित किसी भी कंपनी में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

- ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक व परास्नातक में प्रवेश हेतु 15 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी आवेदन के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। इस संबंध में कुलपति ने बताया कि एक सप्ताह पहले कोर्सवार सीटों की संख्या वेबसाइट पर अपलोड करवा दी गई थी। समर्थ पोर्टल 15 मार्च से खुल जाएगा। यह आवेदन प्रक्रिया 45 दिनों तक चलेगी। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://kmclu.ac.in पर समर्थ पोर्टल का लिंक पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

डिजिटल एजुकेशन के अगुआ देश लौट रहे किताबों की ओर

बीते डेढ़ दशक में स्कूलों और विश्वविद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन कंटेंट को आधुनिक शिक्षा का पर्याय मान लिया गया। यह माना गया कि अगर बच्चों को बचपन से ही डिजिटल माध्यमों से पढ़ाया जाएगा, तो वे भविष्य की टेक्नोलॉजी आधारित दुनिया के लिए बेहतर तैयार होंगे। दुनिया जिस डिजिटल शिक्षा मॉडल को भविष्य मान रही थी, वही मॉडल अब पुनर्मूल्यांकन के दौर से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे अधिक डिजिटल शिक्षा प्रणालियों में अग्रणी स्वीडन और फिनलैंड जैसे देश फिर से किताब, कागज और पेन की ओर लौट रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में सामने आए शोध और अनुभव, जिसने शिक्षा नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर किया है।

राजेश जैन
लेखक

हाइब्रिड मॉडल: शिक्षा का नया रास्ता

आज कई विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि शिक्षा का भविष्य न तो पूरी तरह डिजिटल है और न ही पूरी तरह पारंपरिक। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे प्रभावी मॉडल हो सकता है। उदाहरण के लिए, जटिल वैज्ञानिक प्रयोगों, डेटा विश्लेषण और कोडिंग सीखने में डिजिटल उपकरण बेहद उपयोगी हैं। वहीं साहित्य, इतिहास या भाषा जैसे विषयों में किताबों के माध्यम से पढ़ना अधिक प्रभावी हो सकता है। इसलिए कई देश अब 'हाइब्रिड लर्निंग मॉडल' की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें किताब और तकनीक दोनों का संतुलित उपयोग हो।

डिजिटल शिक्षा

करीब 15 साल पहले दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षा के डिजिटल भविष्य की परिकल्पना की। इस सोच के पीछे कई तर्क थे। पहला, तकनीक से पढ़ाई को अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाया जा सकता है। दूसरा, इंटरनेट के माध्यम से बच्चों को वैश्विक ज्ञान तक तुरंत पहुंच मिल सकती है। तीसरा, डिजिटल उपकरणों के जरिए शिक्षा को अधिक व्यक्तिगत यानी पर्सनलाइज लर्निंग बनाया जा सकता है। स्वीडन उन देशों में था, जिसने सबसे पहले स्कूलों में डिजिटल माध्यमों को बड़े पैमाने पर अपनाया। 2009 के आसपास वहां के स्कूलों में टैबलेट और कंप्यूटर को पाठ्यपुस्तकों का विकल्प बनाने की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे कई स्कूलों में किताबों की जगह डिजिटल उपकरणों ने ले ली। फिनलैंड, जो अपनी शिक्षा प्रणाली के लिए दुनिया में सबसे अधिक प्रशंसित देशों में से एक है, वहां भी स्कूलों में डिजिटल उपकरणों को बड़े उत्साह के साथ अपनाया गया। कई जगह छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गए और पढ़ाई का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया। उस समय यह मॉडल इतना आकर्षक लगा कि दुनिया के कई देशों ने इसे अपनाने की कोशिश की। भारत में भी डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट एजुकेशन जैसे शब्द शिक्षा सुधार के प्रमुख नारे बन गए।

स्वीडन की नीति में बड़ा बदलाव

स्वीडन ने अपनी शिक्षा नीति में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने स्कूलों में फिर से मुद्रित पाठ्यपुस्तकों को प्राथमिकता देते हुए करोड़ों यूरो का निवेश किया है ताकि हर छात्र तक किताबें पहुंचाई जा सकें। सरकार छह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल टूल्स के उपयोग को समाप्त करने की योजना पर भी विचार कर रही है। वहां कई स्कूलों में फिर से शांत पठन समय, हस्तलेखन अभ्यास और पारंपरिक बोर्ड आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

तकनीक का विरोध नहीं, संतुलन की खोज

यह समझना जरूरी है कि यह बदलाव तकनीक के खिलाफ कोई आंदोलन नहीं है। अधिकांश शिक्षाविद् यह मानते हैं कि तकनीक शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। असल बहस तकनीक के उपयोग की सीमा और संतुलन को लेकर है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट भी यही चेतावनी देती है कि शिक्षा में तकनीक का इस्तेमाल इस तरह होना चाहिए कि वह शिक्षक-केंद्रित शिक्षा का विकल्प न बन जाए। तकनीक एक साधन है, लक्ष्य नहीं।

जब डिजिटल मॉडल पर उठने लगे सवाल

लगभग एक दशक तक डिजिटल शिक्षा के प्रयोग के बाद कुछ समस्याएं धीरे-धीरे सामने आने लगीं। शिक्षकों, अभिभावकों और शोधकर्ताओं ने पाया कि तकनीक ने पढ़ाई को आसान तो बनाया है, लेकिन कई बुनियादी कौशल कमजोर भी कर दिए हैं। स्वीडन में किए गए अध्ययनों में पाया गया कि स्क्रीन पर पढ़ने वाले छात्रों की एकाग्रता और गहराई से समझने की क्षमता कम हो रही है। चौथी कक्षा के छात्रों की पढ़ने की क्षमता का आकलन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन प्रोग्रेस इन इंटरनेशनल रीडिंग लिटरेसी स्टडी में 2016 और 2021 के बीच स्वीडन के बच्चों के पढ़ने के स्कोर में गिरावट दर्ज की गई। शिक्षाविदों ने देखा कि जब बच्चे टैबलेट या लैपटॉप पर पढ़ते हैं, तो उनका ध्यान जल्दी भटकता है। एक क्लिक में गेम, सोशल मीडिया या अन्य वेबसाइटों तक पहुंच उन्हें पढ़ाई से दूर कर देती है। डिजिटल उपकरण पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन का भी माध्यम हैं, इसलिए उनमें विचलन की संभावना अधिक होती है।

स्क्रीन का मन और मस्तिष्क पर प्रभाव

नई डिजिटल शिक्षा पर सवाल उठने के पीछे सबसे बड़ा कारण बच्चों के मस्तिष्क और व्यवहार पर स्क्रीन के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंता है। नॉर्वे और अमेरिका के कई शोध बताते हैं कि जब बच्चे हाथ से लिखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई हिस्से एक साथ सक्रिय होते हैं। अक्षर बनाने की प्रक्रिया, उंगलियों का दबाव और लिखावट की संरचना दिमाग में मजबूत स्मृति चिन्ह (मेमोरी ट्रेस) बनाते हैं। इसके विपरीत, कीबोर्ड पर टाइपिंग अपेक्षाकृत एक यांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें मस्तिष्क जानकारी को उतनी गहराई से प्रोसेस नहीं करता। यही कारण है कि हाथ से नोट्स लिखने वाले छात्र विषयों को अधिक गहराई से समझते हैं। इसके अलावा लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव, नींद की समस्या और मानसिक बेचैनी भी बढ़ने की आशंका रहती है। फिनलैंड के कुछ अध्ययन बताते हैं कि किशोर औसतन प्रतिदिन लगभग छह घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए चिंताजनक है।

भारत के लिए सबक

भारत में डिजिटल शिक्षा तेजी से विस्तार कर रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और स्मार्ट क्लासरूम शिक्षा के नए प्रतीक बन चुके हैं। अगर डिजिटल माध्यमों को बिना सोचे-समझे अपनाया गया, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं। देश में जहां पहले से ही बच्चों का स्क्रीन टाइम तेजी से बढ़ रहा है, वहां स्कूलों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

शिक्षा का मूल उद्देश्य

दरअसल, शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं है, बल्कि सोचने, समझने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना है। किताब पढ़ना इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें धीमी गति से सोचने व गहराई से समझने के लिए प्रेरित करता है। पिछले दशक में दुनिया ने शिक्षा में तकनीक का व्यापक प्रयोग किया और उससे जुड़े अनुभव भी प्राप्त किए। अब वही अनुभव नीति-निर्माताओं को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। भविष्य की कक्षा शायद ऐसी होगी, जहां स्मार्ट बोर्ड भी होगा और ब्लैकबोर्ड भी, टैबलेट भी होगा और किताब भी, एआई भी होगा और शिक्षक का मार्गदर्शन भी।

कैंपस में पहला दिन – अभी भी याद है पहली बार मेस में खाना

नैनीताल की शांत वादियों में मेरा बचपन बीता। पहाड़ों की उस निश्चल दुनिया से निकलकर जब मैं सन् 1977 में लाला लाजपत राय स्मारक चिकित्सा महाविद्यालय, मेरठ पहुंचा, तो मन में एक अजीब सी कशमकश और अनजाना भय था। उन दिनों मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के किस्से आम थे, इसलिए सीनियरों के व्यवहार को लेकर मन में कई नकारात्मक भ्रम पाल रखे थे, लेकिन कॉलेज की देहरी पर कदम रखते ही पहले ही दिन वे सारे डर काफूर हो गए।

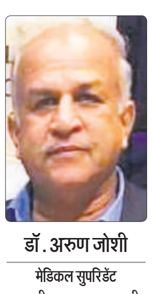

डॉ. अरुण जोशी
मेडिकल सुपरिंटेंडेंट
राजकीय अस्पताल, हल्द्वानी

कैंपस का वातावरण उम्मीद से बिल्कुल उलट था। मुझे आज भी अचंभित कर देता है कि उन सीनियरों ने, जिन्हें लेकर मैं डरा हुआ था, पहले ही दिन से न केवल मेरा, बल्कि सभी नए छात्रों का हाथ थाम लिया। वहां रैगिंग नहीं, बल्कि एक बड़े भाई जैसा अपनत्व और सहयोग था। जीवन का वह पहला अनुभव जब मैं घर की सुख-सुविधा छोड़कर मेस में खाना खाने पहुंचा, तो भावुक हो गया। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि परिवार से दूर, बिल्कुल अजनबियों के साथ एक ही टेबल पर बैठकर भोजन करूंगा, लेकिन वह मेस की टेबल केवल खाना खाने की जगह नहीं थी, बल्कि रिश्तों की पाठशाला थी। हंसी-मजाक के उस दौर के बीच खाने का वह स्वाद आज भी मेरी जुबान पर ताजा है। वहीं से सहपाठियों के साथ परिचय का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे अटूट दोस्ती में बदल गया। हॉस्टल की पहली रात और वॉर्डन द्वारा समझाए गए कड़े नियमों ने एहसास कराया कि अब आजाद पंछी को अनुशासन के पिंजरे में खुद को ढालना होगा। वह अनुशासन ही था, जिसने हमें सिखाया कि समय की कीमत क्या होती है और एक डॉक्टर के जीवन में नैतिकता का क्या महत्व है। पहाड़ की मासूमियत और मेरठ की इस अनुशासित मेधा ने मिलकर मेरे भीतर एक नए इंसान को जन्म दिया। वह सफेद कोट पहनना केवल एक करियर की शुरुआत नहीं थी, बल्कि सेवा और समर्पण के उस सफर का आगाज था, जिसकी नींव उसी साल मेरठ की मिट्टी में रखी गई थी। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो वे यादें जीवन की सबसे अनमोल थाती लगती हैं।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में भारत की पहली रिंग मेट्रो का उद्घाटन किया। मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर के शुरू होने से पिंक लाइन की सर्कुलर कनेक्टिविटी पूरी हो गई है, जिससे यह राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर पूरी तरह से संचालित रिंग रूट बन गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने दीपाली चौक-मजलिस पार्क कॉरिडोर (मैजेंटा लाइन विस्तार) का भी उद्घाटन किया। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो फेज-5 के तहत नए मेट्रो कॉरिडोर की आधारशिला रखी।
- हाल ही में आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद में हरा दिया। इस जीत के साथ भारत तीन बार टी-20 विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। साथ ही खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड करने वाली पहली टीम भी बना।
- हाल ही में सबा शॉल को जम्मू-कश्मीर की उच्च सुरक्षा वाली सुधारात्मक संस्था सेंट्रल जेल श्रीनगर की पहली कश्मीरी महिला प्रमुख नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति गृह विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के तहत की गई। इस निर्णय के साथ जम्मू-कश्मीर कारागार विभाग में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल लागू हुआ है।
- हाल ही में दीपक गुप्ता ने गेल (India) Limited के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाला है। उन्होंने संदीप कुमार गुप्ता का स्थान लिया, जो 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हुए।
- हाल ही में ईरान ने मोजतबा खामेनेई को सुप्रीम लीडर चुना है। मोजतबा इजरायली हमले में मारे गए अपने पिता अली खामेनेई की जगह इस पद को संभालेंगे। यह फैसला 1989 के बाद इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जा रहा है।
- हाल ही में मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया। भारत अब चीता की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। इन शावकों के जन्म के बाद भारत में जन्मे चीता शावकों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। यह घटना भारत में चीते का 10 वां सफल लिटर (जन्म समूह) भी दर्शाती है, जो यह संकेत देती है कि देश में चीता पुनर्स्थापन कार्यक्रम धीरे-धीरे सफल होता जा रहा है और भारत की वन्यजीव संरक्षण यात्रा को नई मजबूती मिल रही है।

जॉब अलर्ट

आईडीबीआई बैंक

- पद का नाम- सहायक प्रबंधक ग्रेड 'ए'
- पदों की संख्या- 200
- शैक्षणिक योग्यता- स्नातक और अमुभव
- आयु सीमा -21-30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 19 मार्च 2026
- वेबसाइट- idbi.bank.in

भारतीय नौसेना

- पद का नाम- अग्निवीर एसएसआर, एमआर और एसएसआर (मेडिकल)
- शैक्षणिक योग्यता- साइंस (पीसीबी) में 50% अंक
- वेतन-14,600 रुपये (प्रशिक्षण के दौरान वजीफा)
- आयु सीमा -उम्मीदवारों का जन्म 01 मई 2005 और 31 अक्टूबर 2009 के बीच होना चाहिए
- आवेदन की अंतिम तिथि- 6 अप्रैल 2026
- वेबसाइट- joinindiannavy.gov.in

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

- पद का नाम- ट्रेड अप्रेंटिस, टेक्नीशियन अप्रेंटिस और ग्रेजुएट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या- 405 (पश्चिमी क्षेत्र के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में
- विज्ञापन नंबर - आईओसीएल/एमकेटीजी/डब्ल्यूआर/एपीपीआर/3/2025-26
- भत्ता- शिक्षुता अधिनियम, 1961/1973 और शिक्षुता नियम 1992/2019/2025 के अनुसार निर्धारित
- शैक्षणिक योग्यता - मैट्रिक + आईटीआई / कक्षा 12 वीं / इंजीनियरिंग में डिप्लोमा / कोई भी स्नातक डिग्री (विषय के अनुसार)
- आयु सीमा - 18 वर्ष से अधिकतम आयु 24 वर्ष (दिनांक 28.02.2026 तक)
- आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मार्च 2026
- वेबसाइट- www.iocl.com

इन विषयों पर मजबूत पकड़ से सरकारी नौकरी करें पक्की

सरकारी नौकरी आज भी देश के लाखों युवाओं का सपना है। हर साल बड़ी संख्या में अभ्यर्थी रेलवे, बैंकिंग, एसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटते हैं, लेकिन अक्सर छात्रों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे अपनी पढ़ाई का फोकस किन विषयों पर रखें? कई बार सीमित समय और विशाल सिलेबस के कारण तैयारी बिखर जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अभ्यर्थी कुछ प्रमुख विषयों पर मजबूत पकड़ बना लें, तो सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है, जो अधिकांश सरकारी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, कौन से हैं वे विषय, जिन पर नियमित अभ्यास और सही रणनीति के साथ तैयारी करने से प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

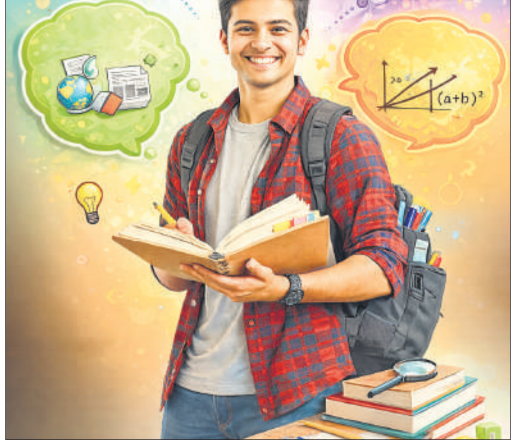

रीजनिंग

रीजनिंग विषय अभ्यर्थियों की तार्किक सोच और विश्लेषण क्षमता को परखता है। इसमें पजल, सीरीज, कोडिंग-डिकोडिंग और एनॉलिटिकल प्रश्न पूछे जाते हैं। लगातार अभ्यास से रीजनिंग में गति और सटीकता दोनों बढ़ाई जा सकती है, जो परीक्षा हाई स्कोरिंग में मदद करेगी।

गणित

गणित लगभग हर प्रतियोगी परीक्षा का अहम हिस्सा होता है। बेसिक मैथ्स के टॉपिक जैसे दशमलव, भिन्न, प्रतिशत, लाभ-हानि आदि पर अच्छी पकड़ होने से अभ्यर्थी आसानी से अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। नियमित अभ्यास से गणित में गति और सटीकता दोनों बढ़ती हैं।

करेंट अफेयर्स

करेंट अफेयर भी प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश-दुनिया की प्रमुख घटनाएं, सरकारी योजनाएं, खेल और पुरस्कार से जुड़े सवाल अक्सर पूछे जाते हैं। इसके लिए रोजाना अखबार पढ़ना और करेंट अफेयर के नियमित नोट्स बनाना काफी उपयोगी साबित होता है।

एडवांस मैथ्स

कई प्रतियोगी परीक्षाओं में एडवांस मैथ्स से भी प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें एल्जेब्रा, त्रिकोणमिति और ज्यामिति जैसे टॉपिक शामिल होते हैं। इन विषयों की अच्छी समझ होने पर रेलवे, एसएससी और अन्य सरकारी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना आसान हो जाता है।

जनरल स्टडी

किसी भी सरकारी परीक्षा में जनरल स्टडीज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और विज्ञान जैसे विषय शामिल होते हैं। यदि छात्र रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़कर इन विषयों की बुनियादी समझ मजबूत करें, तो परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

बिजनेस ब्रीफ

फोनपे का 'ऑन-द-गो' कार्ड लांच, इंटरनेट के बिना होगा भुगतान

नयी दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय सेवा मंच फोनपे ने 'फोनपे रूपे ऑन-द-गो कार्ड' पेश करने की घोषणा की है। यह एक राष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन कार्ड (एनसीएमसी) है। इससे मेट्रो, बस, ट्रेन, टोल और पार्किंग जैसी सभी एनसीएमसी-सक्षम सेवाओं पर त्वरित 'स्पर्श कर भुगतान' (टैप एंड पे) के माध्यम से लेन-देन किया जा सकेगा। इस कार्ड की शुरुआत फिलहाल हैदराबाद मेट्रो से की जा रही है। उपयोगकर्ता इस कार्ड में अधिकतम 2,000 रुपये तक की राशि जमा कर सकते हैं जबकि एक बार में बिना इंटरनेट के भुगतान की अधिकतम सीमा 500 रुपये है।

ताकेशी हिरानो बने इसुजु मोटर्स इंडिया के डिप्टी एमडी

नयी दिल्ली। इसुजु मोटर्स इंडिया ने ताकेशी हिरानो को कंपनी का उप प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की बुधवार को घोषणा की। जापान की इसुजु मोटर्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी ने बताया कि हिरानो, तोरू किशिमोतो का स्थान लेंगे। किशिमोतो अब मूल कंपनी में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी के अनुसार हिरानो के पास वैश्विक बाजारों में वितरण एवं विपणन के क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने इसुजु के लिए विभिन्न भूमिकाओं में काम करते हुए अलग-अलग बाजारों में संचालन का नेतृत्व किया है।

अशोक लेलैंड बैटरी पैक विनिर्माण में करेगी 500 करोड़ का निवेश

नयी दिल्ली। हिंदुजा समूह की वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड ने बुधवार को चेन्नई के पास एक नयी बैटरी पैक विनिर्माण सुविधा में 500 करोड़ रुपये तक के निवेश की घोषणा की। अशोक लेलैंड ने बयान में कहा कि कंपनी ने चेन्नई के पास पिल्लैपक्कम में नई बैटरी पैक विनिर्माण सुविधा के लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित किया। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना पर 400-500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह सितंबर, 2025 में हस्ताक्षरित एक समझौता हिंदुजा समूह के निवेश का हिस्सा है।

डायकिन इंडिया ने बाजार में उतारी अत्याधुनिक एसी

लखनऊ, अमृत विचार। डायकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया ने बुधवार को राजधानी में अपने बहुप्रतीक्षित 2026 प्रोडक्ट लाइनअप का अनावरण कर कूलिंग जगत में एक नई कांति की शुरुआत की। डायकिन ने अपनी नई बीइइ 2026 स्टार रेटेड रूम एसी रेंज और एआई- संचालित वीआरवी अल्फा सीरीज की बाजार में उतारा है। बता दें कि डायकिन को भारत सरकार द्वारा 'नेशनल एनर्जी कंजर्वेशन अवार्ड 2025' से नवाजा गया है। मॉडल एफटीएम50 को 'एएलायंस ऑफ द ईयर चुना गया, जिसे राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

मेटा प्लेटफॉर्म्स करेगी 'मोल्टबुक' का अधिग्रहण

लॉस एंजिलिस (अमेरिका)। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने 'मोल्टबुक' का अधिग्रहण करने की योजना की जानकारी दी है। मोल्टबुक एक ऐसा सामाजिक नेटवर्क है जिसे विशेष रूप से कृत्रिम मेधा एजेंट के लिए बनाया गया है, जहां वे संदेश प्रकाशित कर सकते हैं और एक-दूसरे के साथ बातचीत कर सकते हैं।

एफडीआई में रियायत चीनी कंपनियों के लिए नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी

- चीन की कम हिस्सेदारी वाली इकाइयों को मिलेगा लाभ

विदेशी कंपनियों में चीन की अगर 10 प्रतिशत तक हिस्सेदारी है, वे भारत में स्वतः मार्ग से सभी क्षेत्रों में निवेश करने के लिए पात्र होंगी। हालांकि, भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले चीन/हांगकांग या अन्य देशों में पंजीकृत इकाइयों पर सरल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नियम लागू नहीं होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह कहा।

पहले, भूमि सीमा साझा करने वाले सीमावर्ती देशों के शेयरधारकों वाली विदेशी कंपनियों को, यहां तक कि एक भी शेयर रखने पर भी, भारत में किसी भी क्षेत्र में निवेश करने के लिए अनिवार्य मंजूरी लेनी पड़ती थी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को इस संबंध में प्रेस नोट-3, 2020 में संशोधन किया। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव जय प्रकाश शिवहरे ने कहा कि भूमि सीमा साझा (एलबीसी) करने वाले देशों के निवेशकों पर लागू सभी प्रतिबंध अभी भी लागू हैं।

भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में स्थित इकाइयों या निवेशकों के लिए कोई छूट नहीं है। यह छूट केवल गैर-एलबीसी इकाइयों के लिए है जिनमें भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में 10 प्रतिशत से कम लाभकारी स्वामित्व हैं और जिनकी गैर-नियंत्रणकारी हिस्सेदारी है...। इसलिए भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से निवेश के संबंध में कोई छूट नहीं है।

डिजिटल लुटेरा: यूपीआई सुरक्षा को चकमा दे रहे साइबर ठग

साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक ने रिपोर्ट में किया दावा-टेलीग्राम पर सक्रिय हैं 20 ग्रुप

नयी दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन ठग नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अनुप्रयोगों की सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर वित्तीय लेनदेन को अंजाम दे रहे हैं। साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। कंपनी ने संदेश भेजने से जुड़े मंच टेलीग्राम पर कम से कम 20 सक्रिय समूहों की पहचान की है। प्रत्येक समूह में 100 से अधिक सदस्य हैं जहां 'डिजिटल लुटेरा' नामक टूलकिट पर चर्चा कर उसे शेयर और उसका उपयोग भी किया जा रहा है।

क्लाउडसेक के अनुसंधानकर्ता (खतरा) शोभित मिश्रा ने कहा कि यह केवल यूपीआई से जुड़ा एक और हानिकारक सॉफ्टवेयर नहीं है। डिजिटल लुटेरा उपकरण प्रणाली पर भरोसे की संरचना पर हमला करता है। जब संचालन तंत्र ही प्रभावित हो जाता है तो 'सिम-बाइंडिंग' और हस्ताक्षर जांच जैसी पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्थाएं भरोसेमंद नहीं रहतीं। यदि इसे नहीं रोका गया तो यह डिजिटल भुगतान प्रणाली में बड़े पैमाने पर खातों पर पकड़ बनाने की घटनाओं को बढ़ावा दे सकता है।

'सिम बाइंडिंग' एक ऐसी सुरक्षा प्रौद्योगिकी है जो व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप को केवल उसी रजिस्टर्ड सिम कार्ड से चलाने की अनुमति देती है जो फोन में लगा हो। क्लाउडसेक ने बताया कि उसने ऐसे ही एक समूह के विश्लेषण में पाया कि केवल दो दिन में करीब 25 से 30 लाख रुपये के लेनदेन किए गए। इससे पता चलता है कि धोखाधड़ी

का यह तरीका कितनी तेजी से फैल रहा है और कितने लोगों को प्रभावित कर रहा है। इस संबंध में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। 'सिम-बाइंडिंग' को इस बात का प्रमाण माना जाता रहा है कि कोई बैंक खाता किसी विशेष उपकरण से सुरक्षित रूप से जुड़ा हुआ है। यूपीआई अनुप्रयोग लेनदेन से पहले उस फोन नंबर के सिम का सत्यापन करते हैं जिसके साथ खाता मोबाइल फोन में पंजीकृत होता है। क्लाउडसेक ने बताया कि यह हमला आमतौर पर तब शुरू होता है जब उपयोगकर्ता अनजाने में एक हानिकारक एपीके फोन में डाल लेते हैं, जो किसी सामान्य सूचना (जैसे यातायात चालान या शादी के निमंत्रण) के रूप में दिखाई देती है।

एक बार इसके फोन में आ जाने पर यह हानिकारक सॉफ्टवेयर पीड़ित के फोन में संदेश पढ़ने की अनुमति प्राप्त कर लेता है। 'डिजिटल लुटेरा' टूलकिट स्थापित होने के बाद हमलावर अपने उपकरण पर एक विशेष एंड्रॉयड ढांचे के उपकरण का उपयोग कर प्रणाली स्तर की पहचान एवं संदेशों के हेरफेर करते हैं। इसके बाद बैंक के लिए भेजे जाने वाले पंजीकरण संदेशों को बीच में ही पकड़ लिया जाता है और 'वन टाइम पासवर्ड' चुपचाप हमलावरों द्वारा नियंत्रित टेलीग्राम ग्रुप पर भेज दिए जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि फोन के संदेश अभिलेख में 'भेजा गया' जैसे नकली संदेश भी जोड़ दिए जाते हैं ताकि सब कुछ सामान्य दिखाई दे।

इसका परिणाम यह होता है कि पीड़ित का यूपीआई खाता किसी दूसरे उपकरण पर पंजीकृत और नियंत्रित किया जा सकता है जबकि असली सिम कार्ड पीड़ित के फोन में ही रहता है। साइबर खुफिया कंपनी ने कहा कि एंड्रॉयड उपकरण में इस प्रकार की हेरफेर के बाद यूपीआई अनुप्रयोग को यह विश्वास हो जाता है कि सत्यापन के लिए भेजे गए संदेश वास्तव में उसी फोन से भेजे गए हैं।

कच्चा तेल उछलने से फिसला बाजार, सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा, 5.14 लाख करोड़ डूबे

निफ्टी भी 24000 से नीचे आया, विदेशी निवेशकों की निकासी और बैंकों के शेयरों की बिकवाली से बना दबाव

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजारों में बुधवार को बड़ी गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स ने 1,342 अंक का गोता लगाया और एनएसई निफ्टी फिसलकर 24,000 अंक के नीचे आ गया। यह गिरावट एक दिन की बढ़त के बाद आई है। इसके चलते निवेशकों की पूंजी में बुधवार को 5.14 लाख करोड़ रुपये की कमी आई

कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली दबाव से भी बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,342.27 अंक यानी 1.72 प्रतिशत लुढ़क कर 76,863.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 1,446.72 अंक तक की गिरावट आई थी।

बीएसई में सूचीबद्ध 2,380 शेयरों में गिरावट आई जबकि

1,881 शेयर लाभ में रहे। वहीं 153 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है और उतार-चढ़ाव भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की आपूर्ति में प्रभावित होने की आशंका, बढ़ती मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर चिंताएं निवेशकों को सतर्क बनाए हुए हैं। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये में कमजोर रुख ने जोखिम लेने की प्रवृत्ति को और कम कर दिया है।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस में सबसे ज्यादा 5.01 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से

- **बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक में रही गिरावट**
- **सेंसेक्स मंगलवार को 639.82 अंक चढ़कर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ था और निफ्टी भी 233.55 अंक बढ़कर 24,261.60 अंक पर रहा था**

नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ केवल दो शेयर सन फार्मा और एनटीपीसी लाभ में रहे।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा किपिछले सत्र में उछाल के बाद बाजार में फिर से गिरावट शुरू हो गई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी और बैंक, वित्तीय सेवाओं और वाहन शेयरों में बिकवाली के चलते मानक सूचकांक पर दबाव रहा।

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 1.55 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 0.61 प्रतिशत के नुकसान में रहा। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आने वाले समय में, बाजार में सतर्क रुख अपनाये जाने संभावना है।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5.76 प्रतिशत बढ़कर 92.86 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,672.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,333.26 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में, जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए। जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिका बाजार मंगलवार को स्थिर रुख के साथ बंद हुए थे।

सिंगापुर एयरलाइंस की सेल किराया 5,800 रुपये से शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी

सिंगापुर एयरलाइंस की सहायक कंपनी स्कूट ने ''मार्च थीमैटिक सेल'' की घोषणा की है जो 15 मार्च तक चलेगी। ऑफर के तहत भारत से सिंगापुर के लिए इकोनॉमी क्लास का एक तरफ का किराया मात्र 5,800 रुपये से शुरू होता है। सिंगापुर से आगे एशिया-पैसिफिक और अन्य लोकप्रिय शहरों के लिए भी कनेक्टिंग उड़ानें उपलब्ध हैं। ऑफर के तहत हर गंतव्य के लिए अलग-अलग अंतराल होंगे जो 01 अप्रैल से 16 दिसंबर के बीच हैं।

किफायती विमान सेवा कंपनी स्कूट एयर ने बताया कि चेन्नई से सिंगापुर का किराया 5,800 रुपये से शुरू हो रहा है।

तिरुचिरापल्ली से फुकेट का किराया 8,500 रुपये से, तिरुवनंतपुरम से सिडनी का 15,000 रुपये से और विशाखापत्तनम से बैंकॉक का 7,900 रुपये से शुरू होगा। अमृतसर से सेबू का टिकट 11,500 रुपये से और कोयंबटूर से ना त्रांग का 10,500 रुपये से मिलेगा।

अमृतसर और चेन्नई से यात्रा करने वाले यात्री अब स्कूट के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों में 'स्कूटप्लस' का बेहतर अनुभव भी ले सकते हैं। इसके लिए टिकट मात्र 12,900 से शुरू हो रहा है। 'स्कूटप्लस' के अंतर्गत यात्रियों को कई अतिरिक्त सुविधाएं मिलती हैं, जिनमें प्राथमिकता के आधार पर चेक-इन और बोर्डिंग, ज्यादा लेगरूम वाली आरामदायक सीटें, 15 किलोग्राम केबिन बैगेज और 30 किलोग्राम चेक-इन बैगेज की अनुमति शामिल है। अमृतसर से जाने वाले यात्रियों को ऑफर का लाभ 27 अप्रैल से 04 जून और बाद में 06 जुलाई से 24 अक्टूबर तक की यात्रा पर मिलेगा।

मलेशिया एयरलाइंस की भारतीयों के लिए विशेष पेशकश

नयी दिल्ली। मलेशिया एयरलाइंस ने भारत के यात्रियों के लिए विशेष किराये का घोषणा की है। एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ऑफर के तहत 10 मार्च से 23 मार्च तक बुकिंग करायी जा सकती है। यह बुकिंग 18 दिसंबर 2026 तक की यात्रा के लिए होगी। ऑफर के तहत इकोनॉमी क्लास का रिटर्न किराया 20,599 रुपये से शुरू होगा। यात्री मलेशिया एयरलाइंस के नेटवर्क पर कुआलालंपुर, सिंगापुर, ऑकलैंड, सिडनी और अन्य गंतव्यों के लिए टिकट बुक करा सकेंगे।

पौध आधारित उत्पादों के लेबल पर क्यूआर कोड लगाएं कंपनियां : एफएसएसएआई

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बुधवार को पौध आधारित (पौधों से बने) खाद्य निर्माताओं से अपील की कि वे अपने उत्पादों के लेबल पर क्यूआर कोड अपनाएं।

प्राधिकरण ने कहा कि मौजूदा लेबल इतने छोटे होते हैं कि उपभोक्ताओं के लिए उन्हें पढ़ना मुश्किल होता है। प्राधिकरण का मकसद इस तेज़ी से बढ़ते क्षेत्र के प्रति विश्वास पैदा करना है। एफएसएसएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रजित पुन्हानी ने चौथे पौध-आधारित खाद्य सम्मेलन में कहा कि प्राधिकरण

क्यूआर कोड को अनिवार्य नहीं बनाना चाहता, बल्कि चाहता है कि कंपनियां स्वेच्छा से इस तकनीक को अपनाएं, ताकि युवा उपभोक्ता कोड स्कैन करके सामग्री की सूची और पोषण संबंधी जानकारी की पुष्टि कर सकें। पुन्हानी ने कहा- युवा पीढ़ी के उपभोक्ताओं को खासकर कोड स्कैन करके अपनी दैनिक पोषण संबंधी ज़रूरतों की जांच करने से काफी फायदा हो सकता है। पुन्हानी ने स्वीकार किया कि पौध-आधारित आहार के स्वास्थ्य लाभों को लेकर खाद्य उद्योग और चिकित्सा समुदाय, दोनों की ओर से प्राधिकरण पर अलग-अलग तरह का दबाव रहता है। सोशल मीडिया पर फैलने वाली गलत जानकारियों से भी समस्याएं पैदा होती हैं।

एफएसएसएआई ने पौध-आधारित उत्पादों के लिए पहले ही एक खास 'वीगन लोगो' और नियामकीय ढांचा पेश कर दिया है। पुन्हानी ने कंपनियों से उम्मीद जतायी कि वे अपने उत्पादों पर सही जानकारी (सच्चे लेबल) दें और स्वास्थ्य से जुड़े किसी भी दावे के पीछे वैज्ञानिक आधार ज़रूर प्रस्तुत करें।

एफएसीटी को जल्दी मिल सकता है 'मिनी रत्न' का दर्जा

कोच्चि (केरल), एजेंसी। आजादी से पहले गठित देश की प्रमुख उर्वरक आपूर्तिकर्ता कंपनी, उर्वरक और रसायन त्रावणकोर (एफएसीटी) को जल्द 'मिनी रत्न' का दर्जा मिल सकता है।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 66 साल पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (सीपीएसयू) बनी एफएसीटी को मिनी रत्न का दर्जा मिलने में सिर्फ 'प्रक्रियात्मक जरूरतें' बाकी रह गई हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के वित्तीय पुनर्गठन (फाइनेंशियल रिस्ट्रक्चरिंग) का काम भी प्रगति पर है, जिसके पूरा होते ही से उसे यह दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

भर्ती के समय अंग्रेजी दक्षता के आकलन से बढ़ती है कार्यक्षमता: रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत में 98 प्रतिशत मानव संसाधन (एचआर) प्रमुखों का मानना है कि यदि भर्ती के दौरान अंग्रेजी कौशल का बेहतर आकलन किया जाए, तो संगठन अधिक कुशल होंगे। एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विसेज (ईटीएस) की टीओईआईसी ग्लोबल इंग्लिश स्किल्स रिपोर्ट यह भी कहती है कि कृत्रिम मेधा (एआई) खराब अंग्रेजी दक्षता की भरपाई नहीं कर सकता। टोफेल और जीआरई जैसी परीक्षाएं आयोजित करने वाली प्रिंसटन स्थित संस्था ईटीएस ने यह रिपोर्ट भारत में 87 शीर्ष एचआर अधिकारियों के सर्वेक्षण के आधार

पर तैयार की है। यह शोध 17 देशों के 1,325 एचआर अधिकारियों पर किए गए व्यापक सर्वेक्षण का हिस्सा है, जिसमें ब्राजील, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, भारत, जापान, मेक्सिको, मोरोक्को, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, स्पेन, ताइवान, थाइलैंड, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ज्यादातर नियोक्ताओं का मानना है कि पांच साल पहले की तुलना में अब अंग्रेजी दक्षता अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, हालांकि इसके मूल्यांकन की गुणवत्ता और लागत जैसी बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश एचआर प्रमुखों का मानना है कि एआई खराब अंग्रेजी दक्षता का विकल्प नहीं हो सकता, जिससे विश्वसनीय मूल्यांकन की जरूरत और बढ़ जाती है। भारत में 94 प्रतिशत एचआर प्रमुखों का कहना है कि बढ़ते वैश्विक सहयोग ने अंग्रेजी की आवश्यकता को बढ़ा दिया है, जबकि 84 प्रतिशत का मानना है कि अंग्रेजी की कमी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने का कारण बनती है।

बॉब वूमेन सफायर एकाउंट : ऐसा खाता जहां कैंसर भी कवर है

बैंक ऑफ बड़ौदा ने महिलाओं के लिए शुरू किया प्रीमियम बचत खाता, मिलेगा और भी बहुत कुछ

मुंबई। भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने महिलाओं के लिए एक विशेष प्रीमियम बचत खाता बॉब वूमेन सफायर सेविंग एकाउंट का शुभारंभ किया है। यह एक प्रीमियम रेंज का बैंक खाता है जो विशिष्ट वर्ग की महिलाओं को विशेष सुविधाएं प्रदान करता है।

यह खाता 10 लाख तक की कैंसर देखभाल कवरेज योजना, परिवार के छह सदस्यों के लिए निःशुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श तथा दवाओं एवं पैथोलॉजी टेस्ट पर रियायतों सहित सेहत से जुड़े कई लाभ प्रदान करता है। साथ ही श्रेष्ठ बैंकिंग और जीवन शैली से जुड़े लाभ भी इसके खाताधारक को मिलते हैं।

इस खाते के शुभारंभ की घोषणा करते हुए बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. देबदत्त चांद ने कहा कि बॉब वूमेन सफायर बचत खाता सार्थक, महिला-केंद्रित वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा उद्देश्य प्रीमियम बैंकिंग तथा लाइफस्टाइल

जानकारी

सुविधाओं को सेहत से जुड़े फ़ायदों के साथ जोड़ते हुए, महिलाओं की बदलती आकांक्षाओं को पूरा करना है और साथ हीप्रगतिशील महिला वर्ग के साथ हमारा जुड़ाव सुदृढ़ करते हुए जमा संग्रहण पर ध्यान देना है।

यदि आप इस विशेष खाते की सुविधाएं प्राप्त करना चाहती हैं तो इसके लिए आपको खाते में प्रतिमाह कम से कम एक लाख रुपये के लेनदेन का औसत रखना होगा। आइए जानते हैं इस खाते से जुड़ी हर बात जो आपको जाननी चाहिए।

खाते की मुख्य विशेषताएं-

मासिक औसत शेष : 1 लाख

नि :शुल्क कैंसर देखभाल कवरेज* : 10 .00 लाख (18 वर्ष से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए)

सेहत से जुड़े लाभ : परिवार के 6 सदस्यों के लिए नि :शुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श; दवाओं पर 15% तक की रियायत; पैथोलॉजी टेस्ट पर 20% तक की रियायत

बॉब भूमि रुपे सेलेक्ट डेबिट कार्ड–नि :शुल्क कार्ड जारी, घरेलू हवाई अड्डे पर लाउंज एक्सेस, स्वास्थ्य जांच, जिम सदस्यता, स्पा/सैलून, उबर कूपन, ओटीटी सदस्यता

इसके अतिरिक्त कुछ शर्तों के साथ...

बॉब कार्ड टियारा क्रेडिट कार्ड : प्रथम वर्ष के शुल्क में 50% रियायत (रिवॉर्ड पॉइंट के रूप में), नि :शुल्क महिला स्वास्थ्य पैकेज, वैयक्तिक दुर्घटना कवरेज, मिंत्रा, नायका, फ्लिपकार्ट, लेक्मे आदि के वाउचर्स, घरेलू हवाई अड्डे परअसीमित नि :शुल्क लाउंज एक्सेस

गृह ऋण : गृह ऋण प्रोसेसिंग प्रभार पर 50% की रियायत

लॉकर सुविधा : लॉकर प्रभार पर 20 प्रतिशत की रियायत, अधिकतम 500 तक

भारत में गूगल क्रोम में मिलेंगी अंतर्निहित एआई सुविधाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। गूगल ने भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए 'गूगल क्रोम' में अंतर्निहित कृत्रिम मेधा (एआई) सुविधाओं को जोड़ने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इससे इंटरनेट पर खोज का अनुभव उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सहज, सुरक्षित एवं उपयोगी बनेगा। ये 50 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध होंगी जिनमें हिंदी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तेलुगु और तमिल जैसी भारतीय भाषाएं भी शामिल हैं।गूगल आज क्रोम की कई नवीनतम कृत्रिम मेधा सुविधाओं (जिनमें क्रोम में जेमिनी भी शामिल है) को भारत के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा करता है। इसमें कहा गया कि ये सुविधाएं कंपनी के नवीनतम जेमिनी 3.1 मॉडल पर आधारित हैं।

राजकोषीय घाटे के मानकों का पालन करें राज्य : नीति आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग ने बुधवार को राज्यों से राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम के तहत राजकोषीय घाटे से संबंधित मानकों का पालन करने का आग्रह किया। इसके लिए व्यय प्रबंधन में अनुशासन, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) आधार बढ़ाने और कर क्षमता बढ़ाने को कहा गया है। नीति आयोग की ''राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) 2026'' रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों का राजस्व घाटा बढ़ रहा है उन्हें अपने राजस्व व्यय को टिकाऊ राजस्व वृद्धि के अनुरूप रखना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक, राजकोषीय स्थिति के आधार पर शीर्ष 10 राज्यों में ओडिशा, गोवा, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और मध्य प्रदेश शामिल हैं।

वहीं बिहार, कर्नाटक एवं तेलंगाना ने मामूली सुधार दर्ज किया जबकि पंजाब, पश्चिम बंगाल एवं केरल इस सूचकांक में निचले स्थान पर रहे हैं। पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश शीर्ष पर रहा। इसके बाद उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय, असम और मिजोरम का स्थान रहा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के आर्थिक झटके आते हैं, इसलिए मजबूत राजकोषीय स्थिति बनाए रखना जरूरी है।

अमृत विचार

वर्ल्ड ब्रीफ

स्विट्जरलैंड : बस में लगाई आग, छह की मौत, तीन गंभीर

जिनेवा। स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के पश्चिम में स्थित एक शहर में बस में आग लग जाने से छह लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फ्राइबर्ग क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम में स्थित केर्जर्स शहर में मंगलवार शाम हुई यह घटना जानबूझकर किया गया कृत्य हो सकती है। यह क्षेत्रीय परिवहन बस पोस्टबस द्वारा संचालित की जाती है जो राष्ट्रीय डाक सेवा से संबद्ध है। मीडिया में प्रसारित घटनास्थल की तस्वीरों में बस आग की लपटों से घिरी नजर आ रही है। क्षेत्रीय सरकार ने कहा, मौके पर पहुंचे बचाव दलों ने पाया कि वाहन आग की लपटों में घिरा हुआ था। हेलीकॉप्टर दलों ने तीन गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

अमेरिका : पत्नी के हत्यारोपी भारतीय पर 10 लाख डॉलर इनाम

न्यूयॉर्क। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पत्नी की हत्या के आरोपी भारतीय नागरिक के बारे में सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। उस पर पहले 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम घोषित था। भद्रेशकुमार चेतनभाई पटेल (35) पर आरोप है कि उसने 12 अप्रैल 2015 को मैरीलैंड के हैनोवर में चाकू से कई बार वार कर अपनी पत्नी पलक पटेल (21) की हत्या कर दी। यह वारदात उस दुकान में हुई जहां दोनों काम करते थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि पटेल ने देर रात दुकान के पिछले कमरे में अपनी पत्नी पर कई बार चाकू से वार किया और फिर पीछे के दरवाजे से भाग गया। भद्रेश एफबीआई की 10 सर्वाधिक वांछित अपराधियों की सूची में शामिल है।

सूडान : स्कूल पर ड्रोन हमले में 17 की मौत अधिकतर छात्राएं

काहिरा। दक्षिणी सूडान के एक माध्यमिक विद्यालय और एक स्वास्थ्य केंद्र पर बुधवार को एक विस्फोटक से भरे ड्रोन हमले में 17 से ज्यादा लोग मारे गए। मरने वालों में अधिकतर स्कूली छात्राएं थीं। अस्पताल के एक अधिकारी और एक चिकित्सा समूह ने यह जानकारी दी। गांव के सबसे नजदीक स्थित प्रमुख चिकित्सा सुविधा केंद्र दुइम अस्पताल के निदेशक डॉ. मूसा अल-मजेरी के अनुसार, हमले में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराकर चिकित्सीय सुविधा दी जा रही है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि हमला किसने किया। अधिकारियों के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

नेपाल: आरएसपी को पीआर श्रेणी में भी सर्वाधिक वोट

- एक करोड़ से ज्यादा वोटों में से पार्टी को मिले 50% से ज्यादा

काठमांडू। नेपाल में आनुपातिक प्रतिनिधित्व श्रेणी (पीआर) के तहत मतों की गिनती बुधवार को समाप्त हो गई, जिसमें राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को सबसे अधिक मत मिले। निर्वाचन आयोग की बुधवार को इस संबंध में आंकड़े साझा किए गए।

नेपाल की प्रतिनिधि सभा में 275 सीट हैं। इनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली और 110 सदस्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से चुने जाते हैं। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, मतगणना पूरी हो चुकी है। हालांकि, अंतिम परिणाम अभी प्रकाशित नहीं किए गए हैं क्योंकि आंकड़े दर्ज किए जाने का काम अभी जारी है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कुल 1,07,85,876 मतों की गिनती हुई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 51,57,130 वोट मिले, जबकि नेपाली कांग्रेस को 17,55,872 मत प्राप्त हुए। सीपीएन (यूएमएल) को 14,52,758 मत जबकि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 8,09,577 मत मिले। श्रम संस्कृति पार्टी को 3,85,741 मत और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को 3,30,268 मत मिले। नेपाल में पांच मार्च को हुए प्रत्यक्ष मतदान में आरएसपी ने 165 में से 125 सीट जीतकर इतिहास रच दिया। नेपाली कांग्रेस ने 18, सीपीएन (यूएमएल) ने नौ, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने सात, श्रम संस्कृति पार्टी ने तीन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने एक और निर्दलीय ने एक सीट जीती।

युद्ध में बढ़ती क्रूरता

सफेद फॉस्फोरस का बेरूत में प्रयोग

ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध के बीच इजराइल की ओर से लेबनान के बेरूत में सफेद फॉस्फोरस के इस्तेमाल दुनिया भर में युद्धों में बढ़ती क्रूरता को लेकर फिर नई चिंता पैदा की है। अंतर्राष्ट्रीय नियमों की अनदेखी कर युद्धों में क्रूरता दिखाने के मामले नए नहीं हैं। इसी युद्ध में ईरान के मिनाब शहर में बच्चियों के एक स्कूल पर मिसाइल हमला भी ऐसी ही क्रूरता का एक उदाहरण है, जिसमें पांच से 12 साल की 165 बच्चियों की मौत हो गई थी। अतीत में भी सैन्य संघर्षों के दौरान कई बार क्रूरता की हदें पार करके मानवता को शर्मसार किया गया है। विडंबना यह है कि कूरता को रोकने और इसके लिए जिम्मेदार देशों की जवाबदेही तय करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का प्रभाव भी हाल के वर्षों में काफी कम हुआ है। इन परिस्थितियों ने दुनिया के सामने एक नए तरह का खतरा पैदा किया है।

सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग

- सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग नागरिक आबादी वाले क्षेत्रों में 'कन्वेंशन ऑन सर्टेन कन्वेंशनल वेपन्स' के प्रोटोकॉल के तहत कड़ाई से नियंत्रित है।
- इसका प्रयोग पहले भी कई और सैन्य संघर्षों में हुआ है और दुनिया के मानवाधिकार संगठनों ने समय-समय पर इस पर गंभीर चिंता जताई है।
- सफेद फॉस्फोरस रासायनिक पदार्थ है जो ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर स्वत: जल उठता है और बहुत उच्च तापमान पैदा करता है।
- इसके संपर्क में आने पर गहरे घाव हो सकते हैं, आंतरिक अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसका धुआं फेफड़ों-आंखों के लिए खतरनाक।

क्रूरता के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय ढांचा

- जिनेवा कन्वेंशन युद्ध के दौरान घायलों, बीमारों, युद्धबंदियों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए बुनियादी नियम निर्धारित करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही तय करता है।
- रासायनिक हथियार कन्वेंशन युद्ध में उन हथियारों के उपयोग को प्रतिबंधित करते हैं जो अनावश्यक पीड़ा का कारण बनते हैं।
- रोम स्टैच्यूट संधि युद्ध अपराधों को परिभाषित करती है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर न्याय सुनिश्चित करने का आधार प्रदान करती है।
- संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय जैसी संस्थाएं काम करती हैं, दोषियों पर युद्ध अपराध का मुकदमा चलाती हैं।

अमानवीय

महिलाओं-बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा को युद्ध की रणनीति के रूप में इस्तेमाल करना। सार्वजनिक रूप से हत्या करना और प्राचीन स्मारकों, पुस्तकालयों, धार्मिक स्थलों को नष्ट करना।

युद्ध में नए प्रयोग

- सीरिया, यूक्रेन,गाजा में अस्पतालों स्कूलों पर हवाई हमले जो नागरिकों के लिए अंतिम शरणस्थली थे।
- सीरिया में सरीन गैस का इस्तेमाल या घनी आबादी वाले क्षेत्रों में क्लस्टर बम, सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग।
- भोजन, पानी, दवाइयों की आपूर्ति काट देना ताकि भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

दुनिया में ऐतिहासिक नरसंहार

- द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी ने लाखों यहूदियों और अल्पसंख्यकों का कत्लेआम किया, जो क्रूरता का सबसे वीभत्स उदाहरण माना जाता है।
- जापान की सेना ने 1937 में चीनी नागरिकों के साथ अत्यधिक बर्बरता के साथ सामूहिक हत्याएं की थीं जो नानजिंग के नरसंहार के नाम से मशहूर है।
- वर्ष 1994 में हुआ रवांडा नरसंहार जिसमें मात्र 100 दिनों के भीतर 8 लाख लोगों की नृशंस हत्या की गई, पड़ोसियों ने ही एक-दूसरे पर हमला किया।

एलपीजी : कमी न होने के दावों के बीच देश भर में हाहाकार

सिलेंडर के लिए कहीं लंबी कतारें तो कहीं ब्लैक के आरोप, विपक्ष ने लगाए सरकार पर गुमराह करने के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार की ओर से घरेलू गैस (एलपीजी) और पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी न होने के लगातार दावों के बीच देश भर में हाहाकार मचा हुआ है। एलपीजी संकट के कारण एक तरफ होटल और रेस्टोरेंट उद्योग ठप होने के कगार पर पहुंच गया है तो दूसरी तरफ घरेलू सिलेंडरों के लिए गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लग रही हैं। लोग घरेलू गैस की ब्लैक के भी आरोप लगा रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां एसोसिएशन ने कहा है कि दिल्ली में नियमित एलपीजी आपूर्ति न होने से कुछ रेस्टोरेंट पाइप से होने वाली रसोई गैस आपूर्ति और इंडक्शन कुकिंग जैसे विकल्प अपना रहे हैं। कई रेस्तरां ऐसे व्यंजन को बढ़ावा दे रहे हैं जिनमें कम गैस खपत होती है। कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कई शहरों में बुधवार को रसोई गैस एजेंसियों के कार्यालयों और ऑटो के लिए एलपीजी गैस भरवाने वाले केंद्रों पर लंबी कतारें नजर आईं। रांची समेत झारखंड के भी कई जिलों में यही हाल है। गैस एजेंसियों के ऑफिस में सिलेंडर की बुकिंग के लिए लोगों की भीड़ लगी हुई है। यहां सुबह से ही लंबी कतारें लग गई थीं। गैस सिलेंडर को लेकर एजेंसी और उपभोक्ताओं के बीच नोकझोंक भी हो रही है।

केरल में कई शहरों में होटलों को बंद कर दिया गया है। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एलपीजी वितरकों और डीलरों को कालाबाजारी या उपभोक्ताओं को 'ब्लैकमेल' करने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। दरअसल, सरकार को शिकायतें मिली हैं कि कुछ एलपीजी डीलर डिलीवरी में देरी करके हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने सभी ऑयल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देश दिए कि राज्य में एलपीजी संकट न होने दिया जाए।

प्रयागराज में एक गैस एजेंसी के बाहर बुधवार को सिलेंडर रिफिल कराने वालों की कतार।

देश में एकाएक कई गुना बढ़ी बिजली के चूल्हों और केतलियों की बिक्री

नई दिल्ली। रसोई गैस के संकट के बीच देश में बिजली के चूल्हों (इंडक्शन) और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री में भारी उछाल आया है। टाटा समूह की कंपनी क्रोमा ने पिछले कुछ दिनों में चूल्हों की मांग में तीन गुना वृद्धि दर्ज की है, जबकि 'पिजन' ब्रांड बनाने वाली कंपनी स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड की औसत साप्ताहिक ऑनलाइन बिक्री चार गुना बढ़ गई है। इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड (क्रोमा) के सीईओ और एमडी शिबाशीष रॉय ने कहा, पिछले कुछ दिन में बिजली के चूल्हों की मांग में अचानक तेजी आई है जो लगभग तीन गुना बढ़ गई है।ग्राहक एक बार में कई चूल्हे खरीद रहे हैं। इलेक्ट्रिक केतली की मांग भी लगभग दोगुनी हो गई है। अमेजन इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि दो दिन में इंडक्शन चूल्हों की बिक्री 30 गुना बढ़ गई है, जबकि चावल पकाने वाला कुकर और इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर की बिक्री में चार गुना उछाल आया है। एयर फ्रायर और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री भी दोगुनी हो गई है।

रांची में बच्चे के साथ सिलेंडर लेने आई महिला।

चेन्नई में होटलों-रेस्तरां ने छुट्टी घोषित की

चेन्नई। चेन्नई और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में संचालित होटलों और रेस्तरां के एक वर्ग ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति न होने के कारण बुधवार को छुट्टी घोषित कर दी। सुबह-सुबह चाय-कॉफी के लिए पहुंचे ग्राहक होटलों के बंद होने पर निराश हो गए। शहर के एक लोकप्रिय होटल में बुधवार को लगे नोटिस में लिखा था, एलपीजी आपूर्ति न होने के कारण 11 मार्च 2026 को छुट्टी घोषित की गई है। वहां कॉफी पीने आए एक निवासी ने तियागराया नगर स्थित होटल में छुट्टी घोषित होने के बाद कहा, अगर वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की यही स्थिति रही तो घरेलू एलपीजी आपूर्ति पर भी इसका असर पड़ सकता है।

पुडुचेरी के होटलों में शुरू हुआ लकड़ी का चूल्हा

पुडुचेरी। एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने के कारण पुडुचेरी में होटलों के बंद होने का खतरा पैदा हो गया है क्योंकि इस पर्यटन केंद्र में वैकल्पिक कदम हालात से निपटने में मददगार नहीं हो सकते। होटल्स एसोसिएशन के एक प्रवक्ता ने कहा कि अब असहाय स्थिति हो गई है। अधिकतर होटल ने या तो लकड़ी जलाकर खाना बनाना शुरू कर दिया है या कामकाज के घंटे कम कर दिए हैं और कुछ होटल इलेक्ट्रिक कुकर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा हो, प्रधानमंत्री जवाब दें: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध के बारे में पूर्वानुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है।

ममता ने कहा- योजना बनाए बगैर केंद्र ने लगाए प्रतिबंध

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार को ऊर्जा आपूर्ति में मौजूदा व्यवधानों के मद्देनजर पाबंदी लगाने से पहले देश में एलपीजी, तेल और गैस के पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने चाहिए थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को पहले एलपीजी, तेल और गैस के पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने चाहिए थे। उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए उचित योजना बनाए बिना प्रतिबंध लगा दिए हैं। केंद्र ऊर्जा संकट को सुलझाने के बजाय राजनीति पर अधिक ध्यान दे रहा है।

एक करोड़ लोगों के बेरोजगार होने का खतरा : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत है और इस वजह से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश बहुत गंभीर संकट से गुजर रहा है। पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत हो गई है। हमारे देश में एलपीजी के उत्पादन में 50 फीसदी की कमी आ गई है। देश में एलपीजी का 60 फीसदी आयात होता है। इसमें 90 फीसदी एलपीजी स्टेट ऑफ हॉर्मुज से आती है जो भारत के लिए बंद कर दिया गया है। इस संकट का सबसे बड़ा खामियाजा रेस्टोरेंटों, होटलों को भुगतना पड़ रहा है।

विपक्ष अब ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देगा नोटिस

लोकसभा के 120, राज्यसभा के 60 सदस्यों ने किए हस्ताक्षर, पक्षपात और भेदभाव का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पक्षपात और भेदभाव करने सहित कई आरोपों को लेकर पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस के लिए विपक्ष ने आवश्यक हस्ताक्षर एकत्र किए हैं और अगले एक-दो दिन में संसद के दोनों सदनों में इसे पेश करने की तैयारी है।

एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि हस्ताक्षर एकत्र करने का काम पूरा कर लिया गया है और नोटिस बृहस्पतिवार को दिए जाने की संभावना है। विपक्ष के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा कि नोटिस बृहस्पतिवार या

- इंडिया गठबंधन में शामिल न होने के बावजूद आप ने भी किए हस्ताक्षर

शुक्रवार को दोनों सदनों में दिया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम तक लगभग 120 सांसदों ने लोकसभा में दिए जाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं और लगभग 60 सांसदों ने उच्च सदन में दिए जाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक, लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला नोटिस और राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर नोटिस देना होता है।

सूत्रों ने बताया कि नोटिस पर 'इंडिया' गठबंधन के सभी घटक दलों के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि वह अब आधिकारिक तौर पर इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

किसी सीईसी को हटाने के लिए पहली बार प्रस्ताव

यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने के लिए कोई नोटिस दिया जा रहा है। विपक्षी दलों ने कई मौकों पर सीईसी पर सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है। विपक्ष एसआईआर की कवायद को लेकर पिछले कुछ महीनों से उन पर लगातार निशाना साधता रहा है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर का उद्देश्य भाजपा की मदद करना है। सीईसी को पद से हटाने का नोटिस संसद के किसी भी सदन में दिया जा सकता है और इसे अवश्य ही विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, जो सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उपस्थित एवं मतदान में हिस्सा लेने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए।

अमेरिका में 300 अरब डॉलर की पहली रिफाइनरी में साझेदार होगी रिलायंस

- ट्रंप ने कहा- अमेरिका फर्स्ट के एजेंडे के तहत ऐतिहासिक डील

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है उनके देश में पचास साल बाद बनने वाली 300 अरब डॉलर की पहली तेल रिफाइनरी में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह साझेदार होगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पेज ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी दी है।

उन्होंने कहा, इस ज़बरदस्त निवेश के लिए भारत में हमारे साझेदार और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, रिलायंस को धन्यवाद। ट्रंप ने कहा, अमेरिका असली ऊर्जा प्रभुत्व की ओर लौट रहा है, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग, ब्राउन्सविले, टेक्सास में 50 साल में पहली नई अमरीकी तेल रिफाइनरी खोल रही है। यह एक ऐतिहासिक 300 अरब डॉलर की डील है, अमरीकी इतिहास की सबसे बड़ी, अमेरिकी लोगों, ऊर्जा और दक्षिण टेक्सास के लोगों के लिए एक बड़ी जीत।

उन्होंने कहा, यह हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडा, परमिट को आसान बनाने और कर कम करने की वजह से है, हमारे देश में अरबों डॉलर की डील वापस आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ब्राउन्सविले पोर्ट पर एक नई रिफाइनरी, अमरीकी बाजार को बढ़ावा देगी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपके काम अपेक्षाकृत तीव्र गति से पूर्ण होंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। बच्चों की प्रगति से उत्साहित रहेंगे।

तुला – आज व्यर्थ की गतिविधियों में समय बर्बाद न करें। आलस्य के कारण काम बिगड़ सकते हैं। शुगर के रोगी अपने खानपान पर ध्यान दें।

वृष – आज स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम सा हो सकता है। सफलता प्राप्त करने हेतु शॉर्टकट अपना सकते हैं। कुछ लोग आपकी आलोचना करेंगे।

वृश्चिक – आज आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। अपनी मेहनत और क्षमताओं पर विश्वास रखें। प्रेम विवाह को पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

मिथुन – आज आप काफी नए विचारों के प्रभाव में रहेंगे। विवाह संबंधी चर्चाएं कर सकते हैं। बैंकिंग से जुड़े लोगों को प्रमोशन मिल सकता है।

धनु – आज आपकी आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। संतान की प्रगति से उत्साहित रहेंगे। आपके ऊपर काम का अत्यधिक दबाव रहेगा।

कर्क – आज आपके काम की गुणवत्ता बढ़ेगी। नई विधाओं को सीखने का प्रयास करें। पुराने लंबित मामलों में जीत मिल सकती है।

मकर – आज उधार लेन-देन से आपको बचना चाहिए। किसी से अधिक बहस न करें। अटका हुआ धन आपको मिल सकता है।

सिंह – आज कारोबार में बड़ा लाभ अर्जित कर सकते हैं। अधिकारों में वृद्धि होगी। भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं।

कुंभ – आज कार्यक्षेत्र में आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने वाली हैं। किसी समस्या का समाधान मिलेगा। दूसरों पर निर्भर न रहे।

कन्या – आज लेखन व मीडिया से जुड़े कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक तनाव में कमी आएगी। काम की बारीकियों में ध्यान देंगे।

मीन – आज नए व्यवसाय पर धन निवेश कर सकते हैं। अपने कर्म पर विश्वास रखें। आय और व्यय में संतुलन रहेगा।

उत्तर कोरिया ने किया क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

प्योंगयांग, एजेंसी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए युद्धपोत से किए गए क्रूज मिसाइल परीक्षण का निरीक्षण किया। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया से 11 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' शुरू किया है।

उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास का कड़ा विरोध कर रहा है। सरकारी मीडिया के अनुसार, मिसाइलों का प्रक्षेपण नए 5,000 टन वर्ग के ''चोए ह्योन'' विध्वंसक युद्धपोत से नाम्पो तट के पास किया गया, जहां जहाज के प्रदर्शन परीक्षण चल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मिसाइलें करीब 2 घंटे 50 मिनट तक तय मार्ग पर उड़ती रहीं और कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के पास पीले सागर के ऊपर से गुजरते हुए अपने निर्धारित लक्ष्यों को भेद दिया। समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम जोंग उन ने अपनी किशोर बेटी के साथ एक

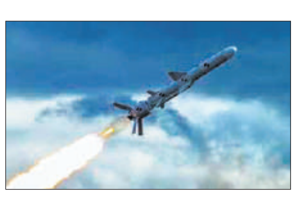

- अमेरिका-दक्षिण कोरिया संयुक्त सैन्य अभ्यास पर नाराजगी

गुप्त स्थान से वीडियो लिंक के जरिए इस परीक्षण को देखा।

क्रूज मिसाइलें पीले सागर के ऊपर निर्धारित उड़ान मार्ग से गुजरते हुए अपने तय लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक पहुंचीं। एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा कि देश की युद्ध प्रतिरोध क्षमता के विभिन्न घटकों को अब लगातार और तेज गति से एक अत्याधुनिक परिचालन प्रणाली में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की परमाणु ताकत अब बहुआयामी संचालन के नए चरण में प्रवेश कर चुकी है।

बाल से 10 गुना पतला, स्टील से 10 गुना मजबूत फाइबर

- चीन ने बेहद शक्तिशाली कार्बन फाइबर पेश किया

बीजिंग। चीन ने घरेलू स्तर पर विकसित और बेहद शक्तिशाली टी1200 कार्बन फाइबर बना लिया है। इसका अंतरिक्ष और मानव रोबोट क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाएगा।

इस फाइबर का व्यास मानव बाल के दसवें हिस्से से भी कम है, फिर भी इसकी मजबूती स्टील की तुलना में 10 गुना अधिक है और इसका घनत्व स्टील के घनत्व का एक-चौथाई है। हाई-टेक उद्योगों में इसे अपनाने की गति तेज होने की उम्मीद है। इसके निर्माता 'चीन नेशनल बिल्डिंग मटेरियल ग्रुप कंपनी लिमिटेड' के अनुसार, कंपनी इस केबल के सौ टन की वार्षिक उत्पादन की क्षमता हासिल कर ली है। इसके साथ ही चीन इस स्तर के फाइबर का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन करने वाला पहला देश बन गया है।

सुप्रीम कोर्ट सख्त | विशेषज्ञों की समिति के अनुमोदित करने तक पाठ्यपुस्तक में शामिल न करने का आदेश

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर दोबारा लिखा अध्याय

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह एनसीईआरटी के इस रुख से चिंतित है कि 8वीं की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार संबंधी आपत्तिजनक सामग्री वाले अध्याय को उचित रूप से फिर लिखा गया है। कोर्ट ने एनसीईआरटी के निदेशक के हलफनामे का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि संशोधित अध्याय शैक्षणिक सत्र 2026-27 से पढ़ाया जाएगा।

जांच होने तक अध्याय पुस्तक में नहीं होगा शामिल

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को आश्वासन दिया कि जब तक विशेषज्ञों की समिति न केवल इस अध्याय की बल्कि सभी अध्यायों की जांच नहीं कर लेती, तब तक इसे पाठ्यपुस्तक में शामिल नहीं किया जाएगा। विधि अधिकारी ने पीठ को आश्वस्त किया कि विशेषज्ञों की समिति के जांच किए बिना कुछ आगे नहीं बढ़ेगा। एनसीईआरटी के निदेशक प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सकलानी ने अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि इस अध्याय का मसौदा तैयार करने वाले लेखकों का अब एनसीईआरटी की किसी भी गतिविधि से कोई संबंध नहीं होगा।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा, हम एनसीईआरटी के निदेशक के हलफनामे के पैरा 15 में व्यक्त किए गए रुख से भी उतने ही चिंतित हैं। पीठ ने निर्देश दिया कि यदि पाठ्यपुस्तक के अध्याय 4 को किसी भी प्रकार से फिर से लिखा गया है तो उसे तब तक प्रकाशित नहीं किया जाएगा जब तक कि उसे संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों वाली एक समिति अनुमोदित नहीं कर देती। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे हलफनामे या किसी अन्य माध्यम से यह जानकारी नहीं दी गई है कि वे विषय विशेषज्ञ कौन हैं जिन्होंने अध्याय को दोबारा लिखा है और किसने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के पाठ्यक्रम में इसे शामिल करने को मंजूरी दी है।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

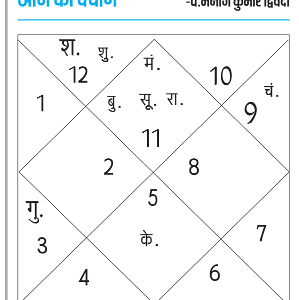

आज की ग्रह स्थिति : 12 मार्च, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी पूर्ण रात्रि तक।

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 13 मार्च 00.43 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

सुडोकू - 85 का हल

1	5	9	3	7	4	8	2	6
4	2	8	9	6	5	1	3	7
6	3	7	2	8	1	4	9	5
7	8	3	1	9	6	5	4	2
2	9	4	8	5	7	6	1	3
5	1	6	4	2	3	9	7	8
3	4	2	5	1	8	7	6	9
8	7	1	6	3	9	2	5	4
9	6	5	7	4	2	3	8	1

सुडोकू -86

		4				2		
1			8		5		3	
	9			3	4			
	2		9			6		
6		3						4
				6	1		2	
			7					6
	4		1		6			
		6				9		

“ मुझे फीफा ईरान की राष्ट्रीय टीम को अमेरिका आने और लगभग तीन महीने में शुरू होने वाले विश्व कप में खेलने की अनुमति देगा, भले ही दोनों देशों के बीच युद्ध जारी हो। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। ऐसे में ईरान को रोकना गलत होगा। – जियानी इन्फेंटिनो

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 12 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

2025 बीसीबी चुनावों की जांच के लिए कमेटी बनाई गई

ढाका, एजेंसी : नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) ने बुधवार को बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड के 2025 के चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यों वाली एक इंडिपेंडेंट जांच कमेटी बनाई। एनएससी ने एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन के जरिए इस फैसले की घोषणा तमीम इकबाल द्वारा पिछले साल के बीसीबी चुनावों की जांच के लिए एक रिक्वेस्ट करने के कुछ दिनों बाद की, जिसमें दावा किया गया था कि राजधानी के 76 में से 50 क्लबों ने जांच की मांग का समर्थन किया था। र सालेह अकरम सम्राट हैं। कमेटी शिकायतों से जुड़े डॉक्यूमेंट और सबूत इकट्ठा करेगी और चुनाव प्रक्रिया में शामिल संबंधित लोगों और ऑर्गनाइज़ेशन से बयान लेगी। यह जांच करेगी कि क्या काउंसलर नॉमिनेशन प्रक्रिया बीसीबी संविधान और लागू कानूनों और नियमों के अनुसार की गई थी।

देवेंद्र फडणवीस ने सूर्यकुमार- शिवम दुबे को सम्मानित किया

मुंबई, एजेंसी : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में भारत के रिकॉर्ड तीसरे टाइटल जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को सम्मानित किया। मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक भी इस मौके पर मौजूद थे, जब मुंबई की इस जोड़ी को टाइटल जीतने वाले कैंपेन में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया। भारत ने गत रविवार को अहमदाबाद में फ़ाइनल में न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार खिताब जीता था। शिवम दुबे के लिए मुंबई पहुंचना एक दिलचस्प घटना रही। हवाई यात्रा उपलब्ध न होने के कारण शिवम थ्री टियर एसी से सफर कर मुंबई पहुंचे।

ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को शरण

गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी : ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने बुधवार को कहा कि ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को ऑस्ट्रेलिया में शरण दी गई है। बर्क ने कैनबरा में पत्रकारों को बताया कि ईरान की पांच खिलाड़ियों को पहले ही मानवीय आधार पर वीजा दिया गया था। अब इन महिला सदस्यों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। उन्होंने कहा कि टीम की जिन नयी दो सदस्यों को शरण दी गई है उनमें एक खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ की सदस्य है। इन दोनों ने उनकी टीम के अन्य सदस्यों को हवाई अड्डा ले जाने से पहले ही शरण मांगी थी। टीम के बाकी सदस्य सिडनी से ईरान जाने वाली उड़ान में मंगलवार देर रात सवार हुए। इस बीच टीम के होटल में काफी गहमागहमी रही। यहां बता दें कि ट्रंप नें कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया से इरान की इच्छुक महिला खिलाड़यों को शरण देने के लिए कहा था।

पहले 20 मैचों के लिए आईपीएल 2026 का कार्यक्रम घोषित, रिकॉर्ड 84 मैच होंगे

चैम्पियन आरसीबी व एसआरएच के बीच उद्घाटन मुकाबला

मुंबई, एजेंसी

आईसीसी टी20 विश्व कप में तीसरी खिताबी जीत की खुमारी अभी टीम इंडिया के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के सिर चढ़ी हुई है, तभी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दुनिया की सर्वाधिक लोकप्रिय क्रिकेट लीग यानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का बुखार चढ़ा दिया। इस क्रम में आईपीएल के पहले 20 मैचों की घोषणा कर दी गई है। तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद पूरा कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। कुल 84 मैच खेले जायेंगे।

शुरुआती 20 मैचों के शेड्यूल पर गौर करें तो मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ पहले मैच से सीजन की शुरुआत करेगी। हालांकि, आरसीबी के सभी घरेलू मैचों के लिए विशेषज्ञ समिति से मंजूरी मिलना जरूरी है। आईपीएल 2025 के पंजाब किंग्स का पहला मैच 31 मार्च को मुल्लांपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ होगा। पांच बार का पूर्व चैम्पियन मुंबई इंडियंस 29 मार्च, रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण खिलाड़ियों की यात्रा के इंतजामों को लेकर बनी चिंताओं के बीच फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम घोषित किया है। पिछले सत्र में स्टेडियम में हुई भगदड़ को ध्यान में रखते हुए यह समिति 13 मार्च को बैठक में टूर्नामेंट की तैयारियों का आकलन करेगी। पूरे टूर्नामेंट का कार्यक्रम तब घोषित किया जाएगा जब तीन राज्यों तमिलनाडु, असम और पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों की तारीख घोषित हो जाएंगी। बीसीसीआई के अधिकारियों के दिमाग में राज्य चुनावों के अलावा पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष भी सबसे अहम होगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का असर अंतर्राष्टीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे प्रमुख हवाई अड्डों जैसे दोहा और दुबई में संचालन पर भारी प्रतिबंध लगने से कई उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप समाप्त होने के एक सप्ताह बाद भी अपने देश नहीं लौट पाए हैं। अब यह देखना बाकी है कि इन दोनों देशों के खिलाड़ी आईपीएल टीमों से समय पर जुड़ पाते हैं या नहीं।

पहले 20 मैचों का शेड्यूल

28 मार्च : रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (बेंगलुरु)।

29 मार्च : मुंबई इंडियंस बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स (मुंबई)।

30 मार्च : राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स (गुवाहाटी)।

31 मार्च (मंगलवार) : पंजाब किंग्स बनाम गुजरात टाइटंस (मुल्लांपुर)।

1 अप्रैल : लखनऊ सुपर जाएंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स (लखनऊ)।

2 अप्रैल (गुरुवार) : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (कोलकाता)।

3 अप्रैल (शुक्रवार) : चेन्नई सुपर किंग्स बनाम पंजाब किंग्स (चेन्नई)।

4 अप्रैल (शनिवार) : दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस (दिल्ली)।

4 अप्रैल : गुजरात टाइटंस बनाम राजस्थान रॉयल्स (अहमदाबाद)।

5 अप्रैल : सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जाएंट्स (हैदराबाद)।

5 अप्रैल : रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम चेन्नई सुपर किंग्स (बेंगलुरु)।

6 अप्रैल : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम पंजाब किंग्स (कोलकाता)।

7 अप्रैल : राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस (गुवाहाटी)।

8 अप्रैल (बुधवार) : दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात टाइटंस (दिल्ली)।

9 अप्रैल : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम लखनऊ सुपर जाएंट्स (कोलकाता)।

10 अप्रैल : राजस्थान रॉयल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (गुवाहाटी)।

11 अप्रैल : पंजाब किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (मुल्लांपुर)।

11 अप्रैल : चेन्नई सुपर किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स (चेन्नई)।

12 अप्रैल : लखनऊ सुपर जाएंट्स बनाम गुजरात टाइटंस (लखनऊ)

12 अप्रैल (रविवार) : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (मुंबई)।

अभिषेक, किशन बल्लेबाजी में पहले दो स्थान पर पहुंचे

टी-20 रैंकिंग

- अफगानिस्तान के राशिद खान 753 अंकों के साथ विश्व के नंबर एक गेंदबाज बने

दुबई, एजेंसी

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने वाले ईशान किशन ने टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर बुधवार को जारी की गई खेल के छोटे प्रारूप की अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है और वह शीर्ष पर काबिज अभिषेक शर्मा से केवल चार अंक पीछे हैं।

टी20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक दुनिया के पहले नंबर के बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके साथी बाएं हाथ के बल्लेबाज किशन टूर्नामेंट में 317 रन बनाने के बाद दो पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। अब वह अभिषेक के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। किशन (871 अंक) ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की और अब वह अभिषेक (875 अंक) से सिर्फ चार रेटिंग अंक पीछे हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट (चार पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और इंग्लैंड के जैकब बेथेल (17 पायदान ऊपर 16वें स्थान पर) ने भी टी20 विश्व कप में कुछ शानदार पारियों के दम पर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन (सात पायदान की छलांग से 20वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ जिन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में शतक बनाकर पुरुष टी20 विश्व कप में अब तक के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। वहीं भारतीय सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर संजू सैमसन (18 पायदान की छलांग से 22वें स्थान पर) और शिवम दुबे (चार पायदान ऊपर 27वें स्थान पर) ने भी टूर्नामेंट में शानदार पारियों की बदौलत बल्लेबाजी रैंकिंग में काफी सुधार किया। गेंदबाजों की रैंकिंग में हालांकि बदलाव आया है। टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान से हट गए हैं और उनकी जगह अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। चक्रवर्ती के 740 रेटिंग अंक है और वह राशिद (753) के बाद दूसरे स्थान पर हैं> विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद जिन अन्य गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है उनमें आदिल रशीद (एक पायदान ऊपर चौथे स्थान पर), जसप्रीत बुमराह (एक पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और अक्षर पटेल (छह पायदान ऊपर 17वें स्थान पर) शामिल हैं। टी20 में ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी मुकाबला काफी कड़ा है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा और भारत के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और वे पहले दो स्थान पर काबिज हैं।

बायर्न म्यूनिख और एटलेटिको मैड्रिड की बड़ी जीत, लिवरपूल हारा, बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

पेरिस, एजेंसी

बायर्न म्यूनिख और एटलेटिको मैड्रिड ने बड़ी जीत हासिल करके चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए लेकिन लिवरपूल और बार्सिलोना को अब भी कड़ी मेहनत करनी होगी। बायर्न म्यूनिख ने अटलांटा को 6-1 से करारी शिकस्त दी, जबकि टीम के शीर्ष गोल स्कोरर हैरी केन इस मैच में नहीं खेल रहे थे। इस सत्र में अब तक 47 गोल करने वाले केन इस मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति में माइकल ओलिस ने दो गोल किए।

सर्ज ग्नाब्री, निकोलस जैक्सन, जोसिप स्टैनिसिक और जमाल मुसियाला ने एक-एक गोल किया। दूसरी तरफ एटलेटिको मैड्रिड ने टॉटनहम को 5-2 से पराजित किया।

टॉटनहम के कोच इगोर ट्यूडर ने पहले नंबर के गोलकीपर गुगिलएल्मो विकारियो को बाहर रखने का फैसला किया जो टीम को भारी पड़ा क्योंकि एटलेटिको ने 15 मिनट के भीतर ही 3-0 की बढ़त बना ली थी। लिवरपूल को गैलाटासराय ने 1-0 से हराया। उसे अब अगले सप्ताह एनफील्ड में होने वाले दूसरे चरण के मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। बार्सिलोना की टीम भी जूझती हुई नजर आईं। उसने खेल के अंतिम क्षणों में लामिन यामल के पेनल्टी पर किए गोल की मदद से न्यूकैसल के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

यानिक सिनर क्वार्टर फाइनल में

इंडियन वेल्स, एजेंसी: दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की।

केर की हैट्रिक, न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे का किया सूपड़ा साफ

डुनेडिन, एजेंसी

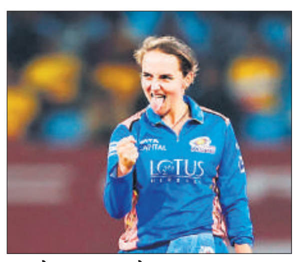

अमेलिया केर (80 रन /पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया। प्लेयर ऑफ द मैच अमेलिया केर ने हैट्रिक बनाई। केर ने यूनिवर्सिटी ओवल में जबरदस्त ऑल-राउंड प्रदर्शन किया, उन्होंने 80 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 303/6 का बड़ा स्कोर बनाया। केर के अलावा मैडी ग्रीन ने 73 गेंदों में (94), ब्रूक हॉलीडे ने (40) रनों का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के लिए क्रिस्टाबेल चैटोंजवा ने 48 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि टेंडाई मकुशा, एडेल ज़िमुनु और प्रेशियस मारेंज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेलिया केर ने फिर गेंदबाजी करते हुए हैट्रिक लगाकर जिम्बाब्वे के पांच विकेट झटके। पिछले मैच में उन्होंने शानदार सात विकेट लिए थे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 27.1 ओवर में 103 रनों पर समेट कर 200 रनों से यह मुकाबला अपने नाम किया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 3.1 ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिये। रोजमेरी मैयर को दो विकेट मिले। जेस केर और ब्री इलिंग ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। कुल मिलाकर, केर महिला एकदिवसीय इतिहास में हैट्रिक लेने वाली 14वीं गेंदबाज बन गईं। इससे पहले इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की चार्ली डीन ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ ऐसा किया था, और दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन ने 2025 में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ यह कारनामा किया था।

ओसाका को परास्त कर आर्यना सबालेंका क्वार्टरफाइनल में

कैलिफ़ोर्निया, एजेंसी

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 27 साल की बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओसाका को 80 मिनट चले मुकाबले में 6-2, 6-4 से हरा कर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में बेटी शाई के जन्म के बाद 14 महीनों के बाद वापसी कर रही ओसाका ने मैच की शुरुआत एक कॉन्फिडेंट ओपनिंग सर्विस गेम से की। हालांकि, सबालेंका ने जल्द ही अपनी रिदम पकड़ ली और 28 साल की जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने कई दमदार बैकहैंड मारकर अपनी पकड़ मजबूत की और 5-2 की बढ़त बना ली, फिर एक ऐस के साथ आराम से सेट जीत लिया। ओसाका और सबालेंका दोनों ने दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बनाए रखी, फिर सबालेंका ने 4-2 से कंट्रोल हासिल किया और फिर एक अहम ब्रेक के साथ मैच जीत लिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि यह पागलपन है, इतने सालों में हमने सिर्फ एक बार खेला। मुझे पूरा यकीन है कि हम और भी कई मैच खेलेंगे। वह शानदार टेनिस खेलकर वापस आ रही है। मैं नतीसे से बहुत खुश हूं। पिछली बार से बहुत बेहतर। मुझे खुशी है कि मैंने आज उन पर इतना प्रेशर डाला, कि मैं कोर्ट में वैरायटी लेकर आई। मेरी सर्विस ने अच्छा काम किया। रिटर्न पर मैंने सच में बहुत अच्छा टेनिस खेला। ऑस्ट्रेलिया की टालिया गिब्सन ने इटली की दुनिया की नंबर सात जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की,। 21 साल की गिब्सन, जो दुनिया में 112वें नंबर पर हैं और अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ खेल रही हैं, 11 साल में टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर भी बनीं।

मन की बात

भारतीय कप्तान ने कई खिलाड़यों के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में भी चर्चा की

टीम भावना ने पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका :सूर्यकुमार

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई खिलाड़ियों की कहानियां काफी प्रेरणा देने वाली रहीं

आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विजयी अभियान को आकार देने में मदद करने वाली निजी बातचीत और पलों पर बात करते हुए, भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्वास, भरोसा और मजबूत टीम भावना ने पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभाई। सूर्य ने टीम के कई खिलाड़ियों, जिनमें ईशान किशन और संजू सैमसन शामिल हैं, के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में बात की, और बताया कि कैसे निजी भूमिकाओं से ऊपर टीम को प्राथमिकता देने की उनकी इच्छा ने भारत के सफल वर्ल्ड कप सफर को तय किया। हमारी वर्ल्ड कप टीम के कुछ खिलाड़ियों की कहानियाँ बहुत प्रेरणा देने वाली और इमोशनल रही हैं। अगर आप सिराज की बात करें, तो मैंने उन्हें टूर्नामेंट से कुछ दिन पहले फ़ोन किया था। वह अपने दोस्तों के साथ बैठे थे, कैप पहने हुए थे और खाना खा रहे थे। मैंने उनसे कहा कि हर्षित राणा घायल हैं, आपको टीम में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा कि सूर्य भाई, क्या आप मज़ाक कर रहे हैं? यह उनका पहला रिएक्शन था। फिर मैंने हमारी सिलेक्शन मीटिंग से ठीक पहले इशान किशन को कॉल किया। मैंने उनसे कहा कि छोटू, क्या तुम हमें वर्ल्ड कप जिताने में मदद करोगे। उन्होंने कहा कि सूर्य भैया, बस मुझ पर भरोसा करो और मुझ पर भरोसा रखो। जिस तरह से इशान ने अपनी बात पर अमल किया है, वह एक प्यारी कहानी है।

संजू सैमसन ने टूर्नामेंट शुरू नहीं किया था। वह बीच में आए और एक बात कही कि तुम बस मुझे बताओ कि मैं टीम के लिए क्या कर सकता हूं। यही सबसे बड़ा आशीर्वाद है। स्काई ने जियोस्टार पर कहा कि ऐसे खिलाड़ी, नंबर 1 से 15 तक, हर किसी की एक अलग कहानी होती है। और जसप्रीत बुमराह, मैंने उन्हें नेशनल ट्रेजर कहा है। वह हर दिन यही काम करते हैं। बुमराह जानते हैं कि वह इस फील्ड में बेस्ट हैं। लेकिन फिर भी, वह किसी भी तरह की लापरवाही को अंदर नहीं आने देते। मुझे लगता है कि इससे उनका कैरेक्टर दिखता है। उन्होंने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप जीतने के इमोशनल महत्व के बारे में भी बात की, वही जगह जहां से उनके इंटरनेशनल करियर की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा किअहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप जीतना बहुत खास एहसास है। इंटरनेशनल क्रिकेट में मेरा सफर 2021 में यहीं से शुरू हुआ था। जैसे ही यह शुरू हुआ, वहां से बहुत मज़ा आया। फिर 2026 में यहां आना और भारत के लिए एक लीडर के तौर पर टी20 वर्ल्ड कप जीतना बहुत खास एहसास है। उसी स्टेडियम में होना अच्छा लगता है जिसके बारे में इतने सारे लोग बात कर रहे थे। यहां जीतना पूरी टीम के लिए बहुत खास था।

जिन्हें मौका नहीं मिलता, उनकी फिक्र होती है

भारतीय कप्तान ने वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की कप्तानी करने की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक पर भी ज़ोर दिया– पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्लेइंग इलेवन के बाहर के खिलाड़ियों को मोटिवेटेड और मेंटली तैयार रखना। इस टी20 वर्ल्ड कप कैंपेन में, मेरे लिए सबसे मुश्किल काम उन प्लेयर्स को संभालना था जिन्हें प्लेइंग इलेवन में खेलने के ज़्यादा मौके नहीं मिलते। जिन्हें मौके नहीं मिलते, या बहुत कम मिलते हैं, मुझे हमेशा लगता था कि मुझे उनके साथ ज़्यादा समय बिताना चाहिए। जो खेलते रहते हैं वे ऑटोपायलट मोड में होते हैं। उन्हें पता होता है कि क्या करना है। लेकिन जो कभी भी खेल सकते हैं लेकिन हर गेम में नहीं खेल पाते, उनके लिए स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना मुश्किल होता है। इसलिए उनके साथ समय बिताना और लगातार बातें करना बहुत जरूरी था।

बाबर पाकिस्तान की राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से हटे

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने 26 मार्च से शुरू होने वाली पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से पहले अपनी बल्लेबाजी की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है। टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला की टीम से बाहर किए गए बाबर का नाम पेशावर में चल रही राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप के लिए लाहौर व्हाइट्स टीम में शामिल किया गया था।

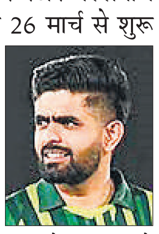

वह घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगे और इसके बजाय अपनी बल्लेबाजी पर कुछ कोच के साथ काम कर रहे हैं।

अफगानिस्तान-श्रीलंका के बीच सीरीज स्थगित

काबुल, एजेंसी

- सैन्य विवाद के कारण फैसला लिया गया
- दोनों टीमों के बीच सीरीज 13 मार्च से शुरू होनी थी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने मंगलवार को कन्फ़र्म किया कि उन्होंने मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य विवाद की वजह से श्रीलंका के ख़िलाफ़ अपनी आने वाली सीरीज़, जो यूनाइटेड अरब अमीरात में होनी थी, स्थगित कर दी है। दोनों टीमों को 13 से 25 मार्च तक तीन वनडे और इतने ही टी20 खेलने थे। एसीबी के चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव नसीब खान ने मंगलवार को क्रिकबज को बताया कि हां श्रीलंका के ख़िलाफ़ व्हाइट-बॉल सीरीज़ स्थगित कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि फ्लाइट्स, लॉजिस्टिक्स और इलाके की स्थिति को लेकर कुछ दिक्कतें थीं। हमने इन मैचों को श्रीलंका में कराने के लिए दूसरा ऑप्शन भी देखा और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के लगातार संपर्क में रहे। हालांकि, उस समय यूएई से श्रीलंका के लिए कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, इतने कम समय में प्रोडक्शन, होटल, ग्राउंड बुकिंग और सिक्योरिटी का इंतज़ाम करना काफी मुश्किल था। इसलिए, हमने आखिरकार इसे टालने का फैसला किया।

उन्होंने आगे कहा कि यह (सीरीज़) इस साल के आखिरी क्वार्टर में खेली जाएगी। इस टी20 सीरीज से उम्मीद थी कि यह सबसे छोटे फॉर्मेट में इब्राहिम ज़दरान की कप्तानी के दौर की शुरुआत होगी, क्योंकि उन्हें हाल ही में राशिद खान की जगह टी20 कप्तान बनाया गया था।